THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

दिल्ली में चलती ट्रेन में लगी आग, धूं-धूंकर जलते कोच का वीडियो आया सामने

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में चलती ट्रेन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना के मुताबिक आग ताज एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12280 की तीन बोगियों में भीषण आग लगी है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी यात्री को नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। आग कैसे लगी इस बात की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग का कहना है कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में जुटे हुए हैं।

वर्ष-29 अंक : 72 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ कृ.13 2081 मंगलवार, 4 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

चुनाव आयोग ने माना

सोमवार और शुक्रवार को नहीं होना चाहिए मतदान

इसे गर्मी से पहले करा लेने की बात भी सही

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के सात चरणों के मतदान के बाद चार जून यानी आज मतगणना होगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं का खड़े होकर अभिनंदन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने माना कि सोमवार और शुक्रवार को मतदान नहीं कराया जाना चाहिए, क्योंकि इन दिनों के बीच काफी लंबा अंतर हो जाता है।

चुनाव आयोग से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शुक्रवार और सोमवार की बात बिल्कुल सही है। यह भी हमारे लिए सीखने वाली बात है। चुनाव गर्मी से पहले होने चाहिए। मतदान सोमवार और शुक्रवार को नहीं कराए जाने चाहिए। हमने विधानसभा चुनावों में ऐसा ही किया था, लेकिन यह इतनी बड़ी प्रक्रिया है कि हम इस बार इसे नहीं कर पाए। चुनाव आयुक्त ने इसके लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में त्योहारों, परीक्षाएं और सुरक्षा बलों के मूवमेंट को जिम्मेदार ठहराया।

सीईसी राजीव कुमार ने यह भी कहा कि हमने 642 मिलियन मतदाताओं का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह सभी जी-7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है। उन्होंने कहा कि चुनाव कर्मियों के सावधानीपूर्वक और सतर्कतापूर्वक किए गए काम की वजह से हमने कम पुनर्मतदान सुनिश्चित किए। हमने 2019 में 540 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 पुनर्मतदान देखे। इसमें भी 39 में से 25 पुनर्मतदान तो सिर्फ दो राज्यों में हुए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह उन आम चुनावों में से एक है, जिसमें हमने हिंसा नहीं देखी। यह हमारी दो साल की तैयारी का

परिणाम है। निर्वाचन आयुक्तों को सोशल मीडिया पर कुछ मीम में 'लापता जेंटलमैन' नाम दिए जाने के संदर्भ में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि हम हमेशा यहीं थे, कभी नदारद नहीं रहे। उन्होंने कहा कि अब मीम बनाने वाले कह सकते हैं कि 'लापता जेंटलमैन' वापस आ गए हैं।

चुनाव के परिणाम पर बोले सीईसी :

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित करने के लिए अपनाई जाने वाली मतगणना प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से मजबूत है। यह घड़ी की सटीकता के समान काम करती है। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू होगी। उसके आधे घंटे बाद ही हम ईवीएम की गिनती शुरू कर देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है।

उन्होंने कहा कि अब मैं कल होने वाली मतगणना प्रक्रिया पर विस्तार से आता हूं। मैं पूरी जिम्मेदारी और दृढ़ता के साथ कुछ बातें कहना चाहता हूं। मतगणना और अन्य चुनाव प्रक्रिया के लिए एक बहुत मजबूत प्रणाली है। हर भाग तय है। मतगणना प्रक्रिया संहिताबद्ध है। सिस्टम में कोई समस्या नहीं हो सकती। मानवीय त्रुटि किसी से भी हो सकती है। हम उससे निपटेंगे। पूरी मतगणना प्रक्रिया मजबूत है।

पोस्ट पोल हिंसा पर कही यह बात :

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि अगर पोस्ट पोल हिंसा कहीं भी होती है तो इसके लिए हमने पहली बार निर्णय लिया है कि एमसीसी के बाद भी कुछ राज्यों में पैरामिलिट्री फोर्स रहेगी।

जम्मू-कश्मीर पर भी बोले :

राजीव कुमार ने कहा कि हम बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू करेंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश के इस आरोप पर कि केंद्रीय गृह मंत्री ने डीएम/आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर) को फोन किया, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है?

'इंतजार करिए, नतीजे हमारी उम्मीद के मुताबिक ही होंगे'

> एग्जिट पोल के बाद सोनिया गांधी का पहला बयान

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के परिणाम चार जून को जारी किए जाएंगे। इससे पहले आए एग्जिट पोल्स में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्पष्ट बहुमत की सरकार बनने का अनुमान जताया गया है। इन पोल्स में विपक्षी गठबंधन को 150 के आसपास सीटें मिलने का दावा किया गया है। इस बीच कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी का बयान सामने आया है। एग्जिट पोल्स के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमें इतजार करना होगा। बस इंतजार करें और देखें। हमें पूरी उम्मीद है कि नतीजे एग्जिट पोल के नतीजों से बिल्कुल उलट होंगे।

मंगलवार को घोषित होने वाले नतीजों से उनकी उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर सोनिया गांधी ने कहा कि हमें इंतजार करना होगा। नतीजे एग्जिट पोल में दिखाए गए नतीजों से

बिल्कुल उलट होंगे। दरअसल, सोनिया गांधी डीएमके कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थीं। यहां से निकलते वक्त उन्होंने यह टिप्पणी की। इससे पहले सोनिया गांधी ने डीएमके के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

दरअसल, ज्यादातर एग्जिट पोल्स ने अनुमान जताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहेंगे और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को लोकसभा चुनावों में भारी बहुमत मिल सकता है। कुछ एग्जिट पोल्स ने तो एनडीए को 400 से अधिक सीटें दी हैं, जबकि अधिकांश ने अनुमान जताया है कि भाजपा नीत गठबंधन 350 से अधिक सीटें जीतेगा। यह आंकड़ा सरकार बनाने के लिए जरूरी 272 सीटों के बहुमत के आंकड़े से काफी अधिक है।

लोकसभा चुनाव की काउंटिंग आज : ऐलान से नतीजों तक 80 दिन चली प्रोसेस

> 751 पार्टियों के 8360 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 16 मार्च से शुरू हुआ चुनाव प्रचार, 75 दिन चला। 19 अप्रैल से 1 जून तक सात फेज में वोटिंग हुई। चुनाव की यह प्रोसेस कुल 43 दिन तक चली। अब 4 जून को पिछले 80 दिनों का इंतजार खत्म होगा। इस बार कुल 8360 उम्मीदवारों ने चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म के मुताबिक, 1333 नेशनल पार्टी से, 532 स्टेट पार्टी से, 2580 गैर मान्यता प्राप्त पार्टी से और 3915 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। 2019 में 7928 और 2014 में 8205 ने चुनाव लड़ा था। 751 पार्टियों ने अपने कैंडिडेट उतारे थे। 2019 में ये आकंड़ा 677 और 2014 में 464 था।

543 सीटों पर सबसे ज्यादा बसपा के 487, भाजपा के 440, कांग्रेस के 327 और सीपीआई-एम के 52 उम्मीदवार मैदान में थे। कल नतीजे आने हैं, इससे पहले जानिए काउंटिंग प्रोसेस क्या होगी। रिजल्ट कब तक आएगा। साथ ही पढ़िए 80 दिनों के दौरान क्या-क्या बयानबाजी हुई। चर्चित चेहरे और मुद्दे कौन से थे। लोकसभा चुनाव के नतीजे से पहले एग्जिट पोल्स में पीएम मोदी तीसरी बार हैट्रिक लगाते नजर आ रहे हैं। एक पोल में तो एनडीए 400 के पार तक पहुंच रही है। 13 एग्जिट पोल के पोल ऑफ पोल्स में एनडीए को 365 और इंडिया को 145 सीटों का अनुमान है। अन्य को 32 सीटें मिल सकती हैं। इस बार भाजपा 2019 में मिली 303 सीटों का आंकड़ा पार कर सकती है। लोकसभा चुनाव 2019 में भी सात चरण में चुनाव हुए थे, लेकिन 2024 के 7 में से 5 चरणों में पिछली बार की तुलना में वोटिंग 4 प्रतिशत तक घटी है। जिन 2 चरणों में वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है, वहां 1 प्रतिशत से कम का अंतर है।

चुनाव आयोग के मुताबिक 4 जून को काउंटिंग प्रोसेस सुबह 8 बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती होगी। इसके बाद ईवीएम के वोट गिने जाएंगे। पोस्टल बैलट 2 कैटेगरी में काउंट होंगे।

पुलवामा में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

> इसमें टॉप कमांडर रियाज अहमद डार शामिल

श्रीनगर, 3 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सोमवार (3 जून) को सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों का एनकाउंटर किया। ये मुठभेड़ पुलवामा जिले के निहामा एरिया में चल रही थी। आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर पहले फायरिंग की थी।

इस एनकाउंटर में साल 2015 से घाटी में एक्टिव टॉप कमांडर रियाज अहमद डार मारा गया है। वो घाटी में हुए कई आतंकी हमलों में शामिल था। सुरक्षाबलों ने दोनों आतंकियों के शव बरामद कर लिए हैं। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वी के बिरधी ने बताया कि एक और आतंकी की पहचान की जा रही है। एक सीनियर पुलिस

अधिकारी ने बताया कि पुलिस और सेना की एक जॉइंट टीम ने निहामा में घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

इसी दौरान छिपे हुए आतंकियों ने उन पर हमला कर दिया था। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई थी। मुठभेड़ में मारे गए टॉप कमांडर रियाज डार के परिवार को मुठभेड़ स्थल पर लाया गया था है, ताकि उनके कहने पर वह सरेंडर कर दे।

डीजीपी बोले-घुसपैठ की फिराक में करीब 70 आतंकी :

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी रश्मी रंजन स्वैन ने रविवार (2 जून) को बताया था कि लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पार लॉन्च पैड पर लगभग 60 से 70 आतंकी सक्रिय हैं, जो घुसपैठ की तैयारी कर रहे हैं। डीजीपी स्वैन ने बताया कि पांच या छह के ग्रुप में आतंकी किसी भी समय घुसपैठ कर सकते हैं। हालांकि, हमारे सुरक्षाकर्मी दुश्मन की साजिश को सफल होने नहीं देंगे।

ब्रह्मोस के पूर्व इंजीनियर को उम्रकैद की सजा

नागपुर, 3 जून (एजेंसियां)। नागपुर की एक कोर्ट ने सोमवार को ब्रह्मोस के एक पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को उम्रकैद की सजा सुनाई। बताया गया है कि निशांत को 2018 में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करते और जानकारी देने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अब उन्हें दोषी पाए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निशांत भारत की डीआरडीओ और रूस की सैन्य औद्योगिक कंसोर्शियम (एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया) के जॉइंट वेंचर-ब्रह्मोस एयरोस्पेस में सीनियर सिस्टम इंजीनियर पद पर कार्यरत थे। ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने पर काम कर रही है।

अमूल के बाद मदर डेयरी ने भी बढ़ाए दूध के दाम

> 2 रुपए लीटर इजाफा करने का फैसला, फुल क्रीम दूध अब 68 रुपए में मिलेगा

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। अमूल के बाद अब मदर डेयरी ने भी दूध के दाम में बढ़ोतरी की है। कंपनी ने 3 जून से दूध के दाम दो रुपए प्रति बढ़ा दिए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद अब मदर डेयरी के फुल क्रीम दूध की कीमत 68 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि टोंड दूध की कीमत 54 रुपए से बढ़ाकर 56 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है।

मदर डेयरी ने डेयरी किसानों से कच्चे दूध की कंपनी की खरीद लागत में इजाफे को कीमतों में बढ़ोतरी का जिम्मेदार ठहराया। मदर डेयरी ने कहा है कि पिछले कुछ महीनों में दूध

फुल क्रीम दूध की कीमत ₹68 लीटर

डैरिएंट्स	पुरानी कीमत (रुपए/लीटर)	नई कीमत (रुपए/लीटर)
टोकन मिल्क	52 रुपए	54 रुपए
टोंड मिल्क	54 रुपए	56 रुपए
गाय का दूध	56 रुपए	58 रुपए
फुल क्रीम मिल्क	66 रुपए	68 रुपए
भैंस का दूध	70 रुपए	72 रुपए
डबल टोंड मिल्क	48 रुपए	50 रुपए

की खरीद के लिए अधिक कीमत चुकाने के बावजूद हमने नहीं बढ़ाए थे। इसके अलावा, पूरे देश में गर्मी से दूध उत्पादन पर और असर पड़ने की संभावना है।

अमूल ने भी आज से बढ़ाए दाम

अमूल ने भी आज यानी 3 जून से दूध के दाम 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने कहा है कि अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल फ्रेश की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है।

पिछली बार फरवरी-2023 में बढ़ाए थे दाम :

अमूल ने दूध की कीमतों में 15 महीने बाद बढ़ोतरी की है। इससे पहले फरवरी 2023 में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

दूध की कीमतें बढ़ाने को लेकर अमूल ने कहा था कि, पिछले साल की तुलना में पशु चारे की कीमत ही करीब 20 प्रतिशत बढ़ चुकी है।

इनपुट लागत में बढ़ने के कारण हमारी मेंबर यूनियन ने किसानों से खरीदे जाने वाले दूध की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 8-9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

'सीएम पद के लिए 2,500 करोड़, मंत्री पद के लिए 500 करोड़'

* बेंगलुरू की स्पेशल कोर्ट ने राहुल गांधी को बुलाया

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक की एक कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के मामले में 7 जून को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। बीजेपी की कर्नाटक इकाई ने यह मानहानि का मामला दायर किया था। जिसमें आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस ने भगवा पार्टी को भ्रष्ट करार देने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन छपवाए थे। यह मामला 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले का है। बीजेपी ने मानहानि का यह मामला 2023 में विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में दायर किया था।

शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को जमानत देने वाली स्पेशल कोर्ट ने राहुल गांधी को 7 जून को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। राहुल गांधी इस मामले में चौथे आरोपी हैं, जबकि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी), शिवकुमार और सिद्धारमैया पहले तीन आरोपी हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने 1 जून को उपस्थित न होने पर राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग की, जबकि कांग्रेस ने तर्क दिया कि गांधी का पार्टी द्वारा विज्ञापनों के प्रकाशन से कोई संबंध नहीं है। कोर्ट ने राहुल गांधी को पेश होने से छूट दी, लेकिन कहा कि उन्हें 7 जून को उपस्थित होना होगा। कोर्ट ने मामले की तारीख तय करते हुए कहा, आरोपी नंबर 4 द्वारा दायर आवेदन को स्वीकार किया जाता है और आज के लिए उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति को समाप्त किया जाता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि

आरोपी नंबर 4 को अगली सुनवाई की तारीख पर इस कोर्ट के समक्ष बिना किसी चूक के उपस्थित होना होगा।

मानहानि का मामला भाजपा के राज्य महासचिव एस केशव प्रसाद द्वारा 8 मई, 2023 को कोर्ट में दायर एक निजी शिकायत के आधार पर उठाया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि शिवकुमार, सिद्धारमैया और राहुल गांधी जैसे कांग्रेस नेता 2019 से 2023 तक कर्नाटक की भाजपा सरकार को भ्रष्ट बता रहे हैं। शिकायत में प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने यह दावा करके भाजपा को बदनाम किया है कि पार्टी नेतृत्व ने राज्य में विभिन्न पदों के लिए कीमतें तय की हैं जैसे कि सीएम पद के लिए 2,500 करोड़ रुपये और मंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये, जिससे शासन में भ्रष्टाचार होता है।

प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस ने 5 मई, 2023 को अखबारों में विज्ञापन भी दिए, जिसमें कोविड किट टेंडर सौदों में 75 प्रतिशत, पीडब्ल्यूडी टेंडरों के लिए 40 प्रतिशत, धार्मिक संगठनों को अनुदान के लिए 30 प्रतिशत और ऐसे अन्य सौदों में कमीशन का आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि ये आरोप चुनावों के दौरान भाजपा पार्टी का अपमान हैं।

स्पेशल कोर्ट ने कांग्रेस नेताओं को 11 मार्च 2024 को समन जारी किया था। शुरूआत में राहुल गांधी ने एक वकील के माध्यम से कोर्ट को बताया कि वह लोकसभा चुनावों के कारण खुद पेश नहीं हो पाएंगे और उन्होंने जून में तारीख मांगी।

कोर्ट ने इस साल 28 मार्च को कहा, आरोपी नंबर 4 के वकील ने कहा कि आरोपी को दिल्ली से यात्रा करनी है और वह आगामी चुनावों से पहले इस कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने में असमर्थ है। और आरोपी नंबर 4 की उपस्थिति के लिए मामले को जून के महीने में पोस्ट करने की प्रार्थना की। मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आरोपी नंबर 4 को एक जून 2024 तक पेश होने के लिए समय दिया जाता है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि भाजपा कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करके भगवा पार्टी के कार्यकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए कांग्रेस पार्टी को उकसा रही है। शिवकुमार ने कहा, राहुल गांधी, सिद्धारमैया और मेरा नाम शिकायत में दर्ज है। हम कानून का सम्मान करते हैं और राहुल गांधी जल्द ही कोर्ट में पेश होंगे।

'वाईएसआरसीपी विधायक रेड्डी मतगणना स्थल पर नहीं जा सकते'

नई दिल्ली, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सर्वोच्च अदालत ने वाईएसआरसीपी विधायक पिन्नेली रामाकृष्ण रेड्डी को मतगणना स्थल में प्रवेश करने से रोक दिया है। रेड्डी ने वोटिंग के दौरान, मतदान केंद्र में घुसकर कथित रूप से ईवीएम तोड़ दिया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाश पीठ ने 13 मई को हुई घटना का वीडियो देखा। पीठ ने रेड्डी को दी गई अग्रिम जमानत को न्याय तंत्र का भद्दा मजाक करार दिया है।

रेड्डी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह से पीठ ने कहा कि आप वीडियो देखेंगे तो समझ आएगा कि यह पूरी तरह से गलत आदेश है। यह न्याय प्रणाली का भद्दा मजाक है। इसके अलावा, पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय से कहा कि रेड्डी के खिलाफ छह जून को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामलों से संबंधित याचिका पर बिना किसी संकोच के फैसला लें। रेड्डी को 28 मई को अंतरिम राहत दी गई थी। बता दें, माचेर्ला विधानसभा क्षेत्र से वाईएसआरसीपी के उम्मीदवार रेड्डी अपने समर्थकों के साथ 13 मई को मतदान वाले दिन कथित तौर पर मतदान केंद्र में घुसे गए थे।

सीमा हैदर की बढ़ी मुश्किलें

पानीपत कोर्ट ने तलब किया, वकील मोमिन को सोशल मीडिया पर खरी-खोटी सुनाई थी

पानीपत, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत में गैर कानूनी तरीके से अपने चार बच्चों के साथ प्रेमी सचिन के पास आई सीमा हैदर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के सामने आने के बाद विवादों में घिरी सीमा हैदर को अब पानीपत कोर्ट ने पेश होने के आदेश दिए हैं।

दरअसल, गुलाम हैदर के वकील मोमिन मलिक ने जिला कोर्ट में केस दायर किया है। इसमें सीमा हैदर, रबुपुरा गाजियाबाद के थाना प्रभारी के साथ यू-ट्यूब, फेसबुक, गूगल, इंस्टाग्राम को भी पार्टी बनाया है। कोर्ट ने सभी को नोटिस जारी किया है। इनको दो जुलाई को पेश होना होगा।

सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म भी तलब :

दरअसल सीमा हैदर पर नया ये है कि उसने वीडियो रील के जरिए वकील मोमिन मलिक को बुरा-भला कहा है। जिस पर मोमिन ने रिएक्ट करते हुए पानीपत कोर्ट में केस दर्ज कराया है। सीमा पर आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया पर उनकी छवि को खराब किया है। वकील ने बताया कि कोई भी विदेशी व्यक्ति भारत सरकार से अनुमति लिए बिना कोई फिल्म या रील नहीं बना सकता। वह न ही इनको प्रसारित कर सकता है। सीमा हैदर ने इस दौरान सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर फिल्म और रील बनाई हैं।

वह उनको और देश के लोगों को भी उल्टा सीधा बोल रही हैं। उन्होंने इस मामले में सिविल जज हिमानी गिल की कोर्ट में याचिका लगाई थी। कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर लिया है। इस मामले में सीमा हैदर, रबुपुरा गाजियाबाद के थाना प्रभारी, यू-ट्यूब, फेसबुक, गूगल, इंस्टाग्राम को पार्टी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इनको दो जुलाई को पानीपत कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए हैं।

बिना तलाक के दूसरी शादी :

एडवोकेट मोमिन मलिक ने बताया कि सीमा हैदर ने गुलाम हैदर को तलाक दिए बिना दूसरी शादी की है। उन्होंने गुलाम हैदर की मांग पर गाजियाबाद की फैमिली कोर्ट में शादी को चुनौती दी थी। जिसमें गुलाम हैदर के कागजों के आधार पर सीमा हैदर को जमानत मिली थी। इसमें 20 धाराओं में केस दर्ज करने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमा हैदर ने अपने वकील के माध्यम से उनको बदनाम करने की कोशिश की है। उन्होंने इस मामले में जिला कोर्ट में क्रिमिनल केस दायर किया है।

'माल्या, नीरव मोदी और चोकसी इसलिए भागे क्योंकि एजेंसियां पकड़ने में विफल रहीं'

विशेष अदालत की टिप्पणी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने हाल ही में कहा कि लाखों डॉलर के घोटालों में शामिल नीरव मोदी, मेहुल चोकसी और विजय माल्या इसलिए देश से भागने में सफल रहे क्योंकि जांच एजेंसियां उन्हें उचित समय पर गिरफ्तार करने में विफल रहीं।

विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत आरोपी की जमानत की शर्तों में बदलाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने 29 मई को धन शोधन के एक मामले में आरोपी व्योमेश शाह की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें उसने विदेश यात्रा के लिए अदालत से पूर्व अनुमति लेने की जमानत शर्त को वापस लेने का अनुरोध किया था।

इस मामले में विस्तृत आदेश हाल ही में उपलब्ध कराया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तर्क दिया था कि शाह के आवेदन को अनुमति देने से नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चोकसी जैसे मामलों का इजाफा होगा। जांच एजेंसी की दलील को खारिज करते हुए न्यायाधीश ने कहा, मैंने इस दलील पर विचार किया और यह गौर करना जरूरी समझा कि ये सभी लोग इसलिए भाग गए क्योंकि संबंधित जांच एजेंसियां इन्हें उचित समय पर गिरफ्तार नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत शाह समन के जवाब में अदालत में पेश हुए, जमानत हासिल की और कई बार विदेश यात्रा के लिए आवेदन किया। अदालत ने कहा कि शाह के मामले की तुलना नीरव मोदी, विजय माल्या, मेहुल चोकसी आदि के मामलों से नहीं की जा सकती। हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसका मामा मेहुल चोकसी पीएनबी घोटाले में मुख्य आरोपी हैं। नीरव मोदी फिलहाल ब्रिटेन में जेल की सजा काट रहा है जबकि उसके मामा एंटीगुआ में रहते हैं।

माल्या इस समय ब्रिटेन में हैं और वह 900 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं। जिसकी जांच ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रहे हैं।

महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी की 27 वर्षीय बेटी ने की आत्महत्या

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी की 27 वर्षीय बेटी ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, विकास चंद्र रस्तोगी और राधिका रस्तोगी की बेटी लिपि (27) ने सुबह करीब 4 बजे नरीमन पॉइंट स्थित अपने सरकारी आवास की 10वीं मंजिल से छलांग लगा दी।

उसे तुरंत जीटी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वह सोनीपत हरियाणा में एलएलबी की पढ़ाई कर रही थी और पढ़ाई में अपने प्रदर्शन को लेकर चिंता में थी। उसने एक सुसाइड नोट छोड़ा है। यह पुलिस के पास है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया है। कफ परेड थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र विधान परिषद : भाजपा ने की उम्मीदवारों की घोषणा

26 जून को होगा मतदान, एक जुलाई को नतीजे आएंगे

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। भाजपा ने महाराष्ट्र विधान परिषद के द्विवर्षीय चुनाव कोंकन ग्रेजुएट, मुंबई ग्रेजुएट और मुंबई टीचर्स क्षेत्र से उम्मीदवारों की घोषणा की। कोंकन ग्रेजुएट क्षेत्र से निरंजन डावखरे को मैदान पर उतारा गया है। वहीं, मुंबई ग्रेजुएट से किरण रविंद्र शेलार और मुंबई टीचर्स क्षेत्र से शिवनाथ हिरामन दराडे को उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा के अलावा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने विधान परिषद चुनाव के लिए सोमवार को कोंकण ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र से फिल्म निर्देशक अभिजीत पानसे को अपना उम्मीदवार घोषित किया। इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व मौजूदा समय में भाजपा के निरंजन डावखरे कर रहे हैं। बता दें कि राज्य में परिषद चुनाव के लिए 26 जून को मतदान होने वाला है। नामांकन भरने की अंतिम तिथि सात जून है और परिणाम एक जुलाई को घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र विधान परिषद की 78 सीटों में शिवसेना (अविभाजित) के 11, राकांपा(अविभाजित) के नौ, कांग्रेस के आठ और भाजपा के 22 सदस्य हैं। इसके अलावा जदयू के राष्ट्रीय समाज पक्ष के एक-एक और निर्दलीय के चार सदस्य और 21 सीटें खाली हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने एमएलसी अनिल परब और पार्टी पदाधिकारी जेएम अभयंकर को मुंबई ग्रेजुएट और मुंबई टीचर्स निर्वाचन क्षेत्र से 26 जून को विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवार नियुक्त किया। अनिल परब महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में पूर्व राज्य परिवहन मंत्री थे। जेएम अभयंकर शिवसेना टीचर्स सेल के प्रमुख हैं। बता दें कि चार विधान परिषद सीटों मुंबई ग्रेजुएट, कोंकण ग्रेजुएट, मुंबई टीचर्स और नासिक टीचर्स के लिए प्रत्येक दो वर्षों में चुनाव आवश्यक हो गए, क्योंकि मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है।

पुणे पोर्शे कार मामला : कुछ और लोग भी पुलिस की रडार पर, नया सीसीटीवी फुटेज आया सामने

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट से जुड़े मामले में अब एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। यह फुटेज ससुन अस्पताल का है जिसमें ब्लड सैंपल के साथ छेड़छाड़ के वक़्त कुछ और लोग भी दिखाई दे रहे हैं। इस मामले में नाबालिग आरोपी के मां-बाप और दादा समेत ससुन अस्पताल से जुड़े दो डॉक्टर पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अब इस मामले में कुछ और लोगों के शामिल होने की बात भी सामने आ रही है।

पुलिस ने कोर्ट को क्या बताया?

पुलिस ने कोर्ट को बताया कि वह आरोपी के माता-पिता, ड्राइवर और दोस्तों के जरिए इस बात की पहचान कर रहे हैं कि किसने ब्लड के असल सैंपल को फेंका था। अदालत ने माता और पिता को 5 जून तक चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

इससे पहले, इंडियन एक्सप्रेस ने जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए सबसे पहले रिपोर्ट दी थी कि नाबालिग के ब्लड के नमूने को उसकी मां के ब्लड के नमूने से बदल दिया गया था। पुणे सिटी पुलिस ने शनिवार को नाबालिग की मां को गिरफ्तार किया था, उसका पिता पहले से ही पुलिस की हिरासत में है। इन दोनों पर दुर्घटना के बाद 19 मई को ससून अस्पताल में लिए गए अपने नाबालिग बेटे के ब्लड के नमूने की अदला-बदली में शामिल होने का आरोप था।

मोदी से मिले नीतीश कुमार : शाह के साथ भी होगी मुलाकात

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के 4 जून को आने वाले नतीजे से पहले देश की राजधानी दिल्ली में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दिल्ली दौरे पर आए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर दोनों नेताओं के बीच करीब 35 मिनट से ज्यादा देर तक बातचीत हुई।

यह बताया जा रहा है कि बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पीएम मोदी को राज्य में हुए लोकसभा चुनाव के संभावित नतीजों के बारे में जानकारी दी है। नीतीश कुमार की पीएम मोदी से हुई इस मुलाकात को 2019 में लोकसभा चुनाव के बाद घटे घटनाक्रम के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि नीतीश कुमार स्वयं इस बार 2019 का इतिहास दोहराना नहीं चाहते। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन का हिस्सा होने और बड़ी जीत मिलने के बावजूद नीतीश कुमार केंद्र में मंत्रिमंडल के गठन को लेकर नाराज हो गए थे। भाजपा और जेडीयू दोनों ही इस बार 2019 के प्रकरण को दोहराने से बचना चाहते हैं।

इसलिए यह माना जा रहा है कि शीर्ष स्तर पर हुई इस मुलाकात के दौरान बिहार एवं देश के राजनीतिक हालात, एग्जिट पोल के अनुमान और मंगलवार को आने वाले चुनावी नतीजों के साथ-साथ एनडीए गठबंधन में भविष्य में नीतीश कुमार की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई है। नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ भी मुलाकात करनी है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार सोमवार शाम को ही 4 बजे के लगभग अमित शाह से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में मंगलवार को आने वाले चुनावी नतीजों के साथ ही बिहार के राजनीतिक हालात और केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार बनने वाली सरकार के मंत्रिमंडल में जेडीयू की भागीदारी को लेकर चर्चा हो सकती है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 13 की मौत

भोपाल, 3 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ में रविवार की रात बारातियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 13 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 16 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। 12 ट्रॉमा सेंटर में हैं। गंभीर रूप से घायल 2 बच्चों समेत 4 लोगों को भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में मरने वाले सभी लोग राजस्थान के झालावाड़ और बारां जिले के रहने वाले थे। बारात में शामिल एक महिला का कहना है कि ट्रैक्टर का ड्राइवर शराब के नशे में था। जानकारी के मुताबिक ट्रॉली में 50 बाराती थे। मौत उनकी हुई जो ट्रॉली के नीचे दब गए थे। ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकाला। जेसीबी की मदद से ट्रॉली उठाकर शवों को और अन्य घायलों को निकाला गया। मरने वालों में 5 महिलाएं, 5 बच्चे और 18 से 20 साल के 3 युवक हैं।

सड़क से उतरकर खाई में चला गया ट्रैक्टर

हादसा राजगढ़ जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर पीपलोदी के पास हुआ है। ट्रैक्टर में राजस्थान के इकलेरा के समीप स्थित मोतीपुरा गांव से तातूड़िया परिवार की एक बारात राजगढ़ के पास देहरीनाथ पंचायत के गांव कमालपुर आ रही थी। खामखेड़ा से कुछ दूर पिपलौदी मोड़ पर ट्रैक्टर सड़क से उतरकर खाई में जा गिरा और पलट गया। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इधर, सूचना के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी पहुंचे।

हिमाचल में 3 निर्दलीय एमएलए के इस्तीफे मंजूर

लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले बीजेपी को झटका, उपचुनाव वाली 6 सीटें जीती तो भी कांग्रेस से पीछे

होशियार सिंह | आशीष शर्मा | केएल ठाकुर

शिमला, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट से एक दिन पहले, सोमवार को हिमाचल के विधानसभा स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने 3 निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे मंजूर कर लिए। इनमें नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर, देहरा के विधायक होशियार सिंह और हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा शामिल हैं। इन तीनों ने हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार हर्ष महाजन को वोट दिया था। इसके बाद तीनों ने 22 मार्च को विधानसभा स्पीकर और सचिव यशपाल के सामने पेश होकर अपने इस्तीफे सौंप दिए थे। तीनों भाजपा जॉइन कर चुके हैं।

हिमाचल विधानसभा में अगर दलीय स्थिति की बात करें तो राज्य में कुल 68 सीटें हैं और बहुमत के लिए 35 एमएलए चाहिए। कांग्रेस के 6 और अब 3 निर्दलीय MLA के इस्तीफे होने के बाद कुल विधायकों की संख्या 59 रह गई है और बहुमत का आंकड़ा 30 हो गया है। राज्य में कांग्रेस के पास इस समय 34 और भाजपा के पास 25 विधायक हैं।

कांग्रेस के 6 विधायकों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर 1 जून को लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव हो चुका है। इनका रिजल्ट 4 जून को आएगा। इन 6 सीटों का रिजल्ट आने के बाद कुल विधायकों की संख्या 65 हो जाएगी। तब बहुमत का आंकड़ा 33 रहेगा। कांग्रेस के मौजूदा विधायकों की संख्या इससे अभी भी एक ज्यादा है।

स्पीकर के इस फैसले से भाजपा को करारा झटका लगा है। पार्टी के नेता दावा करते रहे हैं कि 4 जून को 6 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव का नतीजा आने के बाद पार्टी प्रदेश में सरकार बनाएगी। भाजपा अगर उपचुनाव वाली सभी 6 सीटें जीत भी लेती है तो भी उसके विधायकों की संख्या 31 तक ही पहुंच पाएगी।

स्पीकर बोले- जांच की वजह से देरी हुई

स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा- तीनों विधायक आज से विधानसभा के सदस्य नहीं रहे। जल्द इसका नोटिफिकेशन हो जाएगा। अब देहरा, नालागढ़ और हमीरपुर विधानसभा पर उपचुनाव होगा। चुनाव और सभी विधायकों का पक्ष जानने के लिए इस्तीफा मंजूर करने में देरी हुई है।

कांग्रेस के 6 बागी भाजपा के टिकट पर लड़ रहे उपचुनाव

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायकों ने भी भाजपा के पक्ष में वोटिंग की थी। विधानसभा स्पीकर ने सभी 6 विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी थी। इसके बाद सुजानपुर से 3 बार से विधायक रहे राजेंद्र राणा, लाहौल स्पीति से 2 बार के विधायक रहे रवि ठाकुर, बड़सर से 3 बार के विधायक रहे इंद्रदत्त लखनपाल, कुटलैहड़ से देवेंद्र कुमार भुट्टों और गगरेट से चैतन्य शर्मा ने भी दिल्ली में भाजपा जॉइन कर ली थी। उपचुनाव का ऐलान होने के बाद भाजपा ने कांग्रेस के 6 बागियों को ही उम्मीदवार घोषित कर दिया।

एग्जिट पोल के बाद बीजेपी का जोश हाई, हो रहीं जश्न की तैयारियां

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे तो 4 जून को आएंगे लेकिन एग्जिट पोल के बाद से ही बीजेपी ने विजय की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीजेपी एक बड़ा पॉलिटिकल इवेंट आयोजित करेगी। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी पिछले सप्ताह शुरू हो गई थी। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) इस आयोजन पर पहले से ही काम कर रहा है। सूत्रों ने कहा कि इस बीच लोकसभा सचिवालय देश भर के नवनिर्वाचित सांसदों की यात्रा, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशनों जैसे सेंटर पर उनके आगमन और राजधानी में उनके ठहरने की सुविधा के लिए तैयारी कर रहा है।

सूत्रों ने कहा कि राजनीतिक कार्यक्रम आधिकारिक शपथ ग्रहण वाले दिन ही भारत मंडपम या कर्तव्य पथ पर आयोजित होने की संभावना है। इसमें लेजर लाइट शो के साथ 'भारत की सांस्कृतिक विरासत' को प्रदर्शित किया। इसमें 8,000-10,000 लोगों के भाग लेने की संभावना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह के बाद उत्सव/सांस्कृतिक कार्यक्रम की योजना को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन यह 9 जून को हो सकता है। 2019 में परिणाम घोषित किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल के साथ 30 मई को शपथ ली थी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि 'राजनीतिक कार्यक्रम' पर चर्चा की गई और एक बड़ी सभा की मेजबानी की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई है। पार्टी नेता ने कहा, "ऐसा समझा जाता है कि इस कार्यक्रम पर वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा चर्चा की गई है।

बालाघाट में कांग्रेस ने डेढ़ लाख लड्डू का आर्डर दिया, राजनांदगांव से डीजे बुक

बालाघाट, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होंगे। राजनीतिक दल अभी से अपनी-अपनी जीत के दावों के साथ जीत के जश्न की तैयारी में जुट गए हैं। बालाघाट में कांग्रेस ने एक लाख मतों के अंतर से जीत का दावा किया है। जीत को यादगार बनाने के लिए कांग्रेस भाजपा से दो कदम आगे चल रही है।

पार्टी ने नागपुर के एक होटल में डेढ़ लाख बूंदी के लड्डू का आर्डर दिया है। वहीं, ढोल-नगाड़ों तथा डीजे के लिए कांग्रेस ने राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) की बैंड पार्टी को बुक कर लिया है। भाजपा की तो, पार्टी ने मतगणना में अपने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने के लिए बैठकें शुरू कर दी हैं। रविवार को भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं की भीड़ भी नजर आई।

रोचक खबरें

107 साल की है दुनिया की सबसे बुजुर्ग टैटू कलाकार, 92 साल का है अनुभव

योद्धाओं के बनाती थी खास निशान

टैटू आर्टिस्ट के बारे में हम जब भी सोचते हैं, तो हमारे जहन में किसी लंबे बाल वाले नौजवान की या फिर सड़क के किनारे सादे कपड़े में बैठे किसी आदमी की तस्वीर सामने आती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग टैटू आर्टिस्ट कौन है? रिकॉर्ड के हिसाब से बात करें तो दुनिया की सबसे बुजुर्ग टैटू कलाकार, फिलीपींस के बुस्कलान नामक सुदूर गांव में रहती हैं. उनकी उम्र 100 साल से भी ज्यादा है. हम बात कर रहे हैं, एपो वांग-ओड की जिनकी सोशल मीडिया पर भी चर्चा रहती है। एपो वांग-ओड को मारिया ओग्गे के नाम से भी जाना जाता है. वे 15 साल की उम्र से ही त्वचा पर हाथ से टैटू बना रही है. वोग के मुताबिक पिछले 16 सालों में ही उनके ग्राहक और उसकी ख्याति कॉर्डिलेरा इलाके से बाहर फैल गई है. उनसे मिलने आज दुनिया भर से हजारों लोग आते हैं, जिनके मन में उन्हीं से कोई यादगार टैटू बनवाने की ख्वाहिश होती है। लोककथाओं और टैटू मानवविज्ञानी डॉ लार्स क्रुटक द्वारा किए गए इंटरव्यू के अनुसार, वांग-ओड 15 वर्ष की थी जब उसने अपने पिता की सलाह के तहत एक टैटू कलाकार के रूप में अपना काम शुरू किया था.

अपने समय की पहली और एकमात्र मांबातोक महिला, वांग-ओड दूर दूर तक दूसरे गांवों की यात्रा करती थीं। वे पुरुषों पर खास तरह के टैटू बनाती थीं जो उनके योद्धा होने का संकेत हुआ करता था. एक बिक्किंग, कंधों से ऊपर और बाहों के नीचे रेंगने वाले पैटर्न के साथ छाती का टैटू, पूरा होने में कई दिन लग सकते थे और एक बड़े सूअर या कई किलो चावल की लागत आती थी. महिलाएं मुख्य रूप से मुख्य रूप से प्रजनन क्षमता और सौंदर्य के लिए टैटू बनवाती थीं।

कॉकरोचों से भरा है 'सबसे गंदा शहर' जहां सांस लेने पर भी हो सकते हैं बीमार

अगर आप सोचते हैं कि अमेरिका जैसे विकसित देश के सभी शहर बहुत अच्छा और साफ सुथरे होते हैं, तो आप सही नहीं हैं. एक अमेरिकी शहर ऐसा भी है जो गंदगी के लिए ज्यादा ही जाना जाता है. इसके बारे में कहा जाता है कि उसके घरों में कीड़े रेंगते रहते हैं और यह इतना खराब है कि हवा में सांस लेने से भी आप बीमार हो सकते हैं. एक सर्वे में उसे अमेरिका के सबसे गंदे शहरों में से एक बताया गया है।

लॉनस्टार्टर द्वारा 2023 के एक अध्ययन में, राज्यों के 150 से अधिक सबसे बड़े शहरों की तुलना चार समूहों में की गई ताकि यह देखा जा सके कि कौन शीर्ष पर आएगा. समूह में प्रदूषण, रहने की स्थिति, बुनियादी ढांचा और ग्राहकों की संतुष्टि जैसी बातों का ध्यान रखा गया था। सबसे अधिक औसत अंक पाने वाले शहर को 'सबसे गंदा' दर्जा दिया गया, जबकि सबसे कम औसत अंक वाले शहर को सबसे साफ शहर का दर्जा दिया गया. इस तरह से सर्वे के मुताबित अमेरिका का सबसे गंदा शहर टेक्सास का ह्यूस्टन है, जिसे सबसे गंदे शहर का दर्जा मिला है।

स्पेस सिटी रैंकिंग के कूड़े के ढेर में सबसे ऊपर आ गया, जिसने अपने पूर्ववर्ती नेवार्क, न्यू जर्सी को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है. ह्यूस्टन का सम्मान इसकी भयानक वायु गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे की समस्याओं और घरों में घुसने वाले कीड़ों की चौंका देने वाली संख्या के कारण मिला है. लॉनस्टार्टर की सहयोगी साइट पेस्टग्नोम ने डेटा निकाला, जिसमें दिखाया गया कि ह्यूस्टन में कॉकरोच की सबसे खराब समस्या है, शहर में खौफनाक जीव रेंग रहे हैं. कई लोगों का कहना था कि इन हालातों में रहना उनके लिए जीवन का एक तरीका बन गया था.2023 में उत्तरी ह्यूस्टन के क्रैनब्रुक फ़ॉरेस्ट अपार्टमेंट के निवासियों ने कहा कि वे चूहों के साथ-साथ अन्य समस्याओं से भी तंग आ चुके हैं, जिनसे वे जूझ रहे थे।

कोविड में हो गए थे कंगाल, फिर आजमाने लगे किस्मत

मिला ऐसा खजाना कि दूर हो गई सात पुश्तों की गरीबी!

कोविड के दिनों में वह बेरोजगार हो गया. उसकी आर्थिक स्थिति बहुत नाजुक हो गई. फिर उसके सामने सर्वाइवल का संकट पैदा हो गया. उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा था, लेकिन उसको किस्मत पर बहुत भरोसा था. वह और उसकी पत्नी फिर किस्मत ही आजमाने लगे. वह नियमित रूप से ऐसा काम करते थे, फिर अचानक एक पल में उनकी किस्मत ने दस्तक दी. और उनको इतना धन मिला कि उनकी सात पुश्तों की गरीबी दूर हो गई. यह कहानी है अमेरिका के न्यूयॉर्क के एक कपल की. दो जून की रोटी के जुगाड़ में लगे रहने वाला कपल अचानक से करोड़पति बन गया. वो भी किसी लॉटरी से नहीं बल्कि पूरी तरह किस्मत के भरोसे।

द गार्डियन अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह दंपति न्यूयॉर्क के एक झील में 'मैग्नेट फिशिंग' करता है. मैग्नेट फिशिंग के जरिए पानी से मेटल निकाले जाते हैं. इसमें फिशिंग वाले धागे के एक सिरे पर पावरफुल मैग्नेट लगाया गया होता है. इससे पानी में मौजूद मेटल उसमें चिपक जाते हैं. फिर फिशिंग करने वाला शख्स उसे इकट्ठा कर बेचता है और पैसे कमाता है।

फिशिंग के दौरान खुली किस्मत

फिशिंग पर गए इस कपल का नाम जेम्स केन और बार्बी एगोस्टिनी है. वे अन्य दिनों की तरह एक बार फिर 31 मई को क्वीन्स के फ्लिशिंग मीडोज कोरोना पार्क में फिशिंग करने गए थे. वे फिशिंग कर रहे तो उनके अहसास हुआ कि मेटल से कोई भारी चीज चिपक गई है. वह चीज मेटल का एक बॉक्स था. वे किसी तरह उसे पानी से बाहर निकालने में सफल हुए. उस वक्त उनको अहसास नहीं था कि इसी मेटल बॉक्स में उनकी किस्मत का खजाना छिपा हुआ है. फिर उन्होंने सावधानी से उस बॉक्स को खोला. फिर क्या उनकी किस्मत का खजाना खुल चुका था. उस बॉक्स में 100 डॉलर के एक लाख डॉलर (करीब 83 लाख रुपये) की रकम थी.

हालांकि, ये नोट थोड़े खराब हो गए थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 4 जून, 2024 3

सुविचार

किसी ने ईश्वर से पूछा आपके सबसे नजदीक कौन है ईश्वर ने कहा वो इंसान जिसके पास बदला लेने की शक्ति हो और उसने फिर भी माफ कर दिया हो

लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए पूरी तैयारी

17 संसदीय क्षेत्रों से 525 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला * 65.67 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मतदान

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में तीनों प्रमुख राजनीतिक दल एक-दूसरे से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मतदाताओं से उम्मीद लगाए बैठे हैं। 17 संसदीय क्षेत्रों से जीत के लिए 525 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला काफी अहम है और सभी की निगाहें मतदाताओं के फैसले पर टिकी हैं। संसदीय चुनाव परिणामों के अलावा, सिकंदराबाद छावनी निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव के परिणाम भी मंगलवार को घोषित किए जाएंगे। बीआरएस के मौजूदा विधायक जी लास्या नंदिता की सड़क दुर्घटना में अचानक मृत्यु के कारण उपचुनाव कराया गया था। तेलंगाना में 13 मई को लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत 3.32 करोड़ मतदाताओं में से 65.67 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया।

यह 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में 2.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जब बीआरएस ने 9 सीटें, भाजपा ने 4, कांग्रेस ने 3 और एआईएमआईएम ने 1 सीट हासिल की थी। सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पार्टी एजेंटों को सुबह 7 बजे तक बिना सेलफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मतगणना केंद्र पर उपस्थित होना आवश्यक है। चुनाव नियम 1961 के नियम 54 ए के अनुसार, सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों से मतगणना शुरू होगी, उसके बाद सुबह 8:30 बजे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से मतगणना होगी। एक घंटे के भीतर शुरुआती रुझान आने की उम्मीद है।

मतगणना के राउंड की संख्या अलग-अलग होती है, चोप्पाडांडी, याकूतपुरा और देवरकोंडा विधानसभा क्षेत्रों में अधिकतम 24 राउंड और अरमूर, भद्राचलम और अश्वरावपेट निर्वाचन क्षेत्रों में न्यूनतम 13 राउंड होते हैं। पूरी प्रक्रिया दोपहर करीब 3 बजे समाप्त होने की उम्मीद है। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने कड़ी सुरक्षा के बीच राज्य भर में 34 स्थानों पर मतगणना प्रक्रिया के लिए व्यापक व्यवस्था की है। मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए राज्य पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की लगभग 12 कंपनियों को तैनात किया गया है।

शराब की बिक्री पर प्रतिबंध, धारा 144 लागू :

4 जून को सुबह 6 बजे से 5 जून को सुबह 6 बजे तक शराब की बिक्री पर प्रतिबंध के अलावा, धारा 144 लागू कर दी गई है और मतगणना हॉल के 100 मीटर के भीतर अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। विभिन्न एग्जिट पोल पूर्वानुमानों के बावजूद, कांग्रेस और भाजपा दोनों का लक्ष्य तेलंगाना से बहुमत वाली सीटें हासिल करना है, जो नई दिल्ली में केंद्र सरकार बनाने के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

मतदान के बाद इंडी गठबंधन वेंटिलेटर पर: चुघ

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और भाजपा तेलंगाना राज्य प्रभारी तरुण चुघ ने आज कहा कि पूरे देश में मतदान के बाद, इंडी ब्लॉक वेंटिलेटर पर आ गया है, जबकि मोदी की भाजपा एक्सीलेटर पर है। इंडी गठबंधन द्वारा पोषित झूठे आशावाद पर तीखा हमला करते हुए चुघ ने कहा कि यह बुलबुला जल्द ही फूट जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों में अपने विश्वास और भरोसे की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के भ्रामक प्रचार को मतदाताओं ने खारिज कर दिया है और चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद, देश विकास और प्रगति के एक नए युग में प्रवेश करेगा।

ट्रेन संचालन की सुरक्षा को प्राथमिकता दें : अरुण कुमार जैन

महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन संचालन पर एक विस्तृत सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलु ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने आगामी मानसून के मद्देनजर सुरक्षा सुनिश्चित करने और ट्रेन संचालन की निगरानी करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि भारी बारिश और हवाएं चलने की स्थिति में सभी कर्मचारी अपने-अपने स्टेशनों पर तुरंत उपस्थित रहें। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों की समयबद्धता पर नजर रखने की भी सलाह दी। उन्होंने उच्च अधिकारियों को ट्रैक रखरखाव पर औचक निरीक्षण करने और कर्मचारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं के बारे में परामर्श देने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने मानसून के मौसम के मद्देनजर लोको पायलट, सहायक लोको पायलट जैसे कर्मचारियों और ट्रेन संचालन के काम में शामिल कर्मचारियों को नियमित परामर्श देने और भारी बारिश और हवाओं के मामले में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की सलाह दी। अधिकारियों ने महाप्रबंधक को जोन में धुआं पता लगाने वाले उपकरणों, अग्निशामक यंत्रों आदि जैसे सुरक्षा संबंधी स्टॉक की उपलब्धता के बारे में बताया। उन्होंने अधिकारियों को असामान्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए डिपो में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया। अरुण कुमार जैन ने ट्रैक नवीनीकरण कार्यों की प्रगति पर भी जोर दिया और अधिकारियों को जल्द से जल्द काम पूरा करने की सलाह दी। उन्होंने डीआरएम को रखरखाव कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली सभी सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करने का निर्देश दिया, ताकि ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

हैदराबाद जिले में मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले में हैदराबाद और सिकंदराबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा सिकंदराबाद छावनी विधानसभा उपचुनाव के लिए मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने सोमवार को जुबली हिल्स तथा खैरताबाद विधानसभा क्षेत्रों में मतगणना व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा स्थिति की समीक्षा की।

इस अवसर पर बोलते हुए रोनाल्ड रॉस ने कहा कि हैदराबाद संसदीय क्षेत्र के लिए डाक मतपत्रों की गणना नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान तथा चारमीनार विधानसभा मतगणना केंद्र के परिसर में स्थित कमला नेहरू महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित की गई थी। इसी प्रकार, उस्मानिया विश्वविद्यालय केंद्र प्रो. राम रेड्डी फॉर डिस्टेंस एजुकेशन में सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र की मतगणना होगी। सिकंदराबाद छावनी विधानसभा उपचुनाव के संबंध में मतों की गणना सीएसआईआईटी, वेस्ले कॉलेज, सिकंदराबाद में होगी। रोनाल्ड रॉस ने बताया कि डाक मतपत्रों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू होगी और उसके बाद ईवीएम मतों की गिनती होगी। उन्होंने आगे बताया कि 12,00 कर्मचारी मतगणना कार्य में भाग ले रहे हैं और उन्होंने हैदराबाद जिले के 13 क्षेत्रों में 16 मतगणना केंद्र बनाए हैं। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि मतगणना के लिए व्यवस्था की गई है और सभी मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में 20 टेबल हैं जबकि शहर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में 14 टेबल हैं। याखतपुरा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 24 राउंड और चारमीनार विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 15 राउंड होंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सचिवालय में वास्तु परिवर्तन का सुझाव दिया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आवश्यकताओं के अनुरूप सचिवालय भवन में कई बदलाव किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में बदलाव करने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री के काफिले के प्रवेश का मुख्य द्वार बदला जा रहा है।

अब से काफिले का प्रवेश सचिवालय पश्चिम द्वार (पश्चिम) से होगा और इसका निकास पूर्वी द्वार से होगा। आईएएस और आईपीएस सहित वरिष्ठ अधिकारियों को भी पूर्वी द्वार से जाने की अनुमति है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को सचिवालय में अपनी वास्तु आवश्यकताओं के अनुसार बदलाव करने का सुझाव दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) अब छठी मंजिल पर स्थित है। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का लकी नंबर छह होने के कारण छठी मंजिल पर बुलेटप्रूफ व्यवस्था की गई थी। अब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सीएमओ को नौवीं मंजिल पर शिफ्ट करने का फैसला किया है। रेवंत रेड्डी का लकी नंबर नौ होने के कारण इस संबंध में भवन में बदलाव किए जा रहे हैं। इसके अलावा कुछ अन्य विभागों में भी बदलाव किए जा रहे हैं। सचिवालय भवन विभाग इन कार्यों की देखरेख कर रहा है।

आचार संहिता में जब्त हुई थी 200 करोड़ की सामग्री

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पुलिस ने लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के तहत 1 मार्च से 3 जून के बीच की गई जांच के दौरान नकदी, शराब, सोना और मुफ्त उपहारों सहित 200 करोड़ रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता ने सोमवार को जारी एक नोट में कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से भारत के चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, तेलंगाना पुलिस ने धन, कीमती धातुओं, शराब और मुफ्त उपहारों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए 466 उड़न दस्ते (एफएस), 85 राज्य आंतरिक सीमा चौकियों के अलावा स्थानीय पुलिस की मोबाइल पार्टियों का गठन किया है।

जांच के दौरान 99.16 करोड़ रुपये की नकदी, 11.48 करोड़ रुपये की शराब, 63.19 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं और 14.52 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए गए। डीजीपी ने कहा कि पुलिस के पास कुल 7,272 लाइसेंसी हथियार जमा किए गए और 20 गैर-लाइसेंस वाले हथियार जब्त किए गए। 2019 के लोकसभा चुनावों में पुलिस ने 46.3 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की।

आदिलाबाद में मतगणना के लिए व्यापक इंतजाम

आदिलाबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के लिए मंगलवार को मतगणना सुचारू रूप से कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र में आदिलाबाद, बोथ, निर्मल, खानपुर, मुधोले, सिरपुर (टी) और आसिफाबाद जैसे सात विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं, जहां 13 मई को मतदान हुआ था।

मतगणना के लिए 3 स्थान :

अधिकारियों के अनुसार, जिला केंद्र में मतों की गिनती के लिए तीन स्थान बनाए गए हैं। आदिलाबाद और बोथ विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती तकनीकी प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र (टीटीडीसी) में की जाएगी, जबकि निर्मल, खानपुर और मुधोले क्षेत्रों के मतों की गिनती संजय गांधी पॉलिटेक्निक कॉलेज में की जाएगी। सिरपुर (टी) और आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती तेलंगाना समाज कल्याण आवासीय विद्यालय (लड़कियां) में की जाएगी।

14 टेबल, 159 राउंड :

वोटों की गिनती के लिए 14 टेबल लगाए गए थे, जबकि वोटों की गिनती 159 राउंड में की जाएगी। हर राउंड में 10 से 15 मिनट का समय लगेगा। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू होगी। आसिफाबाद खंड से संबंधित वोटों की गिनती में सबसे ज्यादा 26 राउंड लगेंगे, जबकि आदिलाबाद खंड के वोटों की गिनती 21 राउंड में की जाएगी।

12 उम्मीदवार मैदान में :

चुनाव मैदान में उतरे 12 उम्मीदवारों की राजनीतिक संभावनाएं सामने आएंगी। उम्मीदवारों ने भीषण गर्मी का सामना करते हुए सघन प्रचार अभियान चलाया। कुछ प्रमुख उम्मीदवारों में बीआरएस के अथराम सक्कू, भाजपा के गोदाम नागेश और कांग्रेस के अथराम सुगुना शामिल हैं। संयोग से, सक्कू, नागेश और सुगुना राजनीति में आने से पहले शिक्षक थे।

कोत्तागुडेम में 1.19 करोड़ रुपये कीमत का 477 किलो गांजा जब्त, पांच गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को जिले के मनुगुर में 477 किलो गांजा जब्त किया और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। सोमवार को मनुगुर पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि गांजा तस्करी की सूचना मिलने पर एसआई मेदा प्रसाद और कर्मचारियों ने मनुगुर के हनुमान मंदिर इलाके में वाहनों की जांच की।

उन्हें एक मिनी पिकअप ट्रक में आमों के बीच छिपाकर रखा गया गांजा मिला, जिसके आगे एक पायलट वाहन था। जब्त किए गए गांजे की कीमत 1.19 करोड़ रुपये है। आरोपियों, यदाद्री जिले के सीएच श्रीकांत और डी अर्जुन, मोथुगुडेम के पी सुनील कुमार, कोठागुडेम जिले के येलंडु के आर नागराजू और ए सृजन पर मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि उपरोक्त आरोपियों ने जहीराबाद के अर्जुन और किरण के निर्देश पर आंध्र प्रदेश के पूर्व गोदावरी के डोनकरायी में विक्रेताओं रवि, मधु, उपेंद्र और सांगी गुरु से मादक पदार्थ खरीदा था और इसे अश्वपुरम और मनुगुर के रास्ते जहीराबाद ले जा रहे थे।

बीआरएस की जीत पर सट्टेबाजों का बड़ा दांव

मेदक, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव की मतगणना में सट्टेबाज मेदक लोकसभा क्षेत्र में बीआरएस की जीत पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। बीआरएस ने लगातार 5 बार मेदक से जीत हासिल की है और पिछले विधानसभा चुनावों में पार्टी ने मेदक लोकसभा के अंतर्गत आने वाली 7 विधानसभा सीटों में से 6 पर जीत हासिल की थी, इसलिए सट्टेबाज बीआरएस उम्मीदवार पी वेंकटरामी रेड्डी की जीत पर दांव लगा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की गजवेल विधानसभा सीट और पूर्व मंत्री टी हरीश राव की सिद्दीपेट विधानसभा सीट भी मेदक लोकसभा क्षेत्र में आती है, इसलिए इसे पार्टी की स्थापना के बाद से ही बीआरएस का गढ़ माना जाता है। 2001 में पार्टी की शुरूआत के बाद से बीआरएस ने मेदक में कभी भी लोकसभा चुनाव नहीं हारा है।

अधिकांश एग्जिट पोल ने मेदक में बीआरएस की जीत की भविष्यवाणी की है, इसलिए सट्टेबाज बीआरएस की जीत पर दांव लगाने के लिए उत्सुक हैं, जबकि भाजपा और कांग्रेस के कट्टर समर्थक अपनी पार्टी के उम्मीदवारों पर दांव लगा रहे हैं। इस बीच, सट्टेबाज जहीराबाद लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत पर अधिक दांव लगा रहे हैं। बीआरएस के मौजूदा सांसद बीबी पाटिल ने जहीराबाद में वफादारी बदलने के बाद भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। जहीराबाद लोकसभा क्षेत्र के तहत सात विधानसभा क्षेत्रों में से चार पर कांग्रेस की जीत के बावजूद, सट्टेबाज भाजपा पर निवेश करना पसंद कर रहे हैं। बीआरएस के कट्टर समर्थक बीआरएस उम्मीदवार गली अनिल कुमार की जीत पर दांव लगा रहे हैं।

पुलिस की सख्त निगरानी के बावजूद सट्टा धड़ल्ले से चल रहा है। सट्टेबाज आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों पर भी सट्टा लगाने में व्यस्त हैं। आंध्र प्रदेश के नतीजों पर सट्टा लगाने वालों में से ज्यादातर आंध्र प्रदेश के लोग हैं।

जुपल्ली को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें : प्रवीण कुमार

वनपर्ती, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार ने मांग की है कि राज्य मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव को मंत्रिमंडल से तुरत हटाया जाए और उनके द्वारा की गई राजनीतिक हत्याओं की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। वह सोमवार को वानापर्थी में बीआरएस जिला पार्टी कार्यालय में तेलंगाना दशकीय स्थापना दिवस समारोह के तहत पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी के साथ झंडा फहराने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव के कारण नगरकर्नूल और वानापर्थी जिले अशांत क्षेत्र बनते जा रहे हैं। लक्ष्मीपल्ली गांव में बोड्डू श्रीधर रेड्डी की हत्या के 11 दिन बाद भी हत्यारों की गिरफ्तारी न होना सरकार की लापरवाही का सबूत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से छह महीनों में दो हत्याएं, एक हत्या का प्रयास और एक हमला हुआ है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि बीआरएस पार्टी नेताओं के लिए खतरे बढ़ गए हैं। कांग्रेस नेता सीएम रेवंत रेड्डी के बयान से नाराज हैं, जिन्होंने कहा कि वह आंतें निकालकर अपनी गर्दन पर लगा लेंगे और पार्टी के अन्य नेताओं को परेशानी में डाल देंगे और कहा कि इस तरह के बयान लोकतंत्र के लिए अच्छे नहीं हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं से प्रतिशोध की राजनीति बंद करने और लोकतांत्रिक तरीके से शासन करने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों में पार्टी उम्मीदवार नवीन रेड्डी की जीत के लिए पार्टी के जेडपीटीसी, एमपीटीसी, पार्षदों और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि एमएलसी चुनावों में नवीन रेड्डी की जीत लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए प्रेरणा है। उन्होंने मजाक उड़ाया कि सीएम रेवंत रेड्डी को स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों में ताकत न होने के बावजूद राजनीतिक प्रलोभन का सहारा लेकर उम्मीदवार खड़ा करने का श्रेय दिया जाता है। लोकतंत्र में जीतना स्वाभाविक है और जिस तरह से रेवंत रेड्डी ने कहा कि विपक्षी दल कमजोर होंगे और हारेंगे, हम उसकी कड़ी निंदा करते हैं। अपने 25 साल के राजनीतिक करियर, 14 साल की जुझारू भावना और 10 साल की सत्ता में केसीआर को राज्य को विकास के मामले में सबसे आगे रखने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने कहा, अगर 100 रेवंत रेड्डी भी आ जाएं, तो वे बीआरएस पार्टी को खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि लोग केसीआर द्वारा किए गए विकास को मिटाने की साजिश को खारिज कर देंगे।

सीपी ने स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी हैदराबाद के. श्रीनिवास रेड्डी ने एचओपी चुनाव मतगणना के दौरान हैदराबाद और सिकंदराबाद में विभिन्न स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना केंद्रों की व्यवस्था व सुरक्षा पहलुओं की जांच के बाद मतगणना व्यवस्था में आये पुलिस जवानों को कई निर्देश दिये। कल मतगणना केंद्र पर धारा 144 लागू की जाएगी, इसलिए कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी समय नियमों का उल्लंघन न हो। वहीं, अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि मतगणना केंद्र पर कोई अप्रिय घटना न हो और यातायात एवं सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।

राधा किशन राव को मिली अंतरिम जमानत

हैदराबाद, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय अदालत ने सोमवार को जेल में बंद पूर्व टास्क फोर्स डीसीपी और फोन टैपिंग मामले में संदिग्ध पी. राधा किशन राव को अंतरिम जमानत दे दी, क्योंकि उनकी मां सरोजिनी देवी का निधन हो गया था। सरोजिनी देवी (98) स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित थीं और करीमनगर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

उनकी मृत्यु के बाद, राधाकिशन राव ने अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए अंतरिम जमानत की मांग करते हुए अदालत में एक आपातकालीन याचिका दायर की। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने उन्हें मंगलवार शाम 6 बजे तक के लिए एक दिन की जमानत दे दी। राधाकिशन राव वर्तमान में चंचलगुडा के केंद्रीय कारागार में बंद हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.SANDT_CCTV_CHG_VSKP

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के विशाखापट्टनम के CHG डिपो में CCTV कैमरों का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 10,58,976/-, EMD (रुपये में): 21,200/-, पूरा होने की अवधि: 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 04.06.2024, निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 18.06.2024 को 1700 बजे।

ऐसी निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

आसिस्टन्ट सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर-I/ वाल्टियर

PR-174/P/24-25

यूपी में मतगणना के पुख्ता इंतजाम

› 81 सेंटर्स पर होगी काउंटिंग › नतीजों के बाद विजय जुलूस पर भी रोक

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। लोकतंत्र के महापर्व में कल 4 जून को बड़ा दिन होने वाला है. देश की 543 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान के नतीजे सामने आ जाएंगे. कल मंगलवार सुबह 8 बजे से वोट की गिनती चालू हो जाएगी. इसको लेकर सुरक्षा व्यस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. राज्य के 75 जिलों में 81 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं. यूपी के अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार और डीजीपी प्रशांत कुमार ने जॉइंट प्रेस कांफ्रेंस करते हुए काउंटिंग संबंधित जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि यूपी में टोटल 81 जगह पर सुबह 8 बजे से काउंटिंग शुरू होगी. पूरी काउंटिंग पर सीसीटीपी से निगरानी रखी जाएगी. सभी जिलों में धारा 144 लागू है और अनावश्यक भीड़ लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस दौरान कोई भी विजय जुलूस नहीं निकाला जाएगा।

वहीं डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि कल होने वाली काउंटिंग को लेकर व्यापक व्यवस्था की गई है. मतगणना केंद्र पर त्रिस्तरीय सुरक्षा रखी गई है. इनर सर्किल में जहां काउंटिंग होगी, वहां सीआरपीएफ तैनात रहेगी और सभी की चेकिंग होगी. महिलाओ को चेकिंग किसी भी हाल में पुरुष कर्मी नहीं करेगा, सिर्फ महिला कर्मी ही बंद एरिया में महिलाओं की चेकिंग करेंगी।

इन लोगों के काउंटिंग एजेंट बनाए जाने पर प्रतिबंध

गौरतलब है कि इससे पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना एजेंट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को काउंटिंग एजेंट बनाया जा सकता है. केंद्र/राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद के सदस्यों, सांसदों, विधायकों, मेयर, नगर पालिका परिषद / नगर पंचायत के अध्यक्ष को काउंटिंग एजेंट बनाए जाने पर प्रतिबंध है. केंद्र /राज्य सरकार से सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों को काउंटिंग एजेंट बनाए जाने पर भी प्रतिबंध है. हालांकि,निर्वाचन क्षेत्र के निवासी ग्राम प्रधान, सरपंच, पंचायत सदस्यों, सभासद आदि को काउंटिंग एजेंट बनाए जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है. अप्रवासी भारतीय को भी काउंटिंग एजेंट बनाया जा सकता है.

कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर पुलिस की नजर

डीजीपी ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाह ना फैले, इसके लिए सोशल मीडिया टीम मॉनिटरिंग कर रही है. इस बार चुनाव में कहीं भी कोई घटना नहीं हुई, यह पुलिस फोर्स की निष्पक्षता को भी बताता है. हमारे पास पुख्ता प्रमाण है कि कुछ लोग ज्यादा से ज्यादा लोगों को काउंटिंग सेंटर पर पहुंचने की अपील कर रहे हैं. ऐसे लोगों पर हमारी नजर है, कोई भी ऐसे लोगों के बहकावे में न आएं. कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर नजर रखी जा रही है. 2022 के चुनाव में भी कुछ लोगों ने शांति व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश की थी, ऐसे लोगों पर हुई कार्रवाई को सभी ने देखा था। बता दें कि यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर 851 प्रत्याशी (771 पुरुष एवं 80 महिला) चुनाव मैदान में हैं. सबसे ज़्यादा 28 प्रत्याशी घोसी लोकसभा क्षेत्र में हैं, जबकि सबसे कम 4 प्रत्याशी कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में हैं. आगरा, मेरठ, आजमगढ़, देवरिया, सीतापुर, कुशीनगर जनपदों में मतगणना 2-2 केंद्रों पर होगी. 8 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 3 जिलों में, 37 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 2 जिलों में और 35 लोकसभा क्षेत्रों की मतगणना 1 जिले में होगी।

गिरिराज बोले-इंडी गठबंधन के लोग थेथरलॉजी से बाज नहीं आ रहे

ममता बनर्जी के बारे में कहीं बडी बातें

बेगूसराय, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता और बेगूसराय लोकसभा सीट से प्रत्याशी गिरिराज सिंह ने फिर से इंडी गठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज सभी एजेंसियों ने एनडीए गठबंधन को 400 के आसपास की बढ़त बताई है और यह सिर्फ मोदी की गारंटी का ही परिणाम है।

अगर देखा जाए तो इस चुनाव में लगभग आठ प्रतिशत महिलाओं ने अधिक मतदान किया है और यह मोदी की गारंटी का ही परिणाम है कि आज महिलाओं का विश्वास नरेंद्र मोदी से जुड़ चुका है। इस चुनाव में अधिकांश महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नरेंद्र मोदी के पक्ष में किया है। चार जून को सारी बातें स्पष्ट हो जाएगी और विपक्ष की सारी खटखट और फटाफट धारी की धरी रह जाएगी।

कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के **लोग थेथरोलॉजी से बाज नहीं आ रहे**

वहीं कांग्रेस के 295 सीट से अधिक वाले बयान को गिरिराज सिंह ने थेथरोलॉजी करार देते हुए कहा है कि आज सभी सर्वे एजेंसियां 400 के आसपास एनडीए की बढ़त को बता रही है तो वहीं कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के लोग थेथरलॉजी से बाज नहीं आ रहे।

बंगाल की जनता का अब ममता बनर्जी से विश्वास उठ गया है

गिरिराज सिंह ने एक बार फिर जहां ममता बनर्जी को आरे हाथों लेते हुए संदेशखाली की घटना पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि बंगाल की जनता का अब ममता बनर्जी से विश्वास उठ गया है और यही वजह है कि आज बंगाल में भी भाजपा बहुमत से आगे जा रही है। तो उन्होंने कहा कि आज सभी एजेंसियों ने एनडीए गठबंधन को 400 के आसपास की बढ़त बताई है और यह सिर्फ मोदी की गारंटी का ही परिणाम है।

लखनऊ में मजदूर के चेहरे पर पेशाब की

मजदूरी करके सो गया था, जगाने के लिए आरोपी ने की शर्मनाक हरकत-एफआईआर दर्ज

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। लखनऊ में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां मजदूर के चेहरे पर उसके ही साथी ने पेशाब कर दिया। पीड़ित, मजदूरी करके दोपहर में सो रहा था। उसे जगाने के लिए साथी मजदूर ने आवाज लगाई, लेकिन जब वह नहीं जगा तो उसके मुंह पर जाकर पेशाब कर दी।

उसने इस शर्मनाक हरकत का वीडियो भी बनाया। मजदूर ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की। घटना दुबग्गा इलाके की है। पुलिस ने आरोपी संजू उर्फ संजय मौर्य को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 2 जून यानी कल की है, लेकिन वीडियो आज सामने आया।

पीड़ित बोला-थकान लगी थी कुछ समझ नहीं आया

घटना को लेकर पीड़ित का कहना है कि गुम्मा-अद्धा लोड़िंग का काम करते हैं। गर्मी इतनी थी की छाया देखकर हम सो गए। थकान इतनी लगी थी की हमें कुछ पता ही नहीं चला की कौन क्या कर रहा है। उससे हमारी पहले से भी कोई दुश्मनी नहीं है। उसे पेशाब ही करना था तो इतना बड़ा मैदान पड़ा था कहीं भी कर सकता था। लेकिन बदतमीजी इतनी की चेहरे पर पेशाब कर दिया।

पत्नी ने कहा-वीडियो देखे तब पता चला

जिस दौरान घटना हुई उस समय पीड़ित की पत्नी बहन से मिलने हॉस्पिटल गई थी। वह कहती हैं कि बेटे ने पहले पिता के बारे में पूछा इसके बाद मोबाइल पर वीड़ियो दिखाया। मैं घबराए गई। तुरंत अस्पताल से भागते हुए घर आई। पूछी तो पति को किसी तरह की जानकारी नहीं थी। तब मैं भागते-भागते थाने पर गई और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस हमारी मदद कर रही है। उसे उठाकर थाने ले गई है।

पीड़ित-आरोपी परिचित हैं

डीसीपी वेस्ट दुर्गेश कुमार ने बताया- दुबग्गा क्षेत्र के छंदोइया खेड़ा गांव में एक सरकारी जमीन है। पीड़ित और आरोपी दोनों परिचित हैं। गिट्टी तोड़ने का काम करते हैं। रविवार को गिट्टी तोड़ने के बाद दोनों ने शराब पी। फिर, वहीं खाली जमीन पर लेट गए। थोड़ी देर बाद संजू ने उनके चेहरे पर पेशाब कर दिया। इसके बाद दोनों में कहासुनी भी हुई। पीड़ित की पत्नी ने थाने पर एफआईआर दर्ज करवाई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

फेसबुक लाइव आकर पत्रकार ने दी जान

भोजपुर, 3 जून (एजेंसियां)। बक्सर में एक पत्रकार ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनी जान दे दी। करीब 9 मिनट के वीडियो में रघुनाथपुर गांव के वार्ड-1 निवासी हरि शेखर पाठक (42) ने अपनी आपबीती सुनाई और पहले से तैयार फंदे में झूल गए। पत्नी से तलाक के बाद वे काफी परेशान थे। फेसबुक पर पहली बार लाइव आएं और 8 मिनट 55 सेकेंड के वीडियो में उन्होंने कहा कि मैं अपनी लाइफ से थक गया हूं, मैंने अपनी जिंदगी में बहुत स्ट्रगल किया, लेकिन अब हिम्मत नहीं है। अपनी लड़ाई अपनों की वजह से हार गया हूं। जो करने जा रहा हूं, अपनी इच्छा से कर रहा हूं। हालांकि, ये बुजदिली है, लेकिन मुझ में अब हिम्मत नहीं बची। हरि शेखर पाठक एक निजी टीवी न्यूज चैनल में काम करते थे।

अखिलेश बोले-पतंग जितनी ऊंचाई पर कटेगी, पतन उतना बड़ा

कहा-मतदान में भाजपा के टेंट खाली, एग्जिट पोल में दे रहे 300 सीटें

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने काउंटिंग से पहले लखनऊ में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- चुनाव के दौरान कहीं भी ऐसा नहीं दिखा कि भाजपा के समर्थन में लोग आए। उनके टेंट और मैदान खाली थे। लेकिन, एग्जिट पोल में 300 पार सीटें। एग्जिट पोल करने वाली संस्थाएं भाजपा के लिए बूथ मैनेजमेंट का भी काम करती हैं। भाजपा विपक्ष को डरा रही है। लेकिन इस बार जनता तैयार है। जनता गांधी जी को याद करते हुए 'करो या मरो' की तरह आंदोलित हो गई है।

अखिलेश ने कहा- सेंसेक्स-निफ्टी का रिकॉर्ड ऊंचाई पर इसलिए पहुंचा, क्योंकि भाजपा वाले लाभ कमाने की कोशिश कर रहे हैं। अमूल ने आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए दूध की कीमत में 2 रुपए की वृद्धि की है। उन्होंने अपने लोगों को लाभ कमाने में मदद करने के लिए कीमतें बढ़ाई हैं। ऐसी संभावना है कि वे धीमी गति से गिनती करेंगे और रात में बिजली कटौती करेंगे।

पतंग जितनी ऊंचाई पर कटती है, पतन उतना ही बड़ा होता है

मुझे उम्मीद है कि इलेक्शन कमीशन नियमों का पालन करेगा। जब भाजपा हार की तरफ जाएगी। उनकी कोशिश होगी कि एजेंटों पर भी दबाएं। भाजपा किसी भी तरह की साजिश कर सकती है। एग्जिट पोल अलग-अलग तरीके की जानकारी दे रहे हैं। लेकिन याद रहे कि पतंग जितनी ऊंचाई पर जाकर कटती है, उसका पतन उतना ही बड़ा होता है।

भाजपा ने देश में सौहार्द बिगाड़ा और भाईचारा खत्म किया

भाजपा कई दोषों के लिए जिम्मेदार है। भाजपा ने देश में सौहार्द बिगाड़ा और भाईचारा खत्म किया। जाति के खिलाफ जाति। संप्रदाय के खिलाफ संप्रदाय लड़वाए। आरक्षण को साजिशन खत्म करने के लिए बेरोजगारों से छल किया, पेपर लीक कराए। देश के लिए आगे बढ़कर लड़ने वालों की बहन-बेटियों के लिए अपने मंत्रियों से अपशब्द कहलवाए।

भाजपा ने अग्निवीर योजना लाकर देश को खतरे में डाला

भाजपा ने अग्निवीर जैसी योजना से देश की सुरक्षा और सीमाओं से समझौता कर देश को खतरे में डाल दिया। भाजपा का झूठा राष्ट्रवाद, चीन की घुसपैठ से रेजांग लॉ मेमोरियल' जैसे शहीदों के बलिदान के स्मारक तक नहीं बचा पाया। भाजपा की भ्रष्ट-नीतियां बीते कल के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य में भी देश की रक्षा के लिए असमर्थ हैं। 140 करोड़ जनता की शक्ति के आगे भ्रष्ट और संकीर्ण सोच के चंद देश-विरोधी लोग टिक नहीं सकते हैं। देश का युवा फिर से कफन सिर पर बांधकर कह रहा है, 'मेरा रंग दे बसंती चोला'। इंडिया गठबंधन की जीत देश और देश की जनता की जीत साबित होगी।

भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड का ऐतिहासिक भ्रष्टाचार किया। इलेक्टोरल बॉन्ड से पैसा कमाने के लिए मुनाफाखोरी को बढ़ावा दिया, जिससे महंगाई बढ़ गई।

सीतापुर में कैश से भरा एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

दूसरे एटीएम को पिकअप से बांधकर उखाड़ा, खेत में पड़ी मिली मशीन; 22 लाख चोरी

सीतापुर, 3 जून (एजेंसियां)। सीतापुर में रविवार देर रात अलग अलग जगहों पर भारतीय स्टेट बैंक के दो एटीएम मशीनों को बदमाशों ने निशाना बनाया। लहरपुर इलाके में बदमाश एटीएम मशीन के शटर का ताला तोड़कर मशीन को उखाड़ ले गए। जबकि सदरपुर इलाके में बदमाशों ने एटीएम मशीन को पिकअप से बांध कर जोर से घसीटा। जिससे एटीएम मशीन उखड़ गई और शीशे के लगे गेट को तोड़ती हुई बाहर आ गई।

गेट टूटने को तेज आवाज से आस पास के लोग जग गए। शोर मचाने लगे। जिससे लुटेरे एटीएम मशीन को बाहर ही छोड़कर फरार हो गए। बैंक कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। वही एक खेत से पहला एटीएम टूटा हुआ बरामद हुआ है। इससे कैश निकाल लिया गया। पुलिस ने खेत मालिक को हिरासत में ले लिया है। उससे पुछताछ जारी है।

पहली घटना : पहली वारदात लहरपुर थाना इलाके की है। यहां तंबौर मार्ग पर ग्राम गौरिया प्रहलादपुर में भारतीय स्टेट बैंक शाखा स्थित एटीएम को बदमाश उखाड़ कर फरार हो गए। सुबह जब स्थानीय लोग नमाज पढ़ने गए तो एटीएम को टूटा हुआ देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी, कोतवाली प्रभारी मुकुल प्रकाश वर्मा और भारी पुलिस बल ने मौके की जांच कर अगल-बगल लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। बदमाश एटीएम के शटर का ताला तोड़कर पूरे एटीएम को ही किसी वाहन पर लादकर फरार हो गए।

एक किसान हिरासत में

तालगांव थाना इलाके के धोन्धी गांव में खेत की रखवाली कर रहे किसान पुत्तन को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुत्तन के खेत में टूटा हुआ एटीएम बरामद हुआ है। इससे कैश निकाल लिया गया है। पुलिस खेत मालिक से पूछताछ कर रही है।

एटीएम में 22 लाख 30 हजार रुपये थे

घटना से पहले बदमाशों ने एटीएम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिया। लहरपुर इलाके में एटीएम के अंदर बैंक कर्मचारियों की मानें तो 22 लाख 30 हजार 500 रुपये थे। प्रभारी निरीक्षक मुकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

दूसरी घटना : दूसरी वारदात सदरपुर थाना इलाके की है। यहां पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर बदमाशों ने स्टेट बैंक के एटीएम को उखाड़ लिया। स्थानीय लोगों के जागने पर बदमाश धमकी देकर मशीन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। यहां भी बदमाशों ने स्टेट बैंक के एटीएम को अपना शिकार बनाया है। बताया जा रहा है कि महमूदाबाद रेउसा मार्ग के किनारे अकरम खान की दुकानों में लगे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एटीएम मशीन के पास रविवार की रात करीब 01:30 बजे पांच से 6 अज्ञात नकाबपोश बदमाश एक पिकअप से आए।

पिता और भाई ने सुपारी किलर से करवाई शिक्षक की हत्या, 3 लाख में हुआ था सौदा

सहरसा, 3 जून (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा से हत्या का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जहां जमीन के लालच में छोटे भाई ने अपने पिता के साथ मिलकर बड़े भाई की हत्या कर दी. जो एक सरकारी स्कूल में टीचर था. बताया जा रहा है कि तीन लाख रुपये की सुपारी देकर इस वारदात को अंजाम दिलाया गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की। दरअसल 31 मई को बरियाही स्थित स्कूल जा रहे शिक्षक सरोज कुमार गुप्ता को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी. मृतक के पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी. एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सदर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया.

राजभर बोले-8 जून को मोदी पीएम पद की शपथ लेंगे

काशी में 40 हजार किलो लड्डू तैयार, यूपी में 81 केंद्रों पर काउंटिंग कल, 9 बजे से रुझान

वाराणसी, 3 जून (एजेंसियां)। यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 8 बजे से गिनती शुरू होगी। सुबह 9 बजे से रुझान आने शुरू हो जाएंगे। 12 बजे तक लगभग तस्वीर साफ हो जाएगी कि कौन जीत की तरफ बढ़ रहा है।

इधर, सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने दावा किया है कि 8 जून को नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे। विपक्ष की सीटें कम आ रही हैं। इसलिए, वे लोग बौखला रहे हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तो अनाज को गोदाम में सड़ता था, आज वह अनाज 80 करोड़ लोगों में बांटा जा रहा है। कांग्रेस और सपा नफरत फैला रहीं हैं। वहीं, रिजल्ट से पहले काशी में भाजपा कार्यकर्ता 40 हजार किलो लड्डू बनवा रहे हैं। आगरा में मोदी की हैट्रिक के पोस्टर लग गए हैं। कार्यकर्ता भाजपा के झंडे खरीद रहे हैं। अमरोहा में जीत के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने हवन-पूजन किया। यूपी चुनाव में कुल 851 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें 771 पुरुष और 80 महिलाएं हैं। सबसे ज्यादा 28 प्रत्याशी घोसी और सबसे कम 4 प्रत्याशी कैसरगंज लोक सभा में हैं। सबसे देर से रिजल्ट गाजियाबाद में आएगा। यहां 41 राउंड में मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 75 जिलों में 81 सेंटर पर मतगणना होगी। पोस्टल बैलेट की गिनती जिला मुख्यालय के मतगणना केंद्र पर होगी। गिनती विधानसभा वार होगी। सभी विधानसभा के वोट जोड़कर लोकसभा का रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

आगरा में ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ऑटो को रौंदा, 3 की मौत

आगरा, 3 जून (एजेंसियां)। आगरा में ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ऑटो को रौंद दिया। हादसे में पिता, 9 साल की बेटी और 12 साल के बेटे की मौत हो गई। हादसे में पत्नी और 2 बच्चे घायल हो गए। परिवार मैनपुरी जा रहा था। तीनों घायलों को SN मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसा सोमवार सुबह साढ़े 4 बजे सिकंदरा में अरसैना के पास हुआ। नीलेश पाल (35) दिल्ली के नागलोई में लक्ष्मी पार्क के रहने वाले थे। वह दिल्ली में ही ऑटो चलाता था।

वह अपनी ऑटो से पत्नी सुधा और 4 बच्चों को लेकर मैनपुरी स्थित ससुराल जा रहे थे। सिकंदरा के अरसैना के पास पहुंचे, तभी पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ऑटो को रौंद दिया। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को ऑटो से बाहर निकाला। तब तक नीलेश, उनके बेटे हर्ष और बेटी गुरप्रीत की मौत हो गई थी। नीलेश की पत्नी सुधा, बेटी देवकी (14) और जुड़वां बेटे सुशांत (9) को अस्पताल में भर्ती कराया।

एसी की ठंडी हवा में बैठा तो चोर को आ गई नींद, पुलिस ने जगाया

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक चोर घर में चोरी के इरादे से घुसा और गर्मी का शिकार हो गया. कमरे में चल रही एसी की ठंडी हवा मिलते ही वो चोरी करना भूल गया और उसकी आंख लग गई. इसके बाद चोर गहरी में सोता रहा और जब उठा, तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के मुताबिक यह मामला इंदिरानगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-20 का है।

घर खाली देख घुसा चोर

इंदिरानगर इलाके में डॉक्टर सुनील पांडे नाम के शख्स रहते हैं, उनका घर खाली था. सुनील पांडे वाराणसी में अपनी सेवा दे रहे हैं. इस दौरान चोर चोरी के लिए घर में सामने का गेट खोलकर घुसा और अंदर घुसते ही वह ड्राइंग रूम में पहुंच गया. इस दौरान चोर ने एसी चलाया और आराम से वहीं जमीन पर लेट गया. कुछ देर में उसको ऐसी नींद लगी कि वह सोता रह गया।

पड़ोसियों ने खोला राज

पड़ोसियों ने गेट खुला देखा तो घर के मालिक डॉक्टर सुनील को फोन लगाया. इसके बाद डॉक्टर ने पुलिस को इस मामले की जानकारी दी. मौके कर पहुंची पुलिस को चोर घर में एसी में आराम से सोता हुआ मिला. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. डीसीपी नॉर्थ जोन आर विजय शंकर के मुताबिक, चोर चोरी की नीयत से घुसा था और वह एसी की ठंडी हवा में सो गया. इस दौरान उसने काफी नशा किया हुआ था, जिससे वह घर में सोता रहा और उठ नहीं पाया. पड़ोसियों के सूचना देने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

जदयू कार्यकर्ता की निर्मम हत्या, पत्नी बोली-चुनावी रंजिश में मार डाला

नालंदा, 3 जून (एजेंसियां)। नालंदा में चुनावी रंजिश और भूमि विवाद को लेकर जदयू कार्यकर्ता की निर्मम हत्या कर दी गई है। मामला परबलपुर थाना क्षेत्र के माउआ गांव का है। मृतक की पहचान स्वर्गीय ब्रह्मदेव प्रसाद के पुत्र अनिल कुमार (60) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में अनिल कुमार की पुत्री ने बताया कि शौच के लिए आज सुबह उसके पिता खेत की ओर गए थे। जहां पर घात लगाए गांव के ही आधा दर्जन बदमाशों ने उन पर भाला लेकर हमला कर दिया और शरीर में जगह-जगह पर भाला भोककर उनकी निर्मम हत्या कर दी गई।

पोलिंग एजेंट बने थे, गांव के कुछ लोगों ने दी थी धमकी

परिजन ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान वे पोलिंग एजेंट बने थे। इसके बाद गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें देख लेने की धमकी दी थी। और आज उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलने ही नालंदा लोकसभा क्षेत्र से जदयू प्रत्याशी कौशलेंद्र कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि अनिल कुमार जदयू के सच्चे कार्यकर्ता थे। वह पोलिंग एजेंट भी बने थे।

मध्य प्रदेश में शिवराज, दिग्विजय-सिंधिया के सियासी भविष्य का फैसला आज

भोपाल, 3 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति के लिहाज से मंगलवार का दिन खास रहने वाला है। इस बार के लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और फग्गन सिंह कुलस्ते के अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के राजनीतिक भविष्य का फैसला होने वाला है।

राज्य में लोकसभा की कुल 29 सीटें हैं। इस बार के चुनाव में रोचक बात ये है कि यह पहला ऐसा मौका है जब दो पूर्व मुख्यमंत्री लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। दिग्विजय सिंह राजगढ़ से और शिवराज सिंह चौहान विदिशा से किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं अन्य दिग्गजों की बात करें तो केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना से, फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला से और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा खजुराहो से चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं। राज्य की 29 सीटों पर गौर करें तो कुल 369 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 65 लाख 95 हजार 533 है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 90 लाख 70 हजार 191 है और महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 75 लाख 23921 है। वही थर्ड जेंडर मतदाता 1221 हैं। मध्य प्रदेश में मतदान का प्रतिशत 67.87 रहा। राज्य के 29 संसदीय क्षेत्र में मतदान चार चरणों में संपन्न हुआ और मतगणना 4 जून को होने वाली है। अब हर किसी की नजर मतगणना पर है। एग्जिट पोल के पूर्वानुमान भाजपा को बड़ी बढ़त के साथ 2019 के नतीजे दोहराने की तरफ इशारा कर रहे हैं। कांग्रेस को भी कुछ एग्जिट पोल के आधार पर उम्मीद है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि राज्य की सियासत के लिहाज से इस बार का चुनाव काफी अहम है। ऐसा नहीं है कि पिछले चुनाव ने राज्य की राजनीति को प्रभावित नहीं किया, मगर इस बार कई ऐसे दिग्गज चुनाव मैदान में हैं जिनकी हार और जीत का बड़ा असर पड़ने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह साफ कर चुके हैं कि यह उनका अंतिम चुनाव है, वहीं शिवराज सिंह चौहान इस चुनाव में सफलता पाने के बाद राज्य की राजनीति से बाहर निकल कर केंद्र में सक्रिय नजर आएंगे। इसके अलावा सिंधिया, कुलस्ते और शर्मा की सफलता अथवा असफलता भी राजनीतिक तौर पर काफी मायने रखने वाली होगी। इन तीनों नेताओं का अलग-अलग इलाकों से न केवल नाता है, बल्कि उनकी अपनी राजनीतिक हैसियत भी है।

सोमनाथ भारती ने सिर मुंडवाने वाली पोस्ट की बताई वजह, बोले-इनका सीधे तरीके से जीतना असंभव

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में मतदान की प्रक्रिया खत्म होने के बाद अब नतीजों का इंतजार है. इसी बीच आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सोमनाथ भारती नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के गोल मार्किट काउंटिंग सेंटर पहुंच गए हैं. उन्होंने ईवीएम को लेकर कई आशंकाएं जताई हैं. आप नेता ने बातचीत में कहा कि हमारा मकसद है कि जिस प्रकार से वोटिंग हुई है. वो यहां रिफ्लेक्ट होनी चाहिए. अगर 3 यूनिट का सीरियल नंबर 17 सी दे रहे हैं तो वो काउंटिंग के दौरान नजर आना चाहिए. साथ ही उन्होंने अपना सिर मुंडवाने वाली पोस्ट के पीछे की वजह भी बताई है। सोमनाथ भारती ने कहा कि हमारी तैयारियों में कोई छुपी हुई चीज नहीं है. जिस प्रकार से वोटिंग हुई है। वो यहां रिफ्लेक्ट होनी चाहिए।

सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग को चुना गया विधायक दल का नेता

अरुणाचल में भी जल्द होगा फैसला

सिक्किम, 3 जून (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर के दो राज्यों अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए।सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने भारी बहुमत के साथ जीत हसिल की। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में एक बार फिर पेमा खांडू सरकार (भाजपा) की वापसी हुई। बता दें कि दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपनी-अपनी सीट से जीत हासिल की। सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग ने एसकेएम का विधायक दल का नेता चुना गया। इसी के साथ अब वह जल्द ही मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगें। अरुणाचल प्रदेश में भी अब जल्द फैसला होने वाला है।

सीएम आवास में रविवार को हुई चर्चा

रविवार की रात को सभी 31 नवनिर्वाचित विधायक सीएम के आधिकारिक आवास पर उपस्थित हुए। सीएम आवास में हुई बैठक में एसकेएम के प्रधान सचिव अरुण उप्रेती ने विधायक दल के नेता के रूप में तमांग के नाम का प्रस्ताव रखा। संघा विधायक सोनम लामा ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। तमांग को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। पार्टी के नेताओं ने तमांग को चुनाव के लिए बधाई दी और उनके साथ मिलकर काम करने की शपथ ली। विधानसभा चुनाव में सिक्किम की 31 सीटों में एसकेएम ने 31 पर जीत हासिल की है. बता दें कि नतीजे रविवार को जारी किए गए थे। सिक्किम के अलावा अरुणाचल प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव के नतीजे रविवार को घोषित किए गए। राज्य की 60 सीटों पर भाजपा ने 46 सीटों पर जीत हासिल की। इसके अलावा कांग्रेस को एक, एनपीपी को पांच और अन्य को आठ सीटों पर जीत मिलीं।

धाम में बढ़ी भक्तों की भीड़ तो 12 बजे ही लगाया जा रहा भोग

बाल भोग और श्रृंगार दर्शन का समय बदला

रुद्रप्रयाग, 3 जून (एजेंसियां)। केदारनाथ में भीड़ प्रबंधन के साथ अधिकाधिक श्रद्धालु दर्शन कर सके। इसके लिए बीकेटीसी ने बाल भोग और श्रृंगार दर्शन के समय में परिवर्तन किया है। अब धाम में बाबा केदार को बाल भोग दोपहर 12 बजे लगाया जा रहा है और एक बजे से भक्तों को श्रृंगार दर्शन कराए जा रहे हैं। अन्य दिनों में बाबा को दोपहर दो बजे बाद बाल भोग लगाया जाता था और उसके बाद पांच बजे से श्रृंगार दर्शन कराए जाते थे। कोरोनाकाल के बाद यह पहला मौका है, जब बाबा केदार के बाल भोग का समय बदला गया है। धाम में भीड़ को देखते हुए बीकेटीसी ने अधिकाधिक भक्तों के दर्शन को लेकर भगवान केदारनाथ के बाल भोग और श्रृंगार दर्शन के समय में परिवर्तन किया गया है। बीते एक जून से धाम में दोपहर 12 बजे बाबा केदार को बाल भोग लगाया जा रहा है। इस दौरान मंदिर के कपाट बंद किए जा रहे हैं। गर्भगृह की साफ-सफाई और अन्य धार्मिक परंपराओं के निर्वहन करते हुए एक घंटे बाद कपाट खोले जा रहे हैं और दोपहर बाद एक बजे से भक्तों को बाबा केदार के श्रृंगार दर्शन मंदिर के सभामंडप से हो रहे हैं। इस नई व्यवस्था से जहां धाम में अधिकाधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं, वहीं भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिल रही है। शाम 7 बजे सांयकालीन आरती के बाद भी रात 10.30 बजे से भक्त श्रृंगार दर्शन कर रहे हैं। इसके बाद रात 11 से सुबह 5 बजे तक भगवान केदारनाथ की विशेष पूजाएं की जा रही है।

'नतीजों के एलान के 15 दिन बाद उद्धव ठाकरे मोदी सरकार का दामन थामेंगे'

विधायक रवि राणा का दावा

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अमरावती जिले की बडनेरा विधानसभा सीट से निर्वाचित विधायक रवि राणा ने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे लोकसभा चुनाव के परिणाम की घोषणा के 15 दिन बाद ही मोदी सरकार में शामिल हो जाएंगे। बकौल राणा, उद्धव और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कैसे बयान देते रहे हैं, ये किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने दावा किया कि एक बार फिर नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उद्धव ठाकरे मोदी सरकार में शामिल हो जाएंगे क्योंकि आने वाला युग उनका ही है और उद्धव भी यह बात भलीभांति जानते हैं।

महाविकास अघाड़ी के नेताओं पर हमला; डॉक्टर साथ रखने की नसीहत

रवि राणा युवा स्वाभिमान पार्टी के विधायक हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राज्य के विपक्षी गठबंधन-महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में शामिल नेताओं को अपने साथ ब्लड प्रेशर की दवाएं और डॉक्टर साथ रखने चाहिए, क्योंकि चार जून को मतगणना के बाद कई बीमार पड़ सकते हैं। बता दें कि एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) शामिल हैं।

भाजपा का दामन थामने वाली पत्नी के चुनाव जीतने का भरोसा

विपक्षी नेताओं पर निशाना साधने के अलावा उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पत्नी और भाजपा प्रत्याशी नवनीत राणा अमरावती लोकसभा सीट से दो लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल करेंगी। बकौल राणा, नवनीत एक बार फिर सांसद बनेंगी क्योंकि समाज के हर तबके से उन्हें बड़ी संख्या में वोट मिले हैं।

अमरावती लोकसभा सीट की सियासत बता दें कि रवि राणा की पत्नी नवनीत राणा ने 2019 में अमरावती से एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव जीता था। इस बार सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं नवनीत का मुकाबला कांग्रेस विधायक बलवंत वानखेड़े और प्रहार जनशक्ति पार्टी के दिनेश बूब से है।

जुलाई-सितंबर तक मानसून के कारण मिल सकती है राहत

ला नीना के विकसित होने की संभावना

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने भविष्यवाणी की है कि अल नीनो साल के अंत तक ला नीना में परिवर्तित हो सकती है। अल नीनो के कारण दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और बढ़ता तापमान दर्ज किया गया है। दुनिया भर में अप्रैल सबसे गर्म और लगातार ग्यारहवां उच्च तापमान महीना महसूस किया गया है। संगठन के अनुसार, पिछले 13 महीनों से समुद्र की सतह का तापमान रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रहा है।

अप्रैल-मई में दक्षिण एशिया में गर्मी

मौसम संगठन का कहना है कि प्राकृतिक रूप से होने वाले अल नीनो से मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में पानी असामान्य रूप से गर्म हो रहा है। भारत और पाकिस्तान सहित दक्षिण एशिया के लाखों लोगों ने अप्रैल और मई में भीषण गर्मी की तपिश झेली। जुलाई से सितंबर के दौरान ला नीना की स्थिति की संभावना 60 प्रतिशत और अगस्त से नवंबर के दौरान 70 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इस दौरान अल नीनो के फिर से विसकित होने की संभावना न के बराबर है। अल नीनो के कारण भारत में कमजोर मानसूनी हवाएं रहती हैं। ला नीना अल नीनो के उलट है। ला नीना मानसून के दौरान भरपूर बारिश की ओर ले जाता है। पिछले माह, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारत में मानसून के मौसम में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान लगाया है। अगस्त-सितंबर तक अनुकूल ला नीना की स्थिति बनने की उम्मीद जताई थी। भारत के खेती-किसानी के लिए मानसून महत्वपूर्ण है। मानसून बिजली उत्पादन के साथ-साथ पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण जलाश्यों को फिर से भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है। मौसम विभाग के दीर्घकालिक पूर्वानुमान में इस साल देश के 80 प्रतिशत हिस्सों में जून से लेकर 30 सितंबर तक सामान्य से अधिक यानी कि 106 प्रतिशत वर्षा होने का अनुमान लगाया गया है। सामान्यतः इस 80 प्रतिशत हिस्से में भी कहीं कम तो कहीं अधिक वर्षा हो सकती है।

अकासा एयर और इंडिगो की फ्लाइट में बम की अफवाह

> *दिल्ली-मुंबई विमान अहमदाबाद डायवर्ट*

> *चेन्नई-कोलकाता एयरक्राफ्ट दो घंटे लेट > 3 दिन में ऐसे 4 मामले*

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। आकासा एयर की दिल्ली-मुंबई फ्लाइट और इंडिगो की चेन्नई-कोलकाता फ्लाइट में सोमवार (3 जून) को बम की सूचना मिली। आकासा एयर की फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया है।

इसमें एक बच्चा और 6 क्रू मेंबर्स सहित 186 पैसेंजर्स सवार थे। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से मुंबई के लिए उड़ान भरने के बाद फ्लाइट में सिक्योरिटी अलर्ट मिला था। इसके बाद सुबह 10:13 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट की सेफ लैंडिंग कराई गई। अभी जांच की जा रही है। दूसरी तरफ, चेन्नई से कोलकाता जाने वाला इंडिगो का विमान बम की अफवाह के कारण दो घंटे लेट हो गया। अधिकारियों ने बताया कि थुरैपक्कम स्थित इंडिगो कॉल सेंटर में एक कॉल आया था, जिसमें कहा गया कि चेन्नई-कोलकाता फ्लाइट में बम धमाका होगा।

तब तक पैसेंजर्स फ्लाइट में बैठ चुके थे। सभी को नीचे उतारा गया। फ्लाइट को आइसोलेशन-बे में ले जाकर तलाशी ली गई। हालांकि, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। सभी सुरक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद फ्लाइट सुबह 10.30 बजे कोलकाता के लिए रवाना हुई। **1 जून:** चेन्नई से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E-5314 में बम की अफवाह फैली थी। इसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी डिक्लेयर करके फ्लाइट की लैंडिंग कराई गई। इसमें 172 पैसेंजर्स थे। हालांकि, फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। यह फ्लाइट 1 जून की सुबह करीब 6.50 बजे चेन्नई से रवाना हुई थी। मुंबई जाने के दौरान इसमें एक लावारिस रिमोट मिला। इसके बाद पायलट ने मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की इजाजत मांगी थी। मुंबई एयरपोर्ट पर सुबह 8.45 बजे फ्लाइट की लैंडिंग हुई। **2 जून:** पेरिस से 306 लोगों को लेकर मुंबई जा रही विस्तारा की फ्लाइट को बम की धमकी मिली थी। इसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर पूर्ण इमरजेंसी घोषित कर दिया गया। 2 जून की सुबह 10.19 बजे फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई।

दिल्ली में 30 जून तक आंगनवाड़ी केंद्र रहेंगे बंद,तेज गर्मी के कारण सरकार का फैसला

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में भीषण गर्मी के कारण सरकार ने दिल्ली के सभी आंगनवाड़ी केंद्र 1 जून 2024 से 30 जून 2024 तक बंद रखने का फैसला किया है। दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने ट्वीट किया, दिल्ली में चल रही गर्मी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि दिल्ली के सभी आंगनवाड़ी केंद्र 1 जून 2024 से 30 जून 2024 तक बंद रहेंगे। कैलाश गहलोत ने ट्वीट कर कहा बच्चों और गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं की सुरक्षा और भलाई के लिए, पूरक पोषण खाद्य पदार्थ सीधे लाभार्थियों के दरवाजे पर टेक होम राशन (टीएचआर) के माध्यम से वितरित किए जाएंगे।

सलमान खान की हत्या की साजिश में शामिल बदमाश गिरफ्तार

मुंबई से भाग कर भिवानी में छिपा था; रेकी करने वालों में था शामिल

भिवानी, 3 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश के तार हरियाणा से जुड़ गए हैं। भिवानी सीआईए स्टाफ-2 और नवी मुंबई पुलिस की टीम ने रविवार रात को एक जॉइंट ऑपरेशन करके अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश के मामले में वांछित आरोपी को भिवानी से गिरफ्तार किया है।

उसकी पहचान गांव तिगड़ाना के दीपक उर्फ जोनी के तौर पर हुई है। उसको आगामी कार्रवाई के लिए नवी मुंबई पुलिस को सौंपा गया है। भिवानी सीआईए स्टाफ-2 के इंचार्ज इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार ने बताया कि बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने के मामले में वर्ष 2024 में थाना पनवेल सिटी नवी मुंबई में मामला दर्ज किया गया था। इसके तहत नवी मुंबई पुलिस ने सलमान खान की हत्या की साजिश को नाकाम करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की थी। अभिनेता सलमान खान के घर व फार्म हाउस की रेकी कर उनकी हत्या की योजना बनाई गई थी। भिवानी सीआईए स्टाफ -2 को नवी मुंबई पुलिस से सूचना प्राप्त हुई थी कि हत्या की साजिश में भिवानी के गांव तिगड़ाना, निवासी एक व्यक्ति की भी भूमिका है। सीआईए स्टाफ -2 भिवानी की टीम व नवी मुंबई पुलिस की संयुक्त टीम ने आज रात को भिवानी से इस मामले में एक आरोपी को काबू किया है। टीम द्वारा काबू किए गए आरोपी की पहचान गांव तिगड़ाना निवासी दीपक उर्फ जोनी पुत्र हवा सिंह के रूप में हुई है।

चुनाव आयोग ने मानी विपक्षी दलों के प्रतिनिधिमंडल की मांग

अभिषेक मनु सिंघवी ने जताया आभार

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को चुनाव आयोग के कार्यालय पहुंचा था। जहां विपक्ष के नेताओं ने चुनाव आयोग के समक्ष पोस्टल बैलेट का मुद्दा रखा था। विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग से मांग की थी कि मतगणना के दौरान पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की जाए।

इसको लेकर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि पोस्टल बैलेट एक जानी-मानी प्रक्रिया है और कई बार यह चुनाव परिणाम में निर्णायक साबित होते हैं। ऐसे में विपक्ष के नेताओं ने चुनाव आयोग से मांग की कि पोस्टल बैलेट की गिनती सबसे पहले करना, पहले की भांति अनिवार्य रखा जाए। चुनाव आयोग की तरफ से विपक्ष के इस विचार को मान लिया गया है और इसको लेकर स्वीकृति प्रदान कर दी गई है कि 4 जून को होने वाली मतगणना के दौरान सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की जाएगी। ऐसे में चुनाव आयोग के इस निर्णय को लेकर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अभिषेक मनु सिंघवी ने एक बयान जारी कर कहा कि विपक्ष का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा था। जहां चुनाव आयोग ने रविवार को हमें तुरंत समय दिया और धैर्यपूर्वक हमारी बात सुनी गई। इसके लिए हम चुनाव आयोग के आभारी हैं। उन्होंने आगे बयान में कहा कि इससे भी ज्यादा खुशी इस बात की हुई कि चुनाव आयोग ने लोकतंत्र के एक ज्वलंत मुद्दा, जिसकी हम मांग लेकर उनके समक्ष गए थे कि पहले डाक मतपत्रों की गिनती हो, उस पर ईसीआई द्वारा सहमति व्यक्त की गई। वोटों की गिनती से दो दिन पहले विपक्ष के अनुरोध को विनम्रतापूर्वक और तुरंत सहमति आयोग के द्वारा प्रदान की गई। इसे मंगलवार को मतगणना के समय लागू किया जाएगा।

अरुण गवली की रिहाई की कोशिश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

गिड़गिड़ाया गवली, कहा-65 साल का हो चुका हूं

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। अंडरवर्ल्ड डॉन रहे अरुण गवली की रिहाई की अपील को सुप्रीम कोर्ट ने तगड़ा झटका दे दिया है. बता दें कि गवली उम्रकैद की सजा काट रहा है और उसने समय पूर्व रिहाई की मांग की थी. गवली की इस अपील पर बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने विचार करने का आदेश दिया था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अगले आदेश तक रोक दिया है. वहीं गवली ने दलील दी है कि वह 65 वर्ष का हो चुका है और मेडिकल बोर्ड ने उसे कमजोर बताया है, इसलिए सजा माफी नीति का उसे लाभ मिलना चाहिए।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के पांच अप्रैल के आदेश को लागू करने पर रोक लगा दी जिसने राज्य के अधिकारियों को गवली की समय पूर्व रिहाई के आवेदन पर 2006 की सजा माफी नीति के तहत विचार करने का आदेश दिया था. (2020 में हुई थी मराठी एक्टर के साथ हुई अंडरवर्ल्ड डॉन रहे अरुण गवली की बेटी की शादी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजा ठाकरे ने न्यायालय से हाई कोर्ट के पांच अप्रैल के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था. उन्होंने कहा था कि गवली राज्य की 2006 की सजा माफी नीति के तहत लाभ मांग रहा है जो हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और मकोका के प्रावधानों के तहत दोषी है।

उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने गवली की याचिका स्वीकार कर ली थी. याचिका में उसने 10 जनवरी 2006 की सजा माफी नीति के आधार पर राज्य सरकार से निवेदन किया था कि उसे समय से पहले रिहा कर दिया जाए. उसने कहा कि राज्य के अधिकारियों का समय से पहले रिहाई के उसके अनुरोध को खारिज करना अन्याय है, मनमाना है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

अरुण गवली को डैडी के नाम से भी जाना जाता है, 1980 और 90 के दशक में दगड़ी चॉल से अपना कारोबार चलाने वाले माफिया के तौर पर उभरा था. राजनीति में थोड़े समय के लिए आए गवली को मध्य मुंबई में समर्थन हासिल है. बालासाहेब ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से उसे 'हिंदू डॉन' कहा था. 2012 में गैंगस्टर से राजनेता बने इस व्यक्ति को वर्ष 2007 में मुंबई के शिवसेना पार्षद कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के मामले में सेशन अदालत ने 11 अन्य लोगों के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. उसने 2006 की सजा माफी नीति की सभी शर्तों का पालन करने का दावा किया था और रिहाई की अपील की थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 4 जून- 2024

आज फैसले का दिन

बहुत थकाऊ प्रक्रिया से गुजरने के बाद आखिरकार आज वह दिन आ ही गया जब देश का भाग्यविधाताओं का फैसला हो जाएगा। तीन दिन तक तो एग्जिट पोल को लेकर ही चर्चा होती रही आज पोल का इक्जैक्ट नतीजा देश के सामने होगा। बता दें कि इस दौरान चुनाव आयोग को भी कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन अनुभवों से मिले सबक को लेकर आगे के चुनावों की क्वॉलिटी बेहतर हो इस पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है। इस बार चुनाव कराए जाने के समय को लेकर भी लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। देश का ज्यादातर हिस्सा भीषण गर्मियों की चपेट में चल रहा है। इस तथ्य को जितनी अहमियत मिलनी चाहिए थी, उतनी न देते हुए आयोग ने छह सप्ताह की अप्रत्याशित रूप से लंबी मतदान प्रक्रिया निर्धारित की। इसके पीछे मकसद निश्चित रूप से मतदान प्रक्रिया को यथासंभव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाए रखना था, लेकिन इस वजह से नेताओं, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में चुनावों को लेकर दिलचस्पी बनाए रखना मुश्किल होता चला गया। कम मतदान प्रतिशत के पीछे एक वजह यह भी मानी जा रही है। इसके बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ने जवाब दिया कि हमें लापता जेंटलमेन कहा गया, लेकिन इसी दौरान देश में वोटिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया। जो हमारे लोकतंत्र की ताकत का स्पष्ठ प्रमाण है। चूंकि ज्यादातर वोटरों को वोट देने के लिए बूथ तक जाना होता है बहरहाल, अनुभव बताता है कि चुनाव कभी भी आसान नहीं होता। चुनाव आयोग इस बात का ध्यान रखता है कि जहां तक हो सके, वोटरों के घर से बूथ की दूरी ज्यादा न हो। देश भर में तो इसका पालन किया गया लेकिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सातों संसदीय सीटों में बूथों की संख्या 2019 के मुकाबले कम रखी गई थी। वह भी ऐसे समय में जब मतदाताओं की संख्या में 9 लाख का इजाफा हो चुका था। जाहिर है, ऐसे में बुजुर्ग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र तक जाने में काफी मशक्कत का सामना करना पडा। भारत जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश में अगर चुनाव विश्वसनीय माने जाते रहे हैं तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को ही जाता है। सहज और शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर है इस प्रक्रिया पर मतदाताओं का विश्वास। इस विश्वास को मजबूती मिलती है आकंड़े समय पर जारी होते रहने से। जाहिर है सूचनाओं का अभाव संदेह को जन्म देता है। देखा जाए तो चुनाव आयोग के लिए सबसे मुश्किल होता है विभिन्न पार्टियों के नेताओं से चुनावी आचार संहिता का पालन कराना। अक्सर पार्टियों का नेतृत्व आयोग के नोटिसों को पर्याप्त महत्व नहीं देता। इन नोटिसों और दिशानिर्देशों को अदालतों में चुनौती भी दी जाती है। जो बात चुनाव आयोग के पक्ष में जाती है वह है यह परसेप्शन कि आयोग अपने सख्त रुख पर अडिग रहा और पक्ष-विपक्ष की चिंता किए बगैर आचार संहिता के उल्लंघनों पर त्वरित प्रतिक्रियाएं देता रहा। आयोग को भविष्य में भी इस परसेप्शन का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि उसके निष्पक्ष रहने जितना ही जरूरी है उसका निष्पक्ष दिखना। बहरहाल, एनडीए के चुनाव जीतने के संकेत मात्र से शेयर बाजार में जो रौनक लौटी है वह संकेत दे रही है कि सरकार किसकी बनने वाली है।

जनादेश आने के पहले अरुणाचल ने दे दिए भाजपा के लिए संकेत

अशोक भाटिया

पूरे देश में मतगणना आज यानी 4 तारीख को होने वाली है पर अरुणाचल प्रदेश में यह मतगणना रविवार को ही हो गई और वहां भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज कर ली । भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से 46 सीट जीत कर लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। भाजपा को 2019 की तुलना में चार अधिक सीटें मिली हैं, वहीं, कांग्रेस की बुरी हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसे 41 सीटों पर उम्मीदवार ही नहीं मिले। जी हां, अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से 41 पर कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। 41 सीटों पर उम्मीदवार न जुटा पाना दर्शाता है कि कांग्रेस की स्थिति कितनी खराब हो चली है। वह भी तब, जब अरुणाचल में तीन दशक से अधिक समय तक कांग्रेस का ही कब्जा था। लोकसभा चुनाव से पहले आए नतीजों में अरुणाचल में भाजपा संग लड़ाई में कांग्रेस को महज एक सीट ही हाथ लगी है।

दरअसल, साल 2019 में चार सीटें जीतने वाली कांग्रेस ने इस बार केवल 19 सीटों पर ही चुनाव लड़ा। इसकी वजह है कि कई सीनियर कांग्रेस नेताओं ने उम्मीदवारों को नॉमिनेट करने के कांग्रेस के फैसले का उल्लंघन किया। वहीं, कई कांग्रेस नेता ऐन वक्त पर मैदान छोड़कर भाग गए। कई तो भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस ने कुमार वाई को पूर्वी कामेंग जिले के बामेंग विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा था। कांग्रेस की तरफ से जीत का परचम लहराने वाले वह इकलौते उम्मीदवार हैं। इस तरह से कांग्रेस को अरुणाचल में यही एक सीट हाथ लगी है।

समाचारों के अनुसार कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश चुनाव के लिए 35 उम्मीदवारों की लिस्ट तैयार की थी। इनमें से 10 ने नामांकन ही दाखिल नहीं किया। बाकी बचे उम्मीदवारों में से पांच ने अपना नाम वापस ले लिया। कानुबारी सीट से एक अन्य उम्मीदवार सोम्फा वांगसा ने नॉमिनेशन पेपर्स की स्क्रूटनी के बाद सीट सरेंडर कर दी और भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों की मानें तो भाजपा के साथ कथित तौर पर मिलीभगत करने वालों को निशाना बनाकर पार्टी के कई सीनियर नेताओं को पहले ही बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। इनमें 9 लोग ऐसे हैं, जिन्हें चुनाव लड़ने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था, मगर वे चुनाव नहीं लड़े।

कांग्रेस के एक पदाधिकारी का कहना है कि इन उम्मीदवारों ने पार्टी को यह भी नहीं बताया कि वे चुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं। वे आखिरी क्षण तक कांग्रेस के टिकट के लिए लड़ते रहे लेकिन बाद में पीछे हट गए।' पीसीसी प्रमुख और अरुणाचल के पूर्व सीएम नबाम तुकी ने चुनावी मैदान से आश्चर्यजनक पलायन के लिए धनबल को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि पार्टी की अनुशासन समिति की सिफारिशों के अनुसार दलबदलुओं को निष्कासित किया जाता रहेगा। हम निस्संदेह निराश हैं, लेकिन हतोत्साहित नहीं हैं। हम हार के कारणों पर आत्मनिरीक्षण करेंगे और आने वाले दिनों में संगठन पर काम करेंगे।'

जैसा कि आपको पहले बताया अरुणाचल प्रदेश में भाजपा को 46 सीटें मिली हैं। विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस का सफाया कर दिया। कांग्रेस के खाते में केवल एक सीट आई और यह एनपीपी (5), राकांपा (3) तथा पीपीए (2) के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गई। तीन सीट निर्दलीय उम्मीदवारों के खाते में गईं। पूर्वोत्तर राज्य में पहली बार चुनाव लड़ने वाले कुल 20 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। उनमें से 11 भाजपा से, चार नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और दो-दो पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) तथा राकांपा से और एक निर्दलीय शामिल है।

अरुणाचल में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने वाले मुख्यमंत्री पेमा खांडू उन 10 उम्मीदवारों में से एक थे, जिन्होंने बिना किसी मुकाबले के अपनी सीट जीती। इस प्रचंड जीत के साथ खांडू लगातार तीसरी बार राज्य की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। बता दें कि पेमा खांडू अरुणाचल के पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू के बेटे हैं। 2016 में सीएम के रूप में चुने जाने के बाद वह पूर्वोत्तर में बड़े नेता के रूप में उभरे।

पेमा के पिता दोरजी खांडू की 2011 में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई। खांडू ने तब प्रशंसा और पहचान हासिल की, जब उन्हें 2016 में देश के सबसे युवा मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया। सितंबर 2016 में खांडू ने कांग्रेस से नाता तोड़ लिया और पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल में शामिल हो गए। इसी साल दिसंबर महीने में वह बीजेपी में शामिल हो गए।

चीन की सीमा से लगे तवांग के रहने वाले खांडू ने पहली बार 2011 में अपने पिता के निधन के कारण खाली हुई सीट से अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में प्रवेश किया था। इससे पहले वह 2000 की शुरुआत में कांग्रेस में शामिल हुए और 2005 में अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और 2010 में तवांग जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बनाए गए थे।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में खांडू ने अरुणाचल के नागरिकों के लिए कई अभियान चलाए। उन्होंने जमीनी स्तर पर राज्य और केंद्र की प्रमुख कार्यक्रमों को हाइलाइट करने के लिए 'अरुणाचल राइजिंग अभियान' शुरू किया था। सार्वजनिक पहुंच और शिकायत निवारण के लिए सरकार की पहल के रूप में उन्होंने राज्य में 'सरकार आपके द्वार' पहल शुरू की थी।

कहा जा रहा है कि इतनी बड़ी जीत के बावजूद भी सिर्फ एक उम्मीदवार की हार बीजेपी के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। क्योंकि जिस उम्मीदवार की हार हुई है, वो अरुणाचल सरकार में शिक्षा मंत्री थे और बीजेपी के कद्दावर नेताओं में उनकी गिनती होती थी।ताबा तेदिर अरुणाचल प्रदेश की बीजेपी सरकार में शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें एनसीपी के तोको तातुंग ने कड़ी टक्कर के बाद हरा दिया।

ताबा तेदिर अरुणाचल की याचुली सीट से विधायक थे। उन्होंने 2019 में यहां से पहली बार चुनाव जीता था।रिटायर्ड टेक्नोक्रेट ताबा तेदिर 2019 के विधानसभा चुनाव में याचुली सीट से निर्विरोध जीते थे। लेकिन इस बार उन्हें एनसीपी के तोको तातुंग ने महज 228 वोटों से हरा दिया। चुनाव आयोग के मुताबिक, तोको तातुंग को 8 हजार 255 वोट मिले, जबकि बीजेपी उम्मीदवार ताबा तेदिर को 8 हजार 27 वोट मिले।

राजीव गांधी यूनिवर्सिटी में पॉलिटिकल साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ। नानी बाथ का कहना है कि तेदिर की हार का कारण ईसाई वोटों का उनके खिलाफ होना है। एनसीपी के एक समर्थक ने कहा कि एंटरप्रेन्योर से नेता बने तातुंग ने ये सीट युवाओं के दम और बदलाव के वादे के साथ जीती है। ताको तातुंग एक कारोबारी और एंटरप्रेन्योर हैं।

वो अरुणाचल प्रदेश की याचुली सीट से एनसीपी के उम्मीदवार थे। उनकी पत्नी अरुणाचल सरकार में बड़ी अधिकारी हैं। विधानसभा चुनाव के लिए दाखिल हलफनामे के मुताबिक, तातुंग के पास 57 ।54 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से साल 2000 में बीए की डिग्री हासिल की थी।

बीजेपी कहीं नहीं जा रही, मोदी ही रहेंगे प्रधानमंत्री

सिद्धार्थ ताबिश

धरातल पर रहिए.. बीजेपी कहीं नहीं जा रही है.. मोदी ही रहेंगे प्रधानमंत्री.. सीट ऊपर नीचे की बात अलग है मगर सरकार बीजेपी की ही होगी क्यूंकि कोर वोटर बीजेपी के साथ है अभी भी.. ऐसे ही बेवकूफी भरे आंकलन उत्तर प्रदेश में लगाए जा रहे थे. लोगों ने तो एकदम अखिलेश जी को मुख्यमंत्री बना दिया था मगर हुआ इसका उल्टा जो दिन भर मोदी को गाली देते हैं वो सोचते हैं कि उनके जैसे सब मोदी को ही गलिया रहे हैं.. क्यूंकि Facebook और अन्य सोशल मीडिया का एल्गोरिथम ऐसे ही काम करता है.. जितने लाइक माइंडेड लोगों की रील होती है वही आपको दिखती है, वही आपके दोस्त बनते हैं और उन्हीं को आप भी फॉलो करते हैं.. तो जो आपके आसपास मोदी को गाली देने वाले इक्कठा होते हैं, वो आपकी पसंद की वजह से होते हैं.. मार्केट में आंकड़ा एकदम उल्टा चलता है.. हर दूसरा व्यक्ति मोदी का गुणगान करता आपको दिखता है.. और यही वोटर हैं मोदी के. इसलिए बेकार के स्वप्न न देखिए.. अपना ध्यान पॉजिटिव बातों में लगाइए..

मोदी से ध्यान हटाइए.. मैने बीते दस सालों में देखा है कि लोगों ने अपना कैरियर से लेकर भविष्य एक सब दांव पर लगा रखा है इस राजनीति के चक्कर में और मोदी को हटाने के चक्कर में.. मोदी अपने आप जाएंगे जब उनका समय आएगा.. भाजपा भी ऐसे ही जाएगी जब उसका समय आएगा.. मगर फिलहाल अभी भाजपा का ही समय चल रहा है और वो आपके चूड़ी तोड़ने से नहीं खत्म हो जाएगा.. आपको लगेगा कि आपने 20 साल चूड़ी तोड़ी, इसलिए ये सरकार बदल गई, तो नहीं, ऐसा नहीं होगा.. आप तो ये भी सोचते थे कि आप गूगल जैसी कंपनी खोलेंगे मगर परचून की दुकान खोले बैठे हैं. आपके सोचने से दुनिया में कुछ भी नहीं बदलता है.. करोड़ों ऐश्वर्या राय से शादी के सपने देखते देखते बूढ़े हो गए जो लोग काम धंधे में लगे हैं, मेहनत कर रहे हैं, वो चाहे जिस धर्म या जाति के हों, सब खा कमा रहे हैं और ज्यादातर चैन से रह रहे हैं..मेहनत करने वालों के लिए बीजेपी और कांग्रेस से कोई फर्क नहीं पड़ता है.. उन्हें बस जनता का मूड देखकर पार्टी को चंदा देना होता है और अपना काम निकलवाना होता है.. हां अगर आपको खड़ंजा बिछाने और नाली बनवाने का ठेका लेना है और तो वो आपको अपनी मनपसंद सरकार में ही मिलेगा..

इसलिए आपका चूड़ी तोड़ना और दिन रात विरोध करना बनता है मगर अन्य लोगों के लिए इतनी राजनीति सिर्फ समय की बरबादी के सिवा कुछ नहीं होती है

25 या 30 साल भी बीजेपी रह गई तो सोचिए आपने लगभग अपना पूरा जीवन सिर्फ मोदी को गलियाने की बेवकूफी में बिता दिया. ये बेवकूफी भरी दलील मत दीजिएगा कि हमारा ज़मीर जिंदा है, इसलिए चिल्लाते हैं. कोई ज़मीर या हफ़ीज़ नहीं होता है. बस क्रांति का चुल होता है, खलिहरपन होता है, हरामखोरी होती है और नाकामी की कुंठा होती है.. अपना पड़ोसी भूखा बैठा होता है, कामवाली के घर में मातम छाया होता है तब वहां आपका ज़मीर नहीं जागता है, मोदी के लिए ज़मीर जागता है. ये सब बकलोली होती है अपनी बेवकूफी और नाकामी को छिपाने की.. ज़मीर जागने की 365 वजहें मिलती हैं आपको दिन भर में मगर वहां बकलोली के काम नहीं चेलगा न, वहां मेहनत करनी पड़ेगी, मदद करनी पड़ेगी, इसलिए वहां आपका ज़मीर, हफ़ीज़, कल्लन, बब्बन सब सोया रहता है।

इसलिए काम धंधा कीजिए.. भारत एक तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है.. आप अभी चूक गए तो चूक जाएंगे.. अनगिनत सेक्टर हैं जहां आप इस वक्त किस्मत आज़मा सकते हैं और वहां न आपको मोदी रोकेगा और न योगी।

रॉक मेमोरियल के प्रति पूर्व प्रधानमंत्री भी रहे आकर्षित?

डॉ. रमेश ठाकुर

आखिरी छोर कहे जाने वाले कन्याकुमारी के 'स्वामी विवेकानंद रॉक मेमोरियल' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मौन व्रत' चर्चाओं में हैं। उनकी साधना को विपक्षी नेताओं ने सियासत से जोड़कर बड़ा बखेड़ा खड़ा किया हुआ है। सभी जानते हैं कि मोदी कोई भी कार्य पूर्ण से पहले नियमित रूप से ईश्वरी आराधना करते हैं। चाहें 2014 व 2019 का लोकसभा चुनाव हो या अयोध्या में प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा, उन्होंने साधना और मौन व्रत रखा। विवेकानंद रॉक मेमोरियल ऐसा पवित्र स्थान हैं जिसके प्रति न सिर्फ नरेंद्र मोदी का बल्कि पूर्व के कई प्रधानमंत्रियों का आकर्षण रहा। पूर्व प्रधानमंत्रियों में पं0 जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी से लेकर लाल बहादुर शास्त्री तक इस स्थान के लिए सदैव मन मोहित रहे। यहां तक कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी 'भारत जोड़ा यात्रा' का श्रीगणेश भी करना उचित समझा था। सवाल उठता है, तब कोई विवाद क्यों नहीं खड़ा हुआ? आखिर प्रधानमंत्री मोदी के मौन साधना पर क्यों विवादों खड़ा हुआ। इस थ्योरी को अगर समझें तो उसका कारण देश में जारी आम चुनाव का शोर ही मात्र हैं? विपक्ष प्रधानमंत्री की साधना को वोटरों को साधने का जरिया बता रहे हैं। इसलिए उन्होंने उनकी आध्यात्मिक यात्रा को मुद्दा बनाया डाला। विपक्ष का आरोप है कि प्रधानमंत्री ने आचार संहिता का उल्लंघन किया है? जिसको लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में भी शिकायत की है।

गौरतलब है कि आध्यात्मिक विधाओं के क्षेत्र में प्रधानमंत्री की संलग्नता से पूरा देश परिचित है। नवरात्रों में व्रत रखना, नंगे पांव चलना, या फिर प्रत्येक विशेष दिवसों पर अन्न त्यागना उनकी जीवन शैली का हिस्सा रहा है। कन्याकुमारी की साधना भी उसी का पार्ट है। रही बात विवेकानंद रॉक मेमोरियल की तो ये न सिर्फ हमारे लिए, बल्कि समूचे संसार के लिए आध्यात्मिक क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र है। क्योंकि आज जो भी स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाता है और चलने का प्रयास करता है, उसका इस भूमि से गहरा लगाव होता है। यहां तक विदेशों के राष्ट्र प्रमुख जब भारत का दौरा करते हैं तो विवेकानंद रॉक मेमोरियल जाने की इच्छा जरूर जाहिर करते हैं। विवेकानन्द का अद्भुत स्मारक शिला दक्षिणी क्षेत्र तमिलनाडु के कन्याकुमारी में समुद्र के बीचो बीच स्थित है। ये दुनिया भर में मौन-साधना के रूप में प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थलों में एक है। ये स्मारक तकरीबन 4-5 मीटर अंदर समुद्र की दो विशाल चट्टानों के ऊपरी हिस्से पर विराजमान है। पूर्ववर्ती सरकारों ने इस स्मारक को बनवाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी।

ये जानना भी जरूरी है कि इस स्थान से स्वामी विवेकानंद का वास्ता कैसा और किस तरह का रहा था। वास्ते की जहां तक बात है तो वह बिल्कुल सीधा था। किस्सा सन्-1893 का है। जब स्वामी विवेकानंद 'विश्व धर्म सम्मेलन' में भाग लेने अमेरिका के शिकागो के लिए तैयार हो रहे थे। तो, उससे पहले 24 दिसंबर, 1892 को वह कन्याकुमारी गए। जहां स्मारक बना हुआ है, वहां स्वामी ने करीब दो-तीन दिनों तक चट्टान पर बैठकर मौन ध्यान लगाया। ऐसी मानता है कि यहीं से उन्हें सांसारिक ज्ञान प्राप्त हुआ था। तभी, उनकी जन्म शताब्दी के दिन यानी जनवरी-1962 से जनमानस के एक समूह द्वारा 'कन्याकुमारी समिति' की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य चट्टान पर स्वामी विवेकानंद का स्मारक स्थापित करना और लोगों को चट्टान तक पहुंचने के लिए एक पुल का निर्माण करवाना था। उस स्थान की सर्वप्रथम कल्पना 'रामकृष्ण मिशन' ने की थी हालांकि, तब कुछ तथाकथित कैथोलिक धर्म गुरुओं और उनके अनुयायियों ने खुल कर इस योजना का विरोध किया था। पर, 17 जनवरी 1963 को तत्कालीन केंद्र की सरकार ने समुद्र के बीच बने चट्टान पर पट्टिका रूपी स्मारक बनाने की अनुमति दे दी। क्योंकि उस स्थान से स्वामी विवेकानंद का जुड़ाव जगजाहिर था। उनकी प्रत्येक आत्मकथाओं में कथाकारों और लेखकों ने इस बात का उल्लेख भी किया है। हालांकि पूर्व में इस स्थान को कई मर्तबा क्षतिग्रस्त भी किया गया लेकिन स्वामी की स्मृतियां हमेशा यथावत रही।

शायद कम ही लोग जानते होंगे कि 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' का 'स्वामी विवेकानंद रॉक' से सीधा वास्ता रहा है। 'संघ' के वरिष्ठ प्रचारक एकनाथ रामकृष्ण रानाडे ने ही मेमोरियल बनाने का बीड़ा सबसे पहले उठाया था। उनके द्वारा ही स्वामी विवेकानंद मेमोरियल आयोजन समिति' का गठन करवाया गया था। इसके लिए रानाडे ने दक्षिण भारत में संघ की तमाम शाखाएं खोली ताकि स्मारक स्थापना के लिए अधिक से अधिक धन जुटाया जाए। इस काम के लिए उन्होंने करीब 323 सांसदों के समर्थन हेतु हस्ताक्षर करवाए। उसके बाद उन्होंने 26 दिसंबर 1963 का सांसदों की हस्ताक्षर वाली चिट्ठी प्रधानमंत्री पं0 नेहरू के समक्ष प्रस्तुत की जिस पर उन्होंने बिना देरी के अपनी सहमति दे दी लेकिन दुर्भाग्य अगले ही वर्ष पंडित नेहरू की मृत्यु हो गई जिससे मामला बीच में ही अटक गया। फिर से प्रयास तेज हुए, तब 29 अगस्त 1964 को तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने न सिर्फ अपनी मंजूरी दी बल्कि तबके विख्यात इंजीनियर एसके अचारी को स्मारक बनाने की ज़िम्मेदारी भी दी पर, इस दफे भी कुछ ऐसा हुआ, प्रगति का कार्य फिर से बीच में रुक गया क्योंकि उस समय लाल बहादुर शास्त्री का ताशकंद में आकस्मिक निधन हो गया था।

बाद में ये फाइल इंदिरा गांधी के पास पहुंची। उन्होंने तेजी दिखाते हुए प्रस्तावित 'विवेकानंद रॉक मेमोरियल' का निर्माण युद्धस्तर पर 1970 में पूरा करवा दिया। कार्य पूरा होने के बाद तब के राष्ट्रपति वीवी गिरी ने हाथों उद्घाटन हुआ और स्मारक को राष्ट्र को समर्पित किया गया लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वहां पहुंचने से जो बिला वजह का विवाद खड़ा हुआ है, वो गले नहीं उतरता? धर्म-धार्मिक, साधना, व्रत आदि आध्यात्मिक विधाओं को हमेशा राजनीति से दूर रखना चाहिए पर मौजूदा राजनीति जिस ओर बढ़ चुकी है, उसमें कुछ भी उम्मीदें की जा सकती हैं।

नई बीमारी

सुरेश कुमार मिश्रा

डायवर्टिज! सुनने में तो नई बीमारी है, लेकिन डायबिटीज से एकदम अलग है। वैसे तो दोनों आम बीमारी लगते हैं, लेकिन लोग कभी महसूस नहीं कर सकते हैं कि उन्हें डायवर्टिज पहले हुआ या डायबिटीज। लोग डायबिटीज के कम डायवर्टिज के अधिक शिकार होते जा रहे हैं। डायबिटीज एक चयापचय विकार है जिसे उच्च रक्त शर्करा के स्तर से पहचाना जाता है। रक्त शर्करा के स्तर में वृद्धि से महत्वपूर्ण अंगों के साथ-साथ इंसानी शरीर के अन्य अंगों को नुकसान होता है, जिससे अन्य संभावित स्वास्थ्य बीमारियाँ होती हैं। जबकि डायवर्टिज की बीमारी 'डायवर्ट' करने से होती है। लोग भूख से मर रहे हों तो उन्हें मंदिर-मस्जिद, महंगाई बढ़ रही हो तो शिवलिंग और चुनाव समीप हो तो सरहद पर माहौल गरमाकर मुद्दे को डायवर्ट कर दो, आदमी ससुरा खुद-ब-खुद डायवर्टिज का शिकार होकर झोला उठाकर चल देता है।

डायबिटीज के ज्यादातर सामान्य लक्षण हैं थकान, जलन, तनाव, थकान, बार-बार पेशाब आना और सिरदर्द जिसमें ताकत और स्टैमिना कम होना, वजन कम होना, भूख का बढ़ना आदि। जबकि डायवर्टिज में ऊटपटांग बातें करना, महंगाई का नाम लेते ही गोमूत्र पीने को कहना, विकास के नाम पर शहरों के नाम बदल देना, गिरते रुपए की बात उठे तो हनुमान चालीसा पढ़वा देना, जहाँ दाल न गल रही हो वहाँ सीबीआई को भेज देना, कोई देश के कर्ज के बारे में बात करे तो उसे देशद्रोही घोषित कर देना आदि इसके लक्षण हैं।

ड़ायबिटीज में ब्लड शुगर लेवल दो प्रकार के होते हैं- फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल और पोस्टप्रैंडियल ब्लड शुगर लेवल। आम तौर पर इसे रात भर के उपवास के बाद मापते हैं। डायवर्टिज में खून 'मापने' की जगह 'बहाने' पर विश्वास किया जाता है। बहने वाला खून कितने काम का है इसकी जाँच चुनाव में पड़ने वाले वोटों से की जाती है। गौरतलब है कि खून बहाने वाले डायवर्टिज प्रेरक अपने खून को इन खूनों से दूर रखते हैं। इनके लिए अपना खून, खून और गैरों का पानी होता है।

डायबिटीज गंभीर स्वास्थ्य परिणामों का कारण बनता है और यह शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को भी प्रभावित करता है। रक्त में अत्यधिक ग्लूकोज गुर्दे, रक्त वाहिकाओं, त्वचा को नुकसान पहुँचाता है जिसके परिणामस्वरूप हृदय, त्वचा और अन्य रोग होते हैं। इससे किडनी को नुकसान पहुंचता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर में अशुद्धियों का संचय होता है। डायवर्टिज बीमारी दलाल समाचार पत्रों, चैनलों और व्यापारियों के भड़काऊ शर्करा के कारण होती है। यह बीमारी किसी एक को न होकर पूरे समाज को होती है। ऊपर से मीठी बात करना, भीतर से आग लगाना और समाज के सारे अंग खराब कर विद्वेषों का संचार करना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं।

डायबिटीज में दिल की बीमारी हो सकती है, जबकि डायवर्टिज में सर्वांग बीमारी होती है। आदमी डायबिटीज के साथ तो रह सकता है, लेकिन डायवर्टिज के साथ कतई नहीं। आजकल डायवर्टिज महामारी का रूप धारण कर चुकी है। डॉक्टरों का कहना है कि सभी अपने-अपने घरों की खुदाई कर पूर्व जाँच कर लें, अन्यथा कोई धार्मिक प्रतीक निकलने पर उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया जाएगा। यह एक गंभीर जानलेवा बीमारी है और इससे बचने के लिए महंगाई, भुखमरी, बेरोजगारी दवाइयों की नियमित डोज की आदत डाल लेनी चाहिए।

प्रेरणा केंद्र बनता परमार्थ निकेतन

डॉ. वेदप्रकाश

भारतीय ज्ञान परंपरा आरंभ से ही मानवता के कल्याण हेतु चिंतन करती रही है। वैदिक साहित्य में जहां एक ओर वसुधैव कुटुंबकम् की भावना मिलती है वहीं दूसरी ओर सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना भी की गई है। यहां समस्त चिंतन का मूल मनुष्य है, इसलिए वैदिक चिंतन मनुर्भव अर्थात मनुष्य बनो की संकल्पना को सिद्धांत और व्यवहार रूप में प्रसारित करता है। भारतवर्ष के अनेक संत, महापुरुष, विभिन्न ग्रंथ, मठ- मंदिर एवं आश्रम निरंतर मानवता की सेवा अथवा परोपकार को ही सबसे बड़ा धर्म मानकर कार्य करते रहे हैं। ये मठ- मंदिर,अखाड़े और आश्रम प्रेरणा के केंद्र रहे हैं। यही वे स्थान हैं जहाँ से समाज और राष्ट्र के कल्याण हेतु जन जागरण और जन आंदोलन दिशा पाते हैं। भारतवर्ष में ज्ञान-विज्ञान, संस्कृति एवं अध्यात्म का प्रवाह निरंतर गतिमान रहा, लेकिन विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण एवं दासता के कालखंड में ये श्रेष्ठ परंपराएं हाशिए पर चली गई। तदुपरांत भी मठ- मंदिर, अखाड़े और आश्रम जनमानस को संबल देते रहे। अनेक कष्ट सहकर भी समाज और राष्ट्र कल्याण हेतु संत परंपरा का योगदान एवं बलिदान अविस्मरणीय रहा है।

विगत दिनों देवभूमि उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम जाना हुआ। यह आश्रम माँ गंगा के किनारे है, जहाँ अनेक संत-महापुरुषों ने तपस्या की और आज भी वह क्रम जारी है। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी भारतवर्ष की संत परंपरा के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्यात्म, प्रकृति- पर्यावरण एवं जन जागरण के विविध विषयों का प्रेरणा पुंज है।

यहाँ प्रातः काल वैदिक मंत्रोचार के साथ ऋषि कुमारों और अन्य लोगों के साथ वैदिक यज्ञ का आयोजन सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। तदुपरांत योग, ध्यान, सत्संग आदि दैनिक चर्या के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। देश- विदेश से हजारों लोग प्रतिदिन यहाँ आते हैं और भारतीय अध्यात्म, योग, ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा एवं संस्कृति को जानने- समझने एवं अनुभव करने का प्रयास करते हैं। स्वामी चिदानंद सरस्वती जी की प्रेरणा एवं सान्निध्य में वर्ष 1997 से यहां संध्या समय गंगा आरती का आयोजन होता है, जो वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉड्र्स में दर्ज हो चुका है। माँ गंगा किनारे गंगा आरती का आयोजन आनंददायक अनुभव के साथ-साथ देश- विदेश में भारतीय समाज, संस्कृति एवं चिंतन का भी संचार करता है। आरती के समय स्वामी चिदानंद जी एवं अन्य संतों का उद्बोधन जन-जन में नई ऊर्जा का संचार करता है। राम कथा एवं भगवद्गीता की कथाएं यहां निरंतर चलती रहती हैं, जिनसे अध्यात्म के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का भी संचार होता है। परमार्थ निकेतन दशकों से मानवता के कल्याण हेतु प्रकृति- पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

आज जल संकट न केवल भारत अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है, ऐसे में परमार्थ निकेतन स्वामी चिदानंद जी के मार्गदर्शन में लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट जैसी महत्वपूर्ण मुहिम चला रहा है। समाज व राष्ट्र जीवन में सकारात्मक बदलाव हेतु परमार्थ निकेतन में शिक्षा एवं संस्कारों के माध्यम से व्यक्ति निर्माण का कार्य भी निरंतर जारी है। स्वामी जी अपने उद्बोधन में बहुत स्पष्टता से कहते हैं- बेशक देव भक्ति अपनी-अपनी करें किंतु राष्ट्रभक्ति केवल भारत की हो।

संस्कृति के प्रति सभी को प्रेरित करते हुए स्वामी चिंदानंद जी अपने उद्बोधन में लगातार कहते हैं कि- अब समय आ गया है अपने परिवार में अपनी संस्कृति को आरोपित करें और स्वयं भी उस संस्कृति को जिएं।

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण के खतरों से आज हम सब प्रभावित हो रहे हैं। उनके समाधान सामूहिक प्रयासों से और परंपरा के अनुकरण द्वारा ही संभव हैं। परमार्थ निकेतन निरंतर यह संदेश दे रहा है कि प्रकृति के पैरोकार व पहरेदार बनें।... जीवन में तीन चीज बहुत महत्वपूर्ण हैं- प्रकृति, संस्कृति और संतति। पर्यावरण संरक्षित रहेगा तो हमारी प्रकृति बचेगी, संस्कृति बचेगी तो संतति भी बचेगी।

गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस में लिखा है- परहित सरिस धर्म नहिं भाई...। परमार्थ निकेतन के नाम में ही परहित की भावना निहित है। आज यह स्थान ने केवल भारतवर्ष अपितु वैश्विक पटल पर भी प्रेरणा का केंद्र बनता जा रहा है।

प्रतिदिन देशी- विदेशी हजारों लोग यहां से ज्ञान- विज्ञान,अध्यात्म, संस्कृति और प्रकृति-पर्यावरण के अनेक विषयों की शिक्षा और दीक्षा लेकर निस्वार्थ भाव से कर्म क्षेत्र में जुट रहे हैं।

विकसित भारत के निर्माण में सक्षम व्यक्ति और समर्थ समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी निर्मित परमार्थ निकेतन जैसे प्रेरणा केंद्रों व स्वामी चिदानन्द सरस्वती जैसे मनीषियों के पुरुषार्थ से ही संभव होगी।

बुधवार के दिन करें इन मंत्रों का जाप

भगवान गणेश की कृपा से सभी परेशानियां होंगी दूर

किया जाता है, जिससे भक्तों की सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में चलिए आज जानते हैं बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा के दौरान किन मंत्रों का जाप करना चाहिए....

बुधवार के दिन करें इन मंत्रों का जाप

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

विघ्नहर्ता भगवान गणेश को प्रसन्न करना चाहते हैं तो इसके लिए उपरोक्त मंत्र का जाप करें। ये मंत्र जितना सरल है उतना ही प्रभावशाली भी। मान्यता है कि ये मंत्र इतना ज्यादा प्रभावशाली है कि कोई भी कार्य शुरू करने से पूर्व इस मंत्र का जाप करने से आपका कार्य बिना किसी बाधा के पूरा हो जाएगा।

ॐ गं गणपतये नमः

यदि आपके जीवन में परेशानियों ने घर कर लिया है और आप उन सब समस्याओं से छुटकारा चाहते हैं तो उपरोक्त मंत्र का जाप करें। मान्यता के अनुसार गणेश जी का ये मंत्र इतना चमत्कारी है कि इसके जाप से से जीवन में आने वाली सभी बाधाएं और परेशानियां दूर होती हैं।

गणपूज्यो वक्रतुण्ड एकदंष्ट्री त्रियम्बकः।
नीलग्रीवो लम्बोदरो विकटो विघ्नराजक : ।।
धूम्रवर्णो भालचन्द्रो दशमस्तु विनायकः।
गणपर्तिहस्तिमुखो द्वादशारे यजेद्गणम।।

यदि आपकी कुंडली में ग्रह दोष हैं तो प्रत्येक बुधवार को 11 बार इस मंत्र का जाप करें। इस मंत्र में भगवान गणेश के 12 नामों का जाप किया जाता है। मान्यता है यदि आप इस मंत्र का जाप किसी मंदिर में भगवान गणेश के सामने बैठकर करेंगे तो गणेश की कृपा से आपको शुभ फल की प्राप्ति होगी।

त्रयीमयायाखिलबुद्धिदात्रे बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय।
नित्याय सत्याय च नित्यबुद्धि नित्यं निरीहाय नमोस्तु नित्यम।

यदि आपका काम बनते-बनते बिगड़ जाता है तो उपरोक्त मंत्र का जाप करें। ये मंत्र आपके सभी बिगड़े हुए कार्य को पूर्ण करेंगे। वहीं यदि आपको मेहनत करने के बाद भी मंजिल नहीं मिल रही है तो इस मंत्र का कम से कम 21 बार जाप करें।

सनातन धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्यनीय देव माना गया है। कहा जाता है कि गणेश जी विघ्न को दूर करके मंगल करने वाले देवता हैं। किसी भी शुभ कार्य के आरंभ से पहले श्री गणेश का आह्वान किया जाता है। इसलिए उन्हें मंगलकर्ता भी कहा जाता है। बुधवार के दिन विधि विधान से पूजा अर्चना करने से सुखकर्ता, दुखहर्ता भगवान श्री गणेश सभी कष्टों और परेशानियों को दूर कर देते हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान गणेश की पूजा अर्चना करने के बाद यदि किसी कार्य की शुरुआत की जाय तो वो बिना किसी विघ्न के पूरे हो जाते हैं। यदि पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान गणेश जी की पूजा की जाए तो जीवन की परेशानियों और समस्याओं का समाधान हो जाता है। इसके अलावा गणेश जी की पूजा के दौरान कई प्रकार के मंत्रों का जाप

लक्ष्मी नारायण योग से चमकेगी 3 राशियों की किस्मत

पाएंगे अपना मकान और वाहन सुख

जून 2024 में बनने वाले लक्ष्मी नारायण योग से सभी राशियों के जातकों के जीवन पर शुभ असर होने के योग बन रहे हैं, लेकिन 3 राशियां इससे सबसे अधिक लाभान्वित होंगी। आइए जानते हैं, लक्ष्मी नारायण योग कैसे बनता है और इसका 3 राशि के जातकों के जीवन पर क्या असर होगा?

ग्रहों के राशि परिवर्तन से बने शुभ योग से सभी राशियों के जातकों के जीवन में न केवल शुभता बढ़ती है, बल्कि सुख-सुविधाओं और मनोकामनाओं की पूर्ति भी होती है। जून 2024 में एक ऐसा शुभ योग बन रहा है, जो किसी राजयोग से कम नहीं है। इसका नाम है- लक्ष्मी नारायण योग। यह योग 31 मई 2024 को 'प्रिंस ऑफ प्लैनेट' बुध के वृषभ राशि में गोचर के साथ बनेगा। आइए जानते हैं, लक्ष्मी नारायण योग क्या है और किन राशियों पर इसका प्रभाव सबसे अधिक होगा?

कैसे बनता है लक्ष्मी नारायण योग?

लक्ष्मी नारायण योग एक बहुत शुभ योग है, जिसके प्रभाव से जातक के जीवन में सौभाग्य और समृद्धि का वरदान प्राप्त होता है। करियर में प्रगति होती है, नौकरी के योग बनते हैं, व्यापार और धन-दौलत में वृद्धि होती है। पारिवारिक सहयोग और सुख बढ़ता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यह कुंडली के केंद्र भाव का योग है, जो तब बनता है, जब दो शुभ ग्रहों- शुक्र और बुध की युति होती है। शुक्र ग्रह की स्वामिनी देवी लक्ष्मी हैं और बुध ग्रह के स्वामी नारायण हैं। यही कारण है कि शुक्र-बुध की युति से बने योग को 'लक्ष्मी नारायण योग' कहते हैं।

लक्ष्मी नारायण योग का राशियों पर असर

वृषभ राशिः- लक्ष्मी नारायण योग के शुभ प्रभाव से वृषभ राशि के जातकों के जीवन में सुख-शांति, धन-ऐश्वर्य और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। बेरोजगारों को उनकी पसंद की नौकरी मिल सकती है। कारोबार के विस्तार से मुनाफे में जबरदस्त उछाल आ सकता है। पर्याप्त धन आने से अपना मकान या फ्लैट पाने का आपका सपना पूरा हो सकता है। घर में यज्ञ, विवाह जैसे मांगलिक कार्य हो सकते हैं। अविवाहित जातक को मनपसंद साथी मिलने के योग हैं।

कर्क राशिः कर्क राशि के जातकों के लिए लक्ष्मी नारायण योग बहुत शुभ रहने के योग दर्शा रहा है। इस योग के सकारात्मक प्रभाव से आर्थिक स्थिरता आएगी। विदेश से कारोबार करने वाले जातकों को विशेष लाभ होने के योग हैं। स्टूडेंट्स के करियर में उन्नति होगी, उनको प्रोजेक्ट से धन का लाभ हो सकता है, जिससे आपकी बाइक लेने की चाहत पूरी होगी। धन की आमद के नए रास्ते बनेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु राशिः- इस राशि के जातकों के जीवन में लक्ष्मी नारायण योग के शुभ प्रभाव से करियर, नौकरी, व्यापार, राजनीति जैसे क्षेत्रों में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। धन कमाने के साथ आप धन की बचत पर भी ध्यान देंगे। इस समय कमाया हुआ धन चार पहिया वाहन खरीदने का आपका सपना पूरा कर सकता है। योजनाबद्ध होकर काम करने की प्रवृत्ति विकसित होगी, जिससे भाग्य आपका साथ देगा और जीवन के हर क्षेत्र में सफल हो सकते हैं।

ये उपाय अपनाएं, सुखी रहेंगे

सबसे पहले अपने घर की पूर्व दिशा को ठीक कीजिए। घर की पूर्व दिशा भगवान सूर्यदेव की दिशा है और यहीं से पूरे घर का ऊर्जा चैनल संचालित होता है। पूर्व दिशा को खुला, साफ-स्वच्छ रखें। इस दिशा में टायलेट या गंदगी है तो उसे दूर करें।

पूर्व दिशा में क्रिस्टल की बॉल लगा दें, जिस पर सूर्य की किरणें पड़ेंगी तो बॉल से निकलने वाली किरणें पूरे घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर देंगी।

ईशान कोण में जल स्थान बनाएं। यह देव स्थान भी होता है इसलिए ईशान कोण में देव स्थान बनाएं, सुगंधित फूलों के पौधे लगाएं किंतु ध्यान रखें कंटीले पौधे न लगाएं चाहे वह फूलों के ही क्यों न हों।

अपने घर में नित्य प्रतिदिन कर्पूर अवश्य जलाएं। पूजा स्थान में कर्पूर से आरती करने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

घर में कर्पूर-लोबान की धूप लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा का शोषण होगा।

6 जून को शनि जयंती और वट सावित्री व्रत

ज्येष्ठ अमावस्या पर शनि पूजा के बाद पितरों के लिए भी धूप-ध्यान जरूर करें। पितरों के लिए धूप-ध्यान दोपहर में करना चाहिए। घर-परिवार के मृत सदस्यों को पितर देव माना जाता है। गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें और पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को जल चढ़ाएं।

कुंडली के शनि ग्रह से जुड़े दोष दूर करने के लिए हनुमान जी की भी पूजा की जाती है। शनि जयंती पर भी श्रीराम के भक्त हनुमान जी की पूजा जरूर करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

गुरुवार और अमावस्या के योग में देवगुरु बृहस्पति की भी पूजा करें। गुरु ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। इसलिए शिवलिंग पर केसर मिश्रित जल चढ़ाएं। दूध, पंचामृत अर्पित करें। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल चढ़ाएं। चंदन का लेप करें। पीले फूल चढ़ाएं। बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

इस दिन वट सावित्री व्रत करने वाली महिलाएं बरगद की पूजा करेंगी। पूजा में सावित्री और सत्यवान की कथा पढ़ी-सुनी जाती है। ये व्रत पति के सौभाग्य, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना से किया जाता है।

गुरुवार को ज्येष्ठ अमावस्या होने से इस दिन शनि देव के साथ ही गुरु ग्रह की पूजा का भी शुभ योग बन रहा है। ज्येष्ठ मास में गर्मी अधिक रहती है और इन दिनों में किए गए व्रत-उपवास तप की तरह माने जाते हैं। नौ ग्रहों में न्यायाधीश शनि देव की जयंती ज्येष्ठ अमावस्या पर मनाई जाती है। शनि के पिता सूर्य देव और माता छाया हैं। यमराज और यमुना जी इनके भाई-बहन हैं। शनि मकर और कुंभ राशि का स्वामी है।

शनि जयंती पर शनि देव की विशेष पूजा करें। पूजा में शनि देव का तेल से अभिषेक करें। काले तिल, तिल से बने व्यंजन, काले-नीले वस्त्र, नीले फूल शनि देव को चढ़ाएं। इनके साथ शमी के पत्ते भी जरूर चढ़ाना चाहिए। शनि मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जप कम से कम 108 बार करें।

ज्येष्ठ अमावस्या पर जरूरतमंद लोगों को काले तिल, सरसों का तेल, जूते-चप्पल, कपड़े, अनाज, खाना दान करना चाहिए।

आज मासिक शिवरात्रि और प्रदोष व्रत

इस बार 4 जून को अद्भुत संयोग बनने जा रहा है। महादेव को प्रसन्न करने के लिए यह दिन बेहद ही शुभ रहेगा। दरअसल, 4 जून को प्रदोष व्रत और मासिक शिवरात्रि दोनों एक साथ हैं। ये दोनों व्रत भोलेनाथ को समर्पित है। इस दिन व्रत रखने और विधिपूर्वक शिव जी की पूजा करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। भोले शंकर की असीम कृपा पाने के लिए इस मुहूर्त में ही भोलेनाथ की उपासना करें।

प्रदोष व्रत 2024

ज्येष्ठ माह का पहला प्रदोष व्रत 4 जून को रखा जाएगा। इस प्रदोष व्रत को भौम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। बता दें कि प्रदोष व्रत का नाम सप्ताहक के दिन के हिसाब से रखा जाता है। जैसे अगर सोमवार को प्रद्रोष व्रत है तो उसे सोम प्रदोष कहा जाएगा। ऐसे ही मंगलवार को पड़ने वाले प्रदोष को भौम प्रदोष कहा जाएगा। भौम प्रदोष के दिन शिव जी और माता पार्वती के साथ बजरंगबली की भी पूजा का विधान है। ज्येष्ठ के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ सुबह 12 बजकर 18 मिनट से होगा। त्रयोदशी तिथि का समापन 4 जून की रात 10 बजकर 1 मिनट पर होगा।

मासिक शिवरात्रि 2024

ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी तिथि का आरंभ 4 जून को रात 10 बजकर 1 मिनट से होगा। चतुर्दशी तिथि समाप्त 5 जून को शाम 7 बजकर 54 मिनट पर होगा। मासिक शिवरात्रि का व्रत 4 जून को रखा जाएगा। मासिक शिवरात्रि व्रत निशिता काल में की जाती है, जो 4 जून की रात ही रहेगी। मासिक शिवरात्रि की निशिता काल पूजा का समय रात 11 बजकर 59 से सुबह 12 बजकर 40 मिनट तक रहेगा।

परिवार का चयन हम नहीं करते हैं। परिवार हमारे लिए भगवान का उपहार है, ठीक इसी तरह हम परिवार के लिए भगवान का उपहार हैं।

शनि जयंती पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान

शनि जयंती इस साल जून के महीने में मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि के दिन शनि जयंती मनाई जाती है, जोकि साल 2024 में 6 जून को है।

मेष राशि- मंगल ग्रह के स्वामित्व वाले लोगों को शनि जयंती के दिन काले रंग के वस्त्र दान करने से लाभ मिलेगा। इसके साथ ही रसीले फलों का दान भी आप कर सकते हैं।

वृषभ राशि- इस राशि वालों को दूध, जल, मौसमी फल आदि का दान करने से लाभ होगा। अगर संभव हो तो इस दिन आप शनि मंदिर जाने के बाद इन चीजों का दान करें।

मिथुन राशि -शनि देव को प्रसन्न करने के लिए मिथुन राशि वाले लोगों को शनि जयंती के दिन काले तिल या नमक का दान करना चाहिए।

कर्क राशि- आप अगर अपने जीवन में स्थिरता चाहते हैं तो नीले रंग के वस्त्रों का दान शनि जयंती के दिन करें। संभव हो तो इस दिन शिव जी का ध्यान करना भी आपके लिए लाभकारी रहेगा।

सिंह राशि -शनि और सिंह राशि के स्वामी सूर्य के बीच यूं तो शत्रुता है, लेकिन शनि जयंती के दिन अगर आप लाल वस्त्रों का दान करते हैं, साथ ही स्टील से बनी कोई वस्तु दान स्वरूप देते हैं तो, शनि आपके जीवन की कई परेशानियों को दूर कर सकते हैं।

कन्या राशि- आपको शनि जयंती के दिन सरसों के तेल का दान करना चाहिए और साथ ही हरे रंग के खाद्य पदार्थ और वस्त्र भी आप दान कर सकते हैं।

तुला राशि - इस दिन आपको गौशाला में जाकर गाय की सेवा करनी चाहिए और चारा खिलाना चाहिए। दान स्वरूप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जूते-चप्पल देने चाहिए।

वृश्चिक राशि -आपके लिए जल का दन करना सबसे शुभ साबित होगा। इसके साथ ही लोहे से बनी जरूरी चीजों का दान भी आप कर सकते हैं।

धनु राशि- आप कंबल और छाता इस दिन दान करते हैं तो शनि देव की कृपा आप पर बरस सकती है।

मकर राशि -शनि आपकी ही राशि के स्वामी है इसलिए शनि जयंती के दिन आपको किसी जरूरतमंद को उसके जरूरत की चीज दान करनी चाहिए। आप उड़द की दाल और तिल भी दान स्वरूप दे सकते हैं।

कुंभ राशि -शनि जयंती के दिन आपको नीले रंग के वस्त्र दान करने चाहिए और लोहे से बनी चीजों का दान भी आप कर सकते हैं।

मीन राशि -इस राशि वाले लोग पीले रंग के फल, मिष्ठान, चावल आदि दान करके शनि देव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

काजल अग्रवाल ने गिनाईं साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कमियां, बॉलीवुड की सराहना कर बढ़ाई हलचल

अभिनेत्री काजल अग्रवाल किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। काजल को बॉलीवुड, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाते देखा जा चुका है। वहीं, अब अभिनेत्री अपने हालिया बयान की वजह से सुर्खियों में आ गई हैं। काजल ने स्वीकार किया है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की तुलना में साउथ में चीजें काफी अलग हैं। उनका कहना है कि महिला कलाकार अब भी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उस प्रणाली को बदलने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं, जिसके तहत शादी करने या मां बनने के बाद उन्हें मजबूत भूमिकाएं नहीं मिल पा रही हैं।

'गलाट्टा प्लस' के साथ एक इंटरव्यू में काजल ने स्वीकार किया कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी अंतर है। अभिनेत्री को बताया गया कि कैसे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में शादी के बाद भी दीपिका पादुकोण को 'फाइटर' में एक दमदार किरदार और आलिया भट्ट को 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में एक रोमांटिक भूमिका की पेशकश की गई, जो कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बेहद कम ही देखने को मिलता है।

जानकारी हो कि काजल अपनी नवीनतम फिल्म 'सत्यभामा' में एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं। वहीं, इस सवाल पर अभिनेत्री का कहना है, 'हमारे बीच अभी भी थोड़ी-बहुत रूढ़िवादिता जुड़ी हुई है। मैं उम्मीद कर रही हूं कि हम जल्द ही इससे छुटकारा पा लेंगे। मुझे यह भी लगता है कि अब नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों की शादी हो चुकी है और उनके बच्चे भी हैं।'

काजल ने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म निर्माताओं के रूप में, उन्हें आगे बढ़ने और अपने दर्शकों के लिए ऐसी कहानियां पेश करने की जरूरत है जहां महिलाओं को विभिन्न भागों में देखा जा सके। दर्शकों को दोष न देते हुए काजल ने स्वीकार किया कि वे इसके लिए तैयार हैं लेकिन कलाकारों को इसमें शामिल होने की जरूरत है।

काजल अग्रवाल ने साल 2020 में गौतम किचलू से शादी की। इसके दो साल बाद वह मां बनीं। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया है कि साउथ इंडस्ट्री में भी चीजें अब काफी ज्यादा बदल रही हैं। उन्होंने नयनतारा की सराहना की कि वह अभी भी अपनी शर्तों पर रोमांटिक और एक्शन भूमिकाएं निभा रही हैं।

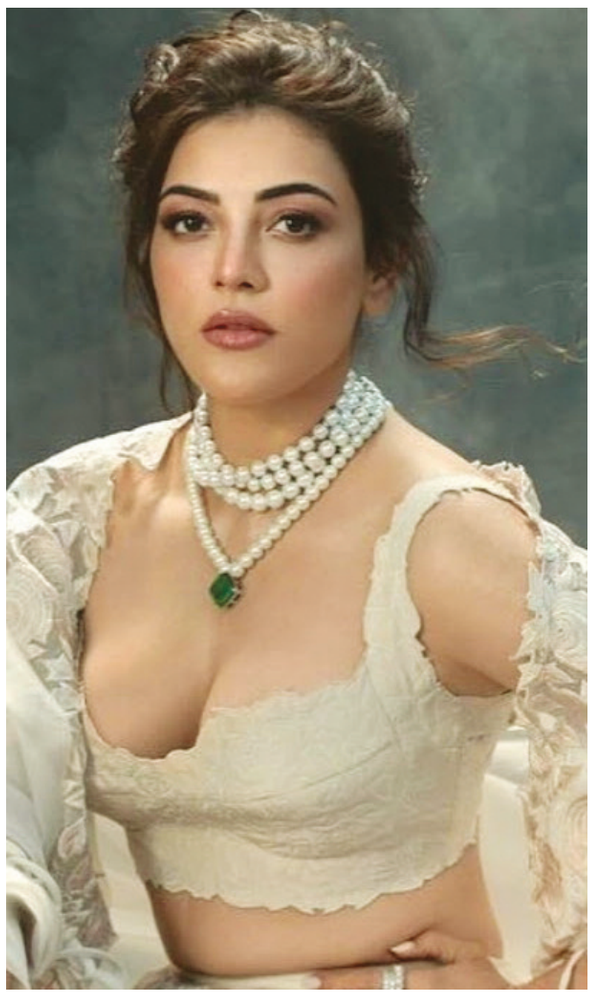

मलाइका अरोड़ा ने किया था अरबाज खान को प्रपोज बोलीं- घर से बाहर निकलने के लिए की थी शादी

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान अक्सर अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। मलाइका अरोड़ा और अरबाज की पहली मुलाकात तकरीबन 20 की उम्र में हुई थी, तभी दोनों एक-दूजे के प्यार में इस कदर खो गए कि दोनों ने साल 1998 दिसंबर में शादी कर ली थी। इसके बाद 2002 में दोनों का पहला बेटा अरहान पैदा हुआ। दोनों की लाइफ शानदार चल रही थी कि अचानक शादी के 19 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। बॉलीवुड के पसंदीदा कपल के अलग होने की खबर से उनके फैंस, रिश्तेदार और बॉलीवुड सितारे भी हैरान थे।

एक शो पर बताई थी प्रपोज की बात

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मलाइका अरोड़ा ने एक शो के दौरान हुई बातचीत में बताया कि उन्होंने ही अरबाज को प्रपोज किया था। यही नहीं बल्कि अरबाज से शादी उन्होंने सिर्फ और सिर्फ इसलिए की क्योंकि वह अपने घर से बाहर निकलना चाहती थीं।

तलाक की बात कर घरवालों ने कही थी यह बात

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जब मलाइका ने अपने घरवालों से तलाक की बात कही थी तब उनका परिवार नहीं चाहता था कि वह तलाक लें। मलाइका ने एक शो के दौरान कहा था, "मुझे लगता है कि सबकी पहली यही राय थी कि तलाक मत करना। कोई आपको नहीं कहेगा कि हां हां प्लीज जाइए और कर लीजिए। यह पहली बात है कि आपको सोच समझकर ही कोई निर्णय लेना होगा। मैं भी इसी चीज से गुजरी चुकी हूं।" मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक शो पर मलाइका ने यह भी बताया था, "जिस दिन मुझे अरबाज से तलाक लेना था, ठीक उस एक दिन से पहले की रात को मेरे पूरे परिवार ने मेरे साथ बैठकर मुझसे फिर से पूछा, 'क्या तुम वाकई में अरबाज को तलाक देना चाहती हो? क्या तुम अपने फैसले को लेकर 100 प्रतिशत कंफर्म हो?' ये वे लोग हैं जो अपकी चिंता करते हैं और परवाह करते हैं, इसलिए वे जानना चाहते थे कि क्या मैं वाकई में ऐसा चाहती हूं। दरअसल, हर कोई कहता था, 'अगर तुम यह फैसला ले रही हो, तो हमें तुम पर गर्व है और हमारी नजर में तुम एक मजबूत महिला हो। उनकी इन सभी बातों से मुझे और ताकत मिली, जिसकी मुझे जरूरत थी।"

बेटे ने पूछा मां से कब शादी करेंगी

एक वॉडकास्ट के दौरान मलाइका के बेटे अरहान खान ने मलाइका से शादी को लेकर पूछा था कि वह कब, कहां, किस तारीख और किससे शादी करने वाली हैं। तो इसपर मलाइका ने कहा, "मेरे लिए मिर्ची खाना बेहतर होगा। मैं इसका जवाब नहीं दे सकती। मुझे नहीं पता कि इसका कोई जवाब है या नहीं। मुझे लगता है कि मैं फिलहाल अपनी सबसे अच्छी जिंदगी जी रही हूं"

बता दें कि अरबाज खान ने मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से शादी कर ली है। उन्होंने दिसंबर 2023 में अरबाज की बहन अर्पिता के मुंबई स्थित घर पर शादी की थी। तो वहीं दूसरी ओर यह अफवाहें हैं कि मलाइका और अर्जुन कपूर अब अलग हो गए हैं।

शुभमन गिल और रिद्धिमा पंडित के लिंकअप की खबरें:एक्ट्रेस बोलीं- यह झूठ है

टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। उनका नाम क्रिकेटर शुभमन गिल से जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस दिसंबर 2024 में अपने से 9 साल छोटे शुभमन गिल के साथ शादी करने जा रही हैं। रिद्धिमा ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। इससे पहले शुभमन का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर और सारा अली खान के साथ भी जोड़ा जा चुका है।

एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके शुभमन गिल के साथ शादी की खबरों को बिल्कुल गलत और बेबुनियाद बताया। रिद्धिमा पंडित ने कहा- मेरी सुबह की शुरुआत बहुत सारे जर्नलिस्ट के कॉल से हुई। सभी को मेरी होने वाली शादी के बारे में जानना था। लेकिन कौन सी शादी? किसके साथ ?

रिद्धिमा पंडित ने कहा- अगर मेरे जीवन में ऐसा कुछ हो रहा है। मैं शादी के बारे में सोच रही हूं तो इसकी अनाउंसमेंट खुद सामने से आकर करूंगी। फिलहाल इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है।बता दें कि पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा थी शुभमन और रिद्धिमा एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन वह अपनी शादी को सीक्रेट रखना चाहते हैं। रिद्धिमा से पहले शुभमन का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर और सारा अली खान के साथ भी जोड़ा जा चुका है।

'सूर्या 44' में दिखेंगी पूजा हेगड़े

अभिनेत्री पूजा हेगड़े के पास एक रोमांचक नया प्रोजेक्ट है। अभिनेत्री को निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज की नई फिल्म 'सूर्या 44' के लिए चुना गया है। एक्स पर जाते हुए, कार्तिक ने पारंपरिक सोने के आभूषणों के साथ साड़ी पहने पूजा की तस्वीर साझा करके इसकी आधिकारिक घोषणा की। आगामी फिल्म में पूजा अभिनेता सूर्या के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

मुख्य अभिनेत्री पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए कार्तिक सुब्बाराज ने एक्स पर लिखा, 'सूर्या 44 के लिए पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म में आपका स्वागत है।' पोस्टर में पूजा पारंपरिक पोशाक में नजर आ रही हैं। 'मुगामुडी' और 'बीस्ट' के बाद यह पूजा हेगड़े की तीसरी तमिल फिल्म है। सूर्या और कार्तिक सुब्बाराज की फिल्म की शूटिंग जून के पहले सप्ताह में अंडमान द्वीप समूह में शुरू होने की उम्मीद है।

इस बीच, मलयालम अभिनेता जयराम का एक पोस्ट के साथ स्वागत किया गया जिसमें लिखा था, 'एक व्यक्ति जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, जो अपनी परफॉर्मेंस में जान डाल देते हैं। जयराम आपका सूर्या 44 की टीम में स्वागत है।' पोस्टर में जयराम चश्मा लगाए बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं। पूजा और जयराम के 'सूर्या 44' से जुड़ने की खबर ने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

कार्तिक ने घोषणा की कि 'सूर्या 44' का पहला शेड्यूल पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में शुरू हो रहा है। इससे पहले आज, जयराम और मुख्य अभिनेता सूर्या को पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर देखा गया, जिससे पुष्टि हुई कि जयराम पहले शेड्यूल का हिस्सा होंगे और फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूर्या भी इस शेड्यूल में शामिल हो रहे हैं। अभी तक 'सूर्या 44' शीर्षक से मशहूर फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और श्रेयस कृष्ण की सिनेमैटोग्राफी देखने को मिलेगी।

लगातार असफलताओं के बाद पूजा हेगड़े को फिल्म 'सूर्या 44' से काफी उम्मीदें हैं। पूजा को शाहिद कपूर के साथ रोशन एंड्रयूज की 'देवा' के लिए भी चुना गया है। वह अहान शेट्टी के साथ 'अदनान ए शेख' और यासिर जाह की 'सनकी' में भी अभिनय करेंगी। पूजा आखिरी बार 2023 में सलमान खान के साथ फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आई थीं।

शादी तब हो जब आप मानसिक रूप से तैयार हों

मां की तरफ से मुझ पर कोई दबाव नहीं : वाणी कपूर

फिल्म 'बेफिकरे' की शायरा गिल अब 'बदतमीज गिल' बन चुकी है। जी हां, यशराज फिल्म्स की फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर की नई फिल्म का यही नाम है। वाणी हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग करके बरेली से लौटी हैं। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खेल खेल में' और अजय देवगन के साथ फिल्म 'रेड 2' की शूटिंग भी करीब करीब पूरी कर ली है। अपने व्यस्त समय से कुछ वक्त निकालकर वाणी कपूर ने एक समाचार पत्र से बात की, उसके अंश इस प्रकार है।

खूब सारा काम करके खूब सारा आत्मविश्वास तो आता ही, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन, आत्मविश्वास से ज्यादा जरूरी है, उस किरदार को करने के लिए आ स था हो ना। बीते 10 साल में मैंने ज्यादा फिल्में की नहीं हैं और मुझे तो लगता है कि जैसे मेरी शुरुआत अब हो रही है। मैं अब भी शूटिंग पर पहुंचती हूं तो नर्वस हो जाती हूं। उस मकाम पर भी अभी नहीं पहुंची हूं जहां मुझे लगे कि मैं कुछ भी कर सकती हूं।

'वॉर' बहुत ही शानदार फिल्म थी। इसके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ, साथी कलाकार ऋतिक रोशन के साथ मैं दोबारा काम कर सकूं तो ये मेरी खुशकिस्मती होगी। नैना का किरदार बहुत ही खास तरीके से गढ़ा गया था। मैं और सिद्धार्थ जब फिल्म की पटकथा साथ पढ़ने बैठते थे तो इस बारे में बहुत विचार किया करते थे कि नैना के किरदार का आधार, इसकी अंतर्धारा कैसे मजबूत की जा सकती है। हम नहीं चाहते थे कि ये किरदार बस फिल्म में होने भर के लिए ही हो।

अक्षय के साथ काम करना एक अलग ही आनंद है। वह खुद भी बहुत खुशमिजाज इंसान हैं। शूटिंग नहीं भी हो रही हो तब भी सबके साथ रहना ही पसंद करते हैं। खूब हंसी मजाक करते हैं। मौका मिलता था तो हम लूडो पर बाजी लगाकर खेलते थे। 10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक की हमारी बाजी होती थी और अगर बाजी अक्षय जीत गए तो फिर तो आपको उनको पैसे देने ही पड़ेंगे। अगर अजय देवगन की बात करें तो वह काम में डूबे रहने वाले कलाकार हैं। फिल्म 'रेड 2' की पटकथा बहुत ही कमाल की है।

मैं भी मानती हूं कि हम भारतीय सिनेमा हैं और सारी भाषाओं के कलाकारों को साथ काम करना ही चाहिए। इसे पैन इंडिया जैसा नाम न देकर भारतीय सिनेमा ही कहना बेहतर होगा। इन दिनों मलयालम सिनेमा में बहुत अच्छी अच्छी फिल्में बन रही हैं। उनकी कहानियों को और भी विस्तार मिले। मुझे मौका मिले तो मैं भी ऐसी फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं हमेशा से बौद्धिक सिनेमा करना चाहती रही हूं। साउथ में मुझे साई पल्लवी की काम बहुत पसंद है। अल्लू अर्जुन बहुत ही मनोरंजक अभिनेता हैं।

रणबीर कपूर जितने कमाल के हैं, इंसान उससे भी कमाल के हैं। बहुत ही विनम्र, बहुत ही जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। एक सुपरस्टार होने का कोई फितूर नहीं पालते हैं। कभी ये नहीं कहते कि उन्हें किसी खास तरह की तवज्जो दी जाए। प्रकृति के करीब रहना उन्हें बहुत पसंद है। हम नुब्रा वैली में शूटिंग कर रहे थे तो साथ में दूर तक पैदल घूमने चले जाते थे। कहीं जाना हो तो उनकी कोई जिद नहीं होती थी कि नहीं, मुझे यही गाड़ी चाहिए। मजाकिया भी वह बहुत हैं और दूसरों की टांग खींचने में उन्हें खूब मजा आता है।

समय के साथ साथ माता-पिता भी काफी बदले हैं। सिनेमा और इसके लोगों को लेकर उनकी समझ पहले से ज्यादा विकसित हो चुकी है। उनका बहुत भरोसा रहा है मुझ पर और मेरा भी यही रहा है कि मैं कभी उनका भरोसा न तोड़ूं। ये हमारे बीच एक अनकहा सा समझौता है। वह मेरा हर कदम पर साथ देते हैं और मैं भी बहुत आज्ञाकारी बेटी की तरह रहती हूं। जो दायरा मैंने अपनी परवरिश के दौरान अपने चारों तरफ देखा है, उसके बाहर मैं खुद ही अपने आपको जाने नहीं देती।

मेरे ऊपर ऐसा कोई दबाव उन्होंने कभी नहीं डाला। मेरा भी यही मानना है कि शादी से पहले आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना और खुद के भरोसे चलना बहुत जरूरी है। शादी तब होनी चाहिए जब आप मानसिक रूप से तैयार हों इसके लिए। किसी और के साथ जीवन बिताने का फैसला करने से पहले जरूरी है अपने साथ समय बिताना और खुद को जानना।

सुशांत मेरा पहला साथी कलाकार है। और, वह ही मेरा पहला दोस्त भी था फिल्म जगत में। मैं उसे कभी भूल नहीं सकती। हमारी बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी और हम लोगों ने बहुत अच्छा वक्त साथ में बिताया। हम दोनों बहुत ही साधारण परिवार से थे। 'शुद्ध देसी रोमांस' में मेरे ज्यादातर दृश्य उसी के साथ थे। हमारे बीच एक रिश्ता सा था।

अनन्या से ब्रेकअप की खबरों पर आदित्य ने तोड़ी चुप्पी बोले- कौन क्या बोल रहा है इस पर ध्यान नहीं देता

आदित्य रॉय कपूर इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनन्या पांडे के साथ उनका ब्रेकअप हो गया है। सोशल मीडिया पर लगातार अनन्या और आदित्य के ब्रेकअप की वजहों को यूजर्स जानने की कोशिश में जुटे रहते हैं। ऐसे में अभिनेता ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी और रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बातें करते हुए क्या कुछ कहा है।

आदित्य रॉय कपूर अपनी जिंदगी को अपने तक रखने में विश्वास करते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने कहा, 'सोशल मीडिया पर कौन मेरे बारे क्या बोल रहा है या क्या लिख रहा है इस बात पर मैं ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं। मैं जिंदगी में सकारात्मक चीजों पर फोकस करना चाहता हूं'।

'आशिकी 2' स्टार आदित्य रॉय कपूर आगे कहते हैं, 'मैं अपनी बातों को अपने तक रखता हूं। मैं हमेशा से ऐसा ही हूं। मैं निजी जिंदगी में भी शांत किस्म का इंसान हूं। मैं नहीं चाहता हूं मेरी जिंदगी के बारे में हर बात हर किसी को पता हो। मैं बेहद प्राइवेट इंसान हूं'।

आदित्य रॉय कपूर अपने रिलेशनशिप के बारे में कोई भी बात करना पसंद नहीं करते हैं। अभिनेता इस विषय पर बात करते हुए कहा,'लोगों को जो बोलना है बोलते रहें। वे क्या बोल रहे हैं या क्या लिख रहे हैं मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं। उन्हें जो सोचना हैं वे वही सोचे, मैं अपनी शांति को भंग नहीं करना चाहता हूं'।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर इस साल मार्च में अलग हो गए हैं। दोनों अलगाव के बावजूद एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण भावना रखने की कोशिश कर रहे हैं। वे इस स्थिति से परिपक्वता से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं अनन्या अपने दोस्तों के साथ समय बिता कर खुद को बहलाने की कोशिश कर रही हैं। इन दिनों वे अनंत अंबानी के प्रीवेडिंग कार्यक्रम में शामिल हों के लिए इटली में हैं।

आइसक्रीम, चिप्स और बर्गर के ज्यादा सेवन से स्ट्रोक का खतरा

फ्राइज, चिप्स, बर्गर, कैंडी, सॉफ्ट ड्रिंक और आइसक्रीम जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स यानी बेहद ज्यादा प्रोसेस किए जाने वाले खाद्य पदार्थ लोगों को शारीरिक और दिमागी तौर पर बीमार बना रहे हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि ऐसे खाद्य पदार्थों के ज्यादा सेवन से सोचने-समझने, पढ़ने, सीखने और याद रखने की क्षमता में गिरावट के साथ स्ट्रोक के खतरे बढ़ रहे हैं।

मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं के अध्ययन के नतीजे जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन अमेरिका में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु के 30,239 लोगों पर किया गया है। इन पर करीब ग्यारह वर्षों तक नजर रखी गई। शोधकर्ताओं ने इस बात की जांच की है कि उनका कितना भोजन बेहद ज्यादा प्रोसेस किया हुआ था। अध्ययन की शुरुआत में इन सभी लोगों में स्ट्रोक या सोचने-समझने तथा सीखने की क्षमता में गिरावट का कोई इतिहास नहीं था। अध्ययन के अंत तक 768 लोगों में संज्ञानात्मक हानि यानी सोचने समझने की क्षमता में गिरावट देखी गई जबकि 1,108 में स्ट्रोक की समस्या सामने आई।

8 फीसदी बढ़ी स्ट्रोक की समस्या

शोध के अनुसार, दुनिया में करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत के शिकार हैं। इन खाद्य पदार्थों को लेकर लोगों में जो लगाव है वह करीब-करीब शराब और तंबाकू जितना ही बढ़ चुका है।

बहुत ज्यादा प्रोसेस किए खाद्य पदार्थों के सेवन में 10 फीसदी के इजाफे से याददाश्त से जुड़ी समस्याओं का खतरा 16 फीसदी तक बढ़ गया। दूसरी ओर बिना प्रोसेस किए भोजन के सेवन से जोखिम 12 फीसदी तक घट गया। इसी तरह इसका सेवन करने से स्ट्रोक का खतरा आठ फीसदी तक बढ़ गया, जबकि कम करने से स्ट्रोक का जोखिम नौ फीसदी तक घट गया।

लोगों को ध्यान देना चाहिए कि वे क्या खा रहे

मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के प्रोफेसर डॉ. डब्ल्यू टेलर किम्बर्ली का कहना है कि हर व्यक्ति को न केवल इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह क्या खा रहा है, बल्कि इस पर भी विचार करना चाहिए कि वह कैसे बनता है। इन खाद्य पदार्थों का सीमित सेवन दिमाग को स्वस्थ रखने में मददगार साबित हो सकता है।

ज्यादा नमक के सेवन से हर साल 30 लाख मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े भी दर्शाते हैं कि हर साल जरूरत से ज्यादा नमक (सोडियम) का सेवन करने से दुनिया में 30 लाख से ज्यादा लोगों की जान जा रही है। इसके साथ ही इसकी वजह से रक्तचाप और हृदय सम्बन्धी रोगों का खतरा भी बढ़ रहा है।

क्या होते हैं अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स

जब प्राकृतिक तरीके से प्राप्त खाद्य उत्पादों को कई लेवल पर प्रोसेस किया जाता है जिससे वह कई दिनों तक खाने योग्य बने रहें या फिर जब डीप फ्राई करके उनकी कुदरती संरचना को बदल दिया जाता है तो ऐसे खाद्य उत्पादों को अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स कहते हैं। इनमें आमतौर पर चीनी, वसा, नमक ज्यादा और प्रोटीन तथा फाइबर कम होते हैं।

साइकिलिंग से हृदय रहता है स्वस्थ

अच्छी सेहत के लिए नियमित रूप से शारीरिक अभ्यास को सबसे आवश्यक माना जाता है। जरूरी नहीं है कि आप इसके लिए रोज जिम जाएं और भारी अभ्यास करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ आसान से और हल्के स्तर के अभ्यास को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर आप शरीर को स्वस्थ और फिट रख सकते हैं।

साइकिल चलाना ऐसा ही एक आसान अभ्यास है जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से साइकिल चलाते हैं या फिर जिम सेंटर में इस तरह की गतिविधियां करते हैं उन्हें दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस एक अभ्यास के कई लाभ हो सकते हैं। शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए इसके फायदे देखे गए हैं। आइए जानते हैं कि साइकिल चलाने के अभ्यास का संपूर्ण स्वास्थ्य पर किस प्रकार से असर होता है?

हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभप्रद

अध्ययनों से पता चलता है साइकिलिंग की आदत हृदय को स्वस्थ रखने में काफी मददगार है। ये कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने से लेकर ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने तक के लिए फायदेमंद अभ्यास है। 300 अध्ययनों की एक समीक्षा के अनुसार साइकिलिंग करने से कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। यह एचडीएल (अच्छा) कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में भी मददगार है। गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर ठीक रहने और बैड कोलेस्ट्रॉल कम होने से हृदय स्वास्थ्य ठीक रहता है।

स्ट्रोक, हार्ट अटैक का भी कम होता है खतरा

स्ट्रोक और हार्ट अटैक को वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारकों में से एक माना जाता है। शोध से पता चलता है कि नियमित साइकिल चलाने से मधुमेह, इसके कारण होने वाली जटिलताओं और मृत्यु का खतरा 24 फीसदी तक कम हो सकता है। वहीं अगर आप कम से कम 5 साल तक इस अभ्यास को जारी रखते हैं तो मधुमेह रोगियों में हृदय की बीमारी, ब्लड प्रेशर सहित अन्य समस्याओं के कारण मृत्युदर में 35% तक की कमी आ सकती है।

वजन कम करने में मददगार

नियमित शारीरिक गतिविधियों की मदद से वजन को कंट्रोल रखना आसान हो सकता है। साइकिलिंग करना भी इसमें आपके लिए फायदेमंद है। साइकिल चलाने से पूरे शरीर की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं और कैलोरी बर्न भी अधिक होता है। शरीर से अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए नियमित रूप से साइकिल चलाने के अभ्यास से लाभ पाया जा सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने और कैलोरी बर्न करने में साइकिलिंग विशेष लाभकारी अभ्यास है।

मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

शोधकर्ताओं ने पाया कि साइकिल चलाने से तनाव, अवसाद या चिंता की भावनाएं कम हो सकती हैं। साइकिल चलाते समय ध्यान केंद्रित करने से आपकी एकाग्रता भी बढ़ती है और इसके मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। मस्तिष्क की जागरूकता बढ़ाने और तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए भी विशेषज्ञों ने इस अभ्यास का फायदेमंद पाया है।

अगर आप भी धूप से आकर पीते हैं फ्रिज का ठंडा पानी, तो सेहत को हो सकते हैं ये नुकसान

गर्मियों के मौसम में ठंडा पानी पीना लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। गर्मियों में हाइड्रेट रहने के लिए लोग लिक्विड ड्रिंक का सेवन करते हैं, जिसमें साधारण पानी के साथ ही लोग लस्सी, जूस और नारियल पानी समेत तरह तरह के ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाइड्रेटेड रहने के लिए कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीना बेहद जरूरी होता है। लेकिन पानी पीते समय उसके सही तापमान का होना भी जरूरी है। पानी के तापमान का असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मियों में लोग ठंडा पानी पीने के इच्छा से फ्रिज का पानी पीते हैं। प्यास बुझाने और थकावट दूर करने के लिए लोग कभी भी ठंडा पानी पी लेते हैं, इससे भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल जाती है लेकिन इसका नुकसान भी बहुत होता है। आयुर्वेद में ठंडे पानी को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। खासकर फ्रिज का चिल्ड वाटर बिल्कुल भी नहीं पीना चाहिए। धूप से आकर, एक्सरसाइज के बाद या खाने के बाद ठंडा पानी पीने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी गर्मियों में गलत समय और गलत तरीके से ठंडे पानी का सेवन करते हैं तो जान लें इससे सेहत पर होने वाले नुकसान के बारे में।

पाचन पर प्रभाव

शरीर किसी भी पदार्थ को अपने तापमान पर लाता है, जिसे वह आगे पाचन के लिए भेजता है लेकिन बहुत कम तापमान की चीजों का सेवन करने से शरीर उसे अपने तापमान के मुताबिक करने लगता है, जिससे डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अपच की समस्या हो जाती है। पेट में ठंडा पानी डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। रिसर्च के मुताबिक, ठंडा पानी ब्लड वेसल्स को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन की समस्या हो जाती है।

गले में खराश

अक्सर गला खराब होने या आवाज बदलने पर बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जरूर ठंडा पानी पी लिया होगा। यह सही भी है, ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो जाती है। फ्रिज में निकालकर ठंडा पानी पीने से ऐसी समस्या होना आम बात है। वहीं अगर आप भोजन के बाद ठंडा पानी पी लेते हैं तो बलगम बनने लगता है और सांस लेने के रास्ते ब्लॉक हो जाते है। जिससे गले में खराश, बलगम, जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

हार्ट रेट पर असर

ठंडे पानी का सेवन आपके शरीर का हार्ट रेट भी कम कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से दसवीं कपाल तंत्रिका (वेगस नर्व) स्टिम्युलेट हो जाती है। शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करने का काम नर्व ही करती है। कम तापमान के पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर होता है, जिससे हार्ट रेट कम हो जाती है।

सिरदर्द की समस्या

धूप से आने के तुरंत बाद अगर आप बहुत ठंडा पानी या बर्फ का पानी पी लेते हैं तो ब्रेन फ्रीज हो सकता है। ठंडे पानी का सेवन आपकी रीढ़ की कई नसों को ठंडा कर सकता है, जिसका असर मस्तिष्क पर होता है और सिर दर्द होने लगता है। साइनस की समस्या से ग्रसित लोगों के लिए यह स्थिति मुसीबत बढ़ा सकती है।

वेट लॉस में दिक्कत

जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें ठंडे पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ठंडे पानी के कारण शरीर में मौजूद फैट को बर्न करना मुश्किल हो जाता है। फ्रिज के पानी से शरीर का फैट सख्त हो जाता है, जिसकी वजह से वसा को कम करने में समस्या आती है और वजन कम नहीं होता।

35 की उम्र में दिनचर्या रहती है खराब तो हो सकते हैं आर्थराइटिस के शिकार

आर्थराइटिस यानी गठिया की समस्या को एक दशक पहले तक उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कत के रूप में जाना जाता था, हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसके शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हड्डियों में कमजोरी और इससे संबंधित समस्याओं को बढ़ते हुए देखा जा रहा है। आर्थराइटिस की समस्या के कारण रोजमर्रा के कार्यों में बाधा आ सकती है, ये जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करने वाली हो सकती है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले एक दशक में 35 से कम आयु वालों में आर्थराइटिस के मामले तेजी से बढ़ते देखे गए हैं। युवाओं में ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए अधिक वजन या मोटापा को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। आइए जानते हैं कि इसके और क्या कारण हो सकते हैं और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?

गठिया के बढ़ते मामले

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अधिक वजन की स्थिति जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालती है, जिससे गठिया का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा गतिहीन जीवनशैली, ज्यादा देर तक बैठे रहना या व्यायाम न करना भी इस समस्या का कारण बन सकती है। जीवनशैली में कुछ बदलाव करने से गठिया होने का जोखिम काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कौन सी आदतें आर्थराइटिस का कारण बन सकती हैं?

धूम्रपान करते हैं तो हो जाएं सावधान

धूम्रपान की आदत को आर्थराइटिस के प्रमुख कारकों में से एक माना जाता है, ये रूमेटाइड अर्थराइटिस के बढ़ते जोखिमों के लिए भी जिम्मेदार पाया गया है। धूम्रपान के कारण जोड़ों में कठोरता बढ़ने का जोखिम रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान छोड़ने से इसके जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया धूम्रपान करने वाले लोगों को जोड़ों की सेहत को लेकर और भी सावधानी बरतते रहने की जरूरत होती है।

वजन को कंट्रोल रखना जरूरी

अधिक वजन को जोड़ों के लिए समस्याकारक माना जाता है इससे अर्थराइटिस, विशेष रूप से ऑस्टियोआर्थराइटिस का जोखिम बढ़ जाता है। स्वस्थ वजन बनाए रखने से गठिया होने के खतरे को काफी कम किया जा सकता है। वजन को कम रखने के लिए स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन के साथ-साथ नियमित व्यायाम करने से भी लाभ मिल सकता है। वजन प्रबंधन में नियमित शारीरिक गतिविधि को सबसे प्रभावी है।

नियमित व्यायाम बहुत जरूरी

शारीरिक गतिविधि जोड़ों की गतिशीलता को बनाए रखने, मांसपेशियों को मजबूत करने और समग्र स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है। यह एंडोर्फिन के स्राव को भी बढ़ावा देता है, जो दर्द को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। अपनी दिनचर्या में नियमित व्यायाम जैसे वॉकिंग, साइकिल चलाना, तैराकी या योग को शामिल करें। व्यायाम की आदत बनाने से वजन को कंट्रोल रखना और जोड़ों की समस्याओं को कम करना दोनों आसान हो सकता है।

लगातार काम करने की समस्या से बचाव के लिए माइक्रो ब्रेक असरदार

'एक बार काम खत्म हो जाए, तभी आराम करूंगी।' अधिकतर महिलाएं यही सोचकर काम में लगी रहती हैं। लेकिन ऐसा करना आपकी बड़ी गलती हो सकती है। नॉन स्टॉप घर और ऑफिस का काम करना आपको बीमार बना सकता है। इससे तनाव और अवसाद, दोनों बढ़ते हैं। अगर आप इन परेशानियों से बचना चाहती हैं तो 'माइक्रो ब्रेक' जरूर लें। माइक्रो ब्रेक छोटे ब्रेक हैं, जो आपको फिर से काम करने के लिए रिचार्ज करते हैं। इससे आपकी कार्यक्षमता और फोकस, दोनों बढ़ते हैं।

क्या है माइक्रो ब्रेक

माइक्रो ब्रेक वो छोटे-छोटे ब्रेक हैं, जो आपको फिर से काम करने के लिए रिचार्ज करते हैं। यह केवल एक से पांच मिनट का ही होता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि लंबे ब्रेक या वीकएंड के आराम से कहीं ज्यादा फायदेमंद माइक्रो ब्रेक होते हैं। इससे आप फिजिकली और मेंटली रिलेक्स हो पाती हैं। ये माइक्रो ब्रेक आप पर तुरंत असर करते हैं और आपको आराम पहुंचाते हैं।

बढ़ता है फोकस

जर्नल ऑन प्रोफेशनल डेवलपमेंट के अनुसार, माइक्रो ब्रेक लेने से फोकस और कार्यक्षमता, दोनों बढ़ते हैं। असल में, जब आप लंबे समय तक बिना ब्रेक के काम करती हैं

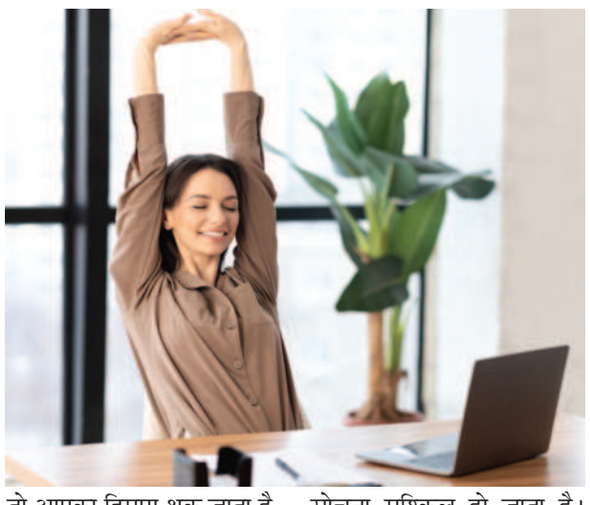

तो आपका दिमाग थक जाता है, जिस वजह से फोकस करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए ब्रेक लें, मनपसंद संगीत सुनें और अपने दोस्तों या साथियों से बात करें।

कम होती टेंशन

महिलाएं हर काम समय पर पूरा करने का दबाव लेकर चलती हैं। यह तनाव और दबाव, दोनों ही आपको अवसाद में डाल सकते हैं, जिसका अधिकांश महिलाओं को अंदाजा ही नहीं होता। ऐसे में बस पांच मिनट का ब्रेक आपके तनाव के स्तर को कम कर सकता है।

बनें क्रिएटिव

जब आप लगातार काम करते हुए थक जाती हैं तो इससे आपकी क्रिएटिविटी पर भी असर पड़ता है। ऐसे में कुछ नया सोचना मुश्किल हो जाता है। माइक्रो ब्रेक आपके दिमाग को नए विचारों के लिए खोलता है। इस दौरान आप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। इसमें हल्की स्ट्रेचिंग भी फायदेमंद रहेगी।

एनर्जी लेवल

लंबे समय तक लगातार काम करने से एनर्जी लेवल लो हो जाता है। अगर आप दफ्तर में लॉन्ग सिटिंग जॉब करती हैं या घर के कामों में लगी रहती हैं, तो माइक्रो ब्रेक आपको मूवमेंट करने का मौका देता है। इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और मधुमेह जैसी बीमारियां भी दूर रहती हैं।

ऐसे में क्या करें

पोमोडोरो तकनीक इसमें आपकी मदद कर सकती है। यह एक समय प्रबंधन पद्धति है, जो पांच मिनट के ब्रेक के बाद 25 मिनट के केंद्रित कार्य पर आधारित है। वहीं, एजाइल वर्किंग यानी फ्लैक्सिबल वर्किंग आप कर सकती हैं। यह एक साथ पूरा वक्त देने की जगह अपनी सुविधा के अनुसार काम करने पर आधारित है।

60 मिनट में कम से कम दो ब्रेक

केजीएमयू, लखनऊ के मनोचिकित्सा विभाग की क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. पूजा माहौर बताती हैं, माइक्रो ब्रेक आपकी रचनात्मकता को बढ़ाता है, आपको प्रेरित करता है और आपके थकने की प्रक्रिया को कम करता है। कुछ मिनट का ब्रेक लेकर उसमें स्ट्रेच करें। थोड़ी देर टहलना या अपने काम से अलग कुछ भी करना आपको रिचार्ज करता है।

यह आपकी कार्य करने की क्षमता को बढ़ता है। पोमोडोरो तकनीक और टाइम ब्लॉकिंग आपके ब्रेक को शेड्यूल करने में आपकी मदद कर सकते हैं, जिसमें ब्रेक लेने का एक टाइम शेड्यूल किया जाता है। एक अच्छा ब्रेक लेने के लिए आप अपने जरूरी कार्यों को पहले कर लें। आपके लिए 60 मिनट में कम से कम दो माइक्रो ब्रेक लेना फायदेमंद साबित हो सकता है।

क्या आप भी टांसिल से परेशान हैं

प्रश्न : मुझे डियोडिनल अल्सर है। मेरे लिए पथ्य क्या है ? और इसकी आयुर्वेदिक चिकित्सा क्या है - कृपा कर बताएं।

- अप्पाल रामाकृष्ण राव, विजयवाड़ा

उत्तर : भोजन से किसी न किसी रूप से संबंध रखने वाला शूल या दर्द डियोडिनल अल्सर का कारण बनता है। पेट के दर्द के दो बड़े भेद होते हैं ।

१)अन्नद्रवशूल जो पेप्टिक अल्सर में होता है।

२) परिणामशूल जो ड्योडनल अल्सर में होता है।

परिणामशूल ग्रहणी के आरंभिक प्रदेश डियोडिनम में उत्पन्न व्रण याने अल्सर के कारण होता है। जो कि पच्यमानावस्था के बाद अनुभव किया जाता है। यह भोजन के 3-4 घंटे के बाद देखा जाता है। इसके अन्य लक्षणों में छाती में जलन, वमन की इच्छा, व वमन आदि होते हैं ।

अम्ल, कटु, लवण रस, तले पदार्थ, तेज मसालेदार भोजन, शराब, चाय, कॉफी का परहेज करें । अंग्रेजी दर्द निवारक दवाओं का सेवन त्यागे। रात में जगना धूप, वेग धारण न करें याने मूत्रादि वेगों को ना रोके, क्रोध व दुख का परित्याग करें । आयुर्वेद में ड्योडनल अल्सर का इलाज है।

* एकौषधि में शतावरी चूर्ण 3 से 6 ग्राम 100 ग्राम गाय के दूध से सुबह-शाम लेने पर आराम मिलता है। आमलकी फल चूर्ण 6 ग्राम, गाय के दूध से लेने पर राहत मिलती है।

* ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण 100 ग्राम, कामदुधा रस मोती युक्त 6 ग्राम, स्वर्ण सूतशेखर रस 25 टेबलेट को एकजीव कर लेवे और एक-एक चम्मच सुबह-शाम भोजन के पहले शहद में मिलाकर या जल से लेवे ।

भोजन के बाद डाईलूसीड सिरप 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में लेवे। होटल और दावत के भोजन से हमेशा बचे । ऐसा करने पर आपका ड्योडिनल अल्सर पूरी तरह से ठीक हो जाएगा।

प्रश्न : मैं 30 वर्षीय विवाहित महिला हूं । हर थोड़े दिनों में पेशाब में जलन होने लगती है। काफी खाज भी आती है। एलोपैथिक दवाओं से कुछ दिन राहत मिलती है। कृपया आप इसका स्थाई उपाय बताएं।

- श्रीमती ज्योत्स्ना नायडू, आलमपुर

उत्तर : आपको मूत्रवह संस्थान एवं योनि का संक्रमण है। गर्म पानी में थोड़ी फिटकरी डालकर योनि साफ करें। बाद ऊंझा निंब(नीम का तैल) तैल की पिचु धारण करें। ऊंझा चंदनादि वटी एवं ऊंझा चंद्रप्रभा वटी दो-दो गोली, दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवे। चंदन कल्प सिरप एक गिलास पानी में 15 मिलीलीटर मिलाकर दिन में तीन बार भोजन के बाद लें।

गर्मी और पेशाब की जलन में समान रूप से उपयोगी हैं औरा फ्रीजी सायरप। शास्त्रीय औषधि चंदनासव भी मूत्रदाह में उपयोगी सिद्ध हुई है। चिकित्सा कम से कम 2 माह चालू रखें तो स्थायी लाभ अवश्य मिलेगा।

प्रश्न : मेरी 8 साल की बेटी के टांसिल अक्सर बड़े हो जाते हैं। डॉक्टर इसे ऑपरेशन से निकाल देने की सलाह देते हैं। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है? कृपा कर बताएं!

- प्रभाकर राव, करीमनगर

उत्तर :

टांसिल ग्रंथि हमारे पाचन तंत्र की पहली सुरक्षा कड़ी है। भोजन या किसी भी पेय में जो हानिकारक जैव तत्व होते हैं टॉन्सिल उसे पहले ही खत्म कर देती है। आज पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान के दिग्गज शल्य चिकित्सक भी एकमत से स्वीकार करते हैं कि टांसिल को जहां तक हो सके बचाना चाहिए। उसे निकालना या टांसिलेक्टमी को जहां तक हो सके टालना या नहीं करना चाहिए । कंठ शोथ,गलग्रंथि शोथ या टुंडीकेरि शोथ का आयुर्वेद में उपचार है। ऊंझा महालक्ष्मी विलास की 25 गोलियां, सितोपलादि चूर्ण 100 ग्राम , अभ्रक भस्म हजार पुटी 1 ग्राम, गिलोय सत्व चूर्ण 100 ग्राम, यष्टिमधु चूर्ण 100 ग्राम, श्रृंग भस्म 10 ग्राम को पूरा मिलाकर एक जीव कर लेवे। इसे सुरक्षित डब्बी में भरले।

इसे 3 ग्राम सुबह -दोपहर और शाम भोजन के पहले शहद में मिलाकर चटाएं। भोजन के बाद एलेक्झी टिकिया, कांचनार गुग्गुलु एवं महामंजिष्ठादिघन टिकिया गुनगुने पानी से दें। हर बार भोजन या कोई भी पेय लेने पर गरारे या कुल्ली करें।

हर प्रकार के मीठे पदार्थ, मिठाई, गुड़, शक्कर आदि से बने पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी मलाई, ठंडे पेय एवं बहुत ज्यादा पके मीठे फल से पूरा परहेज करें। बासी भोजन, फ्रिज में रखे भोजन, ठंडा पानी, दही - छाछ से भी परहेज करें। चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कम से कम 3 से 4 महीने चालू रखें । ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

रॉकेट से भी तेज भागे गौतम अडानी के शेयर

आज 16 फीसदी से ज्यादा उछले, मालामाल हुए निवेशक

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज रेकॉर्ड तेजी के बीच गौतम अडानी की कंपनियों के स्टॉक्स में बंपर उछाल देखने को मिल रहा है। अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में आज यानी सोमवार को 16 फीसदी तक का रेकॉर्ड उछाल आया है। एग्जिट पोल में मोदी सरकारी की जीत की चर्चाओं के बीच शेयर बाजार में आज सुबह से तेजी देखने को मिल रही है। इसका असर अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों पर भी देखा जा रहा है। अडानी ग्रुप की सभी 10 लिस्टेड कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में करीब 1.4 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। इससे ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 19.24 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

तेजी से बढ़ रहे ये शेयर

निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। आज बाजार में तेजी के बीच अडानी पॉवर के शेयर में सबसे ज्यादा उछाल देखा जा रहा है। बीते 6 महीनों में दोगुना हो चुका अडानी पावर सबसे ज्यादा मुनाफे में रहा है। स्टॉक ने 16 फीसदी की बढ़त के साथ बीएसई पर 875 रुपये के नए 52-सप्ताह के उच्च स्तर को छुआ है। निफ्टी 50 पैक में अडानी पोर्ट्स 9% रिटर्न के साथ सबसे ज़्यादा मुनाफे में रहा। इसके बाद समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में 7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।

इन शेयरों में भी उछाल

इसके अलावा अडानी ग्रुप की कंपनियों अडानी टोटल गैस, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस और अडानी ग्रीन में भी अच्छी बढ़त देखी गई है। ये सभी स्टॉक 7 से 8 फीसदी उछाल के साथ कारोबार कर रहे हैं। अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर अब हिंडनबर्ग से पहले के स्तर के करीब पहुंच रहे हैं। शेयरों ने अपने नुकसान की भरपाई कर ली है। वित्त वर्ष 2024 में अडानी समूह का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 55% बढ़कर 30,768 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इसका ईबीआईटीडीए साल-दर-साल 40% बढ़कर 660 अरब रुपये हो गया है। इधर जेफरीज ने अडानी एंटरप्राइजेज (लक्ष्य मूल्य 3,800 रुपये), अडानी पोर्ट्स (लक्ष्य मूल्य 1,640 रुपये) और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस (लक्ष्य मूल्य 1,365 रुपये) को खरीदने की सलाह दी है।

पिछले हफ़्ते सीएलएसए ने 54 स्टॉक की लिस्ट में अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज, एसीसी और अंबुजा सीमेंट को शामिल किया था। इस सूची में पीएसयू और कई अन्य कॉरपोरेट्स से जुड़ी कंपनियां भी शामिल हैं जिन्हें पीएम मोदी की नीतियों का प्रत्यक्ष लाभार्थी माना जाता है।

विमान में यात्री ने की गाली-गलौज और मारपीट

सीधे हवालात में हुई उसकी लैंडिंग

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। हवाई जहाज में चढ़ के भी लोग कैसी-कैसी हरकतें करने लगते हैं। अब कोझिकोड के नादकुंडी को ही देखिए। वह कोझिकोड से बहरीन जाने के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में सवार हुआ। विमान के आसमान में पहुंचते ही उसने कारनाम शुरू कर दिया। केबिन क्रू और सहयात्रियों से मारपीट के साथ ही वह विमान का दरवाजा खोलने पर आमादा हो गया। तक पायलट ने विमान को मुंबई की तरफ मोड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग की गई। वहां इस यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने यह खबर दी है। खबर में बताया गया है कि कोझिकोड से बहरीन जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में केबिन क्रू पर हमला करने और विमान का दरवाजा खोलने की कोशिश करने के आरोप में 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। सहार पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (सीएसएमआईए) पर विमान की आपातकालीन लैंडिंग के बाद आरोपी अब्दुल मुसाविर नादुकंदी को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना बीते शनिवार की है। केरल का रहने वाला नादुकंडी कोझिकोड से बहरीन जाने वाली फ्लाइट में सवार हुआ। विमान जब टेकऑफ के बाद आसमान में पहुंचा तो वह अपनी सीट से उठा और पीछे की तरफ चला गया। वहां जो केबिन क्रू खड़े थे, उसके साथ कथित तौर पर उसने मारपीट शुरू कर दी। वह विमान का पिछला दरवाजा खोलने पर आमादा था।

नादुकंडी को बड़ी मुश्किल से केबिन क्रू ने काबू में किया। फिर उस यात्री को उनकी सीट पर बिठाया गया। थोड़ी ही देर बाद वह अपने सहयात्रियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। यही नहीं, वह एयरक्राफ्ट के इमरजेंसी डोर खोलने की धमकी देने लगा। उस यात्री के व्यवहार की जानकारी विमान के पायलट को दी गई।

अरबपति नेल्सन पेल्ट्ज ने डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। अरबपति निवेशक और एक्टिविस्ट नेल्सन पेल्ट्ज ने बुधवार को डिज्नी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। पेल्ट्ज़ और उनके हेज फंड, ट्रायन फंड मैनेजमेंट ने मीडिया और मनोरंजन समूह के खिलाफ लंबे समय से चल रही अपनी प्रॉक्सी वॉर में हार के करीब दो महीने बाद यह बिकवाली की। रिपोर्ट्स के अनुसार पेल्ट्स ने अपनी पूरी हिस्सेदारी करीब 1 अरब डॉलर के मुनाफे में बेची है। पेल्ट्ज़ ने अपने सभी डिज्नी स्टॉक को लगभग 120 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर बेच दिया। पेल्ट्ज़ के हेज फंड ट्रायन फंड मैनेजमेंट के पास करीब 3.5 अरब डॉलर के डिज्नी के शेयर थे। एक परिचित के मुताबिक इस सौदे के जरिए पेल्ट्स को करीब एक अरब डॉलर का मुनाफा हुआ। कंपनी के शेयर करीब 100 डॉलर प्रति शेयर के भाव कारोबार कर रहे हैं। डिज्नी के शेयर इस साल अब तक लगभग 11% तक चढ़े हैं। पेल्ट्ज़ के ट्रायन पार्टनर्स ने अप्रैल की शुरुआत में डिज्नी में एक प्रॉक्सी लड़ाई हारने के हफ्तों बाद यह बिकवाली की है।

लोकसभा रिजल्ट से एक दिन पहले बाजार 2700 अंक उछला

निवेशकों ने 12 लाख करोड़ कमाए, सेंसेक्स 76,468 और निफ्टी 23,263 के स्तर पर बंद

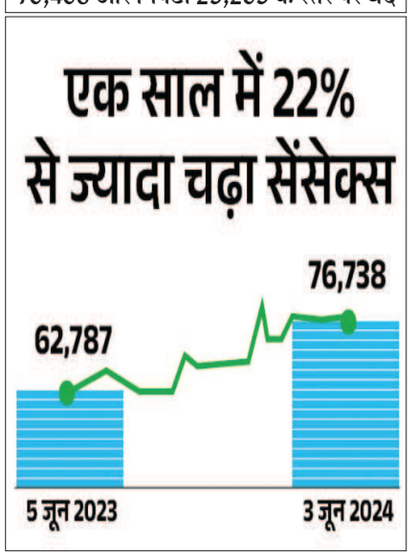

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। चुनाव नतीजों से एक दिन पहले शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2777 पॉइंट की तेजी के साथ 76,738 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने भी 808 पॉइंट की तेजी के साथ 23,338 का ऑल टाइम हाई बनाया।

हालांकि, बाद में बाजार अपनी ऊपरी स्तरों से थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 2,507 पॉइंट के तेजी के साथ 76,468 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 733 पॉइंट चढ़कर 23,263 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट रही।

निवेशकों की वेल्थ लगभग 12 लाख करोड़ बढ़ी

शेयर बाजार में आई इस तेजी से कारोबार के दौरान निवेशकों की वेल्थ लगभग 12 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। BSE का मार्केट कैप शुक्रवार को 4,12,12,881 करोड़ रुपए था जो आज यानी, 3 जून को कारोबार को दौरान बढ़कर 4,23,71,233 करोड़ रुपए पहुंच गया।

दैनिक पंचांग

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. - 18-44
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- उत्तरे - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 22-01 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , मंगलवार 04 June
नक्षत्र - भरणी 22-34 तक उपरान्त कृतिका
योग - शोभन 06- 11 तक उप अतिगण्ड
करण- गर 11-08 तक उप वणिज
विशेष:- भौम प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - मासिक शिवरात्रि

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष--	04-35 बजे
चंद्र-	मेष में	मिथुन..	06-36 बजे
मंगल	मेष में	कर्क...	08-48 बजे
बुध-	वृष पें	सिंह...	11-00 बजे
गुरु-	वृष में	कन्या..	13-07 बजे
शुक्र-	वृष में	तुला.....	15-11 बजे
शनि-	कुंभ में	वृश्चिक..	17-22 बजे
राहु-	मीन में	धनु.....	19-35 बजे
केतु-	कन्या में	मकर...	21-42 बजे
		कुंभ....	23-32 बजे
		मीन...	01-11 बजे
		मेष....	02-46 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:31 से 17:09 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05:44 - 07:20 अशुभ	काल	18:47 - 20:09 अशुभ
उत्पात	07:20 - 08:58 अशुभ	लाभ	20:09 - 21:31 शुभ
चंचल	08:58 - 10:36 शुभ	उत्पात	21:31 - 22:53 अशुभ
लाभ	10:36 - 12:15 शुभ	शुभ	22:53 - 24:15 शुभ
अमृत	12:15 - 13:53 शुभ	अमृत	24:15 - 01:36 शुभ
काल	13:53 - 15:31 अशुभ	चंचल	01:36 - 02:58 शुभ
शुभ	15:31 - 17:09 शुभ	रोग	02:58 - 04:20 अशुभ
रोग	17:09 - 18:44 अशुभ	काल	04:20 - 05:42 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा । इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा । आप अपने काम को नजरअंदाज न करें , हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है । अच्छा कार्य प्रदर्शन आपके वित्तीय लाभ का मार्ग भी खोलेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि , व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें। आपके खर्चों का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक धन की प्राप्ति होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है । यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा । हालाँकि , आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा , फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मीडिया कारोबारी रुपर्ट मर्डोक की पांचवीं पत्नी ऐलेन झुकोवा का रूस से क्या है नाता?

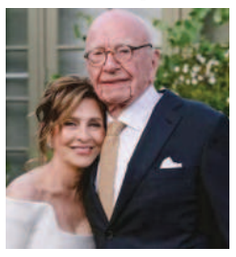

नई दिल्ली , 3 जून (एजेंसियां)। पिछले साल फॉक्स एंड न्यूज कॉरपोरेशन के निदेशक मंडल से सेवानिवृत्त हुए 93 वर्षीय रूपर्ट मर्डोक लॉस एंजिलिस के बेल एयर स्थित अपने मोरागा वाइनयार्ड में एलेना झुकोवा के साथ पांचवीं बार शादी के बंधन में बंध गए। कौन हैं रुपर्ट मर्डोक की पांचवीं पत्नी एलेना झुकोवा? वे किस पेशे से जुड़ी हैं? उनका रूस से क्या संबंध है? वे पहली बार मर्डोक से कैसे मिलीं? आइए जानते हैं इन सवालों के जवाब। ऐलेना जुकोवा एक सेवानिवृत्त आणविक जीववैज्ञानी हैं, जो मधुमेह अनुसंधान के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती हैं।

इस क्षेत्र में उनके योगदानों में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स में किए गए कार्य शामिल हैं। रूपर्ट मर्डोक की पांचवीं पत्नी ऐलेना झुकोवा मूल रूप से मास्को की रहने वाली हैं। 67 वर्षीय झुकोवा सोवियत संघ के अंतिम वर्षों के दौरान 1991 में संयुक्त राज्य अमेरिका में शिफ्ट हो गई थीं।

झुकोवा को रूपर्ट मर्डोक से उनकी (मर्डोक) तीसरी पूर्व पत्नी वेंडी डेंग ने एक आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात कराई थी। वेंडी डेंग और मर्डोक ने अपनी शादी के 14 साल बाद 2013 में तलाक ले किया था। ऐलेना जुकोवा पहले भी दो बार शादी कर चुकी हैं। उनकीशादी रूसी तेल कारोबारी और अरबपति अलेक्जेंडर झुकोव से भी हो चुकी है। उनकी एक बेटी है, 42 साल की दशा झुकोवा।

साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

संवेदनशील जानकारियां चुरा सेंधमारी करते हैं जालसाज

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। डिजिटल युग में हमारे इनबॉक्स और मोबाइल फोन ईमेल एवं टेक्स्ट मैसेज से लगातार भरे रहते हैं। इनके जरिये जहां एक ओर हमलोग एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं, दूसरी ओर साइबर ठग इनसे मिलते-जुलते भ्रामक (फिशिंग) ईमेल और मैसेज के जरिये हमारी व्यक्तिगत जानकारियां और लॉगइन विवरण चुरा लेते हैं। सावधानी नहीं बरतने पर साइबर ठग हमारे बैंक खातों में आसानी से सेंधमारी कर लेते हैं।

साइबर ठगी व बैंक धाखोधड़ी के ऐसे मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आरबीआई की हाल ही में जारी सालाना रिपोर्ट भी इस बात की तस्दीक करती है। इसके मुताबिक, देश में पिछले एक साल में डिजिटल धोखाधड़ी 709 फीसदी बढ़ी है। ऐसे में अगर आप कुछ तरीके अपनाएं तो साइबर एवं बैंक धोखाधड़ी का शिकार होने से बच सकते हैं। जरूरत की भावना पैदा करना: स्कैमर ऐसे ईमेल या मैसेज भेजते हैं, जो जरूरत की भावना पैदा करता है। मसलन, आपके बैंक खाते से छेड़छाड़ हुई है। भुगतान की समय-सीमा समाप्त हो गई है। ऐसे ईमेल या मैसेज आपको दबाव में लाने के लिए भेजे जाते हैं, ताकि आप बिना जांच-परख उनके निर्देशों का पालन करें। डराना-धमकाना: अगर आप तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देते हैं, तो स्कैमर्स ऐसे संदेशों के जरिये कानूनी कार्रवाई, खाता निलंबन या वित्तीय नुकसान की धमकी देते हैं।

भरोसे का फायदा उठाना: फिशिंग ईमेल आपके बैंक, क्रेडिट कार्ड कंपनी या ऑनलाइन सेवा प्रदाता कंपनी की ओर से भेजे जाने वाले ईमेल की तरह दिखते हैं। स्कैमर बैंक खाते में संदिग्ध गतिविधियों और अविश्वसनीय ऑफर का झांसा देकर शिकार बनाते हैं।

टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन: कई ऑनलाइन सेवा कंपनियां टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन सुविधा प्रदान करती हैं। इसमें पासवर्ड के अलावा आपके फोन पर किसी प्रमाणिक एप से जेनरेट किया गया कोड भेजा जाता है।

मजबूत पासवर्ड बनाएं: सभी ऑनलाइन अकाउंट के लिए एक ही पासवर्ड का इस्तेमाल न करें। अपरकेस-लोअरकेस अक्षरों, संख्याओं और प्रतीकों (सिंबल) के संयोजन से मजबूत पासवर्ड बनाएं।

सार्वजनिक वाईफाई के इस्तेमाल से बचें: इसके इस्तेमाल से स्कैमर बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड व संवेदनशील जानकारियों में सेंध लगा सकते हैं। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का उपयोग करें। अपने मोबाइल फोन या अन्य डिवाइस के सॉफ्टवेयर और अन्य एप्लिकेशन को अपडेट करते रहें।

आज 3,499 रुपए सस्ती हुई चांदी

ये 88,950 रुपए प्रति किलोग्राम पर आई, सोना भी 951 रुपए सस्ता होकर 71,405 रुपए बिक रहा

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 3 जून को बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 951 रुपए सस्ता होकर 71,405 रुपए पर आ गया है।

वहीं चांदी की बात करें तो आज एक किलो चांदी 3,499 रुपए सस्ती होकर 88,950 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 2 जून को चांदी 92,449 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,260 रुपए है। मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,110 रुपए है। कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,110 रुपए है। चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,660 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,720 रुपए है। भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,160 रुपए है।

रेपो दर में कटौती नहीं करेगा आरबीआई

18 सूचीबद्ध कंपनियों ने बेची 1.17 लाख करोड़ की संपत्तियां

नई दिल्ली , 3 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी की योजना राहत की फुहार के साथ नई सरकार की नई दृष्टि पेश करने की है। उनकी तैयारी नई सरकार के पहले 100 दिनों में कई अहम घोषणाएं और बड़े निर्णय करने की है। इसके लिए चुनाव नतीजे आने से दो दिन पूर्व ही पीएम ने पहले सौ दिन के एजेंडे पर बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, पहले सौ दिन में सस्ते आवास और सबको छत देने की योजना के तहत होम लोन ब्याज पर बड़ी छूट की घोषणा हो सकती है। इसी दौरान, दस नए शहर बसाने की रूपरेखा बनाई जाएगी। इस अवधि में ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा पर भी मुहर लग सकती है। आयकर विभाग ने लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) लि. पर 4.68 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, विभाग ने पूर्ववर्ती एलएंडटी हाइड्रोकार्बन इंजीनियरिंग पर यह जुर्माना लगाया है। एलएंडटी हाइड्रोकार्बन इंजीनियरिंग का 2021 में कंपनी में विलय कर दिया गया था। कंपनी ने कहा, आयकर मूल्यांकन और आकलन वर्ष 2020-21 के लिए लौटाई गई आय पर जुर्माना लगा है। कंपनी इसके खिलाफ अपील दायर करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस पर अमेरिका के टेक्सास लोक लेखा नियंत्रक ने 3,142.02 डॉलर (करीब 2.60 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया है। दिग्गज घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, यह जुर्माना अप्रैल, 2024 की अवधि के लिए बिक्री कर का भुगतान नहीं करने पर लगाया गया है। महंगाई की चुनौतियों के बीच आरबीआई के आगामी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर में कटौती की संभावना नहीं है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, पिछली नीति के बाद से आर्थिक स्थितियां काफी हद तक अपरिवर्तित बनी हुई हैं। पीएमआई और जीएसटी संग्रह जैसे उच्च आवृत्ति संकेतक दिखाते हैं कि वृद्धि सही दिशा में है।

जोमैटो ने कहा भरी दोपहरी की 'लू' में आर्डर करने से बचें

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। इस समय पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी से तप रहा है। दिल्ली एनसीआर ही नहीं, देश के कई इलाकों में भयंकर 'लू' चल रही है। ऐसे में फूड डिलीवरी प्लेटफार्म जोमैटो ने ट्विटर या एक्स प्लेटफार्म पर एक पोस्ट किया कि भरी दोपहरी में आर्डर करने से बचें। कंपनी का आशय शायद अपने डिलीवरी पार्टनर को लू से बचाने का था। लेकिन ग्राहकों ने कहा कि अपनी सर्विस को सस्पेंड क्यों नहीं कर देते।

जोमैटो ने रविवार, दो जून को दोपहर 1.41 बजे एक ट्वीट किया। इसमें लिखा गया था कि जब तक बहुत जरूरी नहीं हो, कृपा कर भरी दोपहरी में आर्डर करने से बचें। माना जा रहा है कि कंपनी ने अपने ग्राहकों से यह अनुरोध इसलिए किया ताकि उनके डिलीवरी पार्टनर तपती दोपहरी में लू की चपेट में न आ जाएं।

जैसे ही जोमैटो ने यह ट्वीट किया, उस पर नेटीजेन ने तरह तरह से रिएक्ट करना शुरू कर दिया। शायद उन्हें जोमैटो का यह अनुरोध रास नहीं आया। कई यूजर्स ने कहा कि सही में यदि जोमैटो अपने डिलीवरी पार्टनर्स का केयर करता है तो वह भरी दोपहरी में अपनी सेवा सस्पेंड कर दे, बजाय कि ग्राहकों को लंच का आर्डर करने से रोकने के।

विभोर वार्ष्णेय नाम के एक यूजर लिखते हैं को कि गैरजरूरी होने पर बाहर से खाना कौन आर्डर करता है? मुझे लगता है कोई नहीं। लोग तभी बाहर से खाना मंगाते हैं, जब उन्हें जरूरत होती है, इमर्जेंसी होती है, वह घर में खाना नहीं बना सकते हैं। उन्होंने तो एक आइडिया भी दे दिया है कि आप अपने डिलीवरी पार्टनर को इस तरह का एक रूफ उपलब्ध करा दें। महज 800 रुपये में आता है। उन्होंने इस तरह का एक फोटो भी पोस्ट किया है।

परीक्षित शाह नाम के एक यूजर ने पूछा हे, क्या यह सही है? मैं आपके विचारों की सराहना करता हूं। लेकिन लंच टाइम का आर्डर डिनर टाइम तक के लिए टालना संभव नहीं है। चाहे तो जोमैटो बहुत ही जरूरी आर्डर को आइडेंटिफाइ कर सकता है। यथार्थ नाम के एक यूजर ने तो लिखा है, तो मैं आपका ऐप ही डिलीट कर रहा हूं। यह मेरे लिए महत्वहीन हो गया है।

जोमैटो के शेयर टूट गए

शेयर बाजार में आज भारी तेजी है। सुबह बीएसई का सेंसेक्स 2600 अंकों से भी ऊपर खुला। लेकिन जोमैटो का शेयरआज टूट गया। पिछले शुक्रवार को इस कंपनी का शेयर 178.90 रुपये पर बंद हुआ था। आज सुबह यह 184.10 रुपये पर खुला और ऊंचे में 185.35 रुपये तक गया। लेकिन यह तेजी जारी नहीं रह सकी।

ईडी ऑफिस में आईएएस मनीष रंजन से पूछताछ

टेंडर कमीशन घोटाला मामले में दूसरी बार सवाल-जवाब, 28 मई को 9 घंटे हुई थी पूछताछ

रांची, 3 जून (एजेंसियां)। झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर कमीशन घोटाला मामले में विभाग के सेक्रेटरी रह चुके आईएएस मनीष रंजन से ईडी ऑफिस में पूछताछ जारी है। वो सुबह करीब सवा 11 बजे ऑफिस पहुंचे। टेंडर कमीशन घोटाला मामले में उनसे आज दूसरी बार पूछताछ हो रही है।

इससे पहले उनसे 28 मई को सवाल-जवाब हो चुके हैं। पहली बार उन्हें 24 मई को पूछताछ के लिए हाजिर होने का निर्देश दिया था, लेकिन वे हाजिर नहीं हुए। उन्होंने 3 हफ्ते का वक्त देने की मांग की थी।

पिछली पूछताछ में मनीष रंजन ने कई सवालों पर चुप्पी भी साध रखी। वहीं मंत्री आलमगीर आलम से जुड़े सवालों में उलझ गए थे।

28 मई को नौ घंटे तक हुए थे सवाल-जवाब

दूसरी बार जारी समन के बाद आईएएस मनीष रंजन ईडी कार्यालय पहुंचे। वे करीब पौने 12 बजे ईडी ऑफिस पहुंचे थे। इस दिन मनीष रंजन से ईडी ने नौ घंटे के करीब पूछताछ की थी। इस नौ घंटे की पूछताछ के दौरान वे ईडी के कई ऐसे सवालों पर उलझे, जो उनके और मंत्री आलमगीर आलम के रिश्ते से जुड़े हुए थे। इस दौरान मनीष रंजन ने कई सवालों पर चुप्पी भी साध रखी। मनीष रंजन से पहले अकेले में और फिर आलमगीर आलम के साथ बिठाकर सवाल-जवाब किए गए थे। इस पूछताछ के दौरान मनीष रंजन ने खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने खुद को ईमानदार अधिकारी बताया। पिछली पूछताछ के दौरान कहा कि वे विभाग के किसी भी आरोपी अधिकारियों को नहीं छोड़ते हैं, लेकिन जब आलमगीर आलम के साथ उनके संबंध को लेकर सवाल किया गया तो वे उलझ गए। इतना ही नहीं गिरफ्तार चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम से मिली सूचना के आधार पर जब सवाल किए गए तब भी उन्होंने चुप्पी साध ली। आलमगीर आलम की

पहले छह दिनों की रिमांड पूरी होने के बाद जब उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, तब उसी दौरान ईडी ने एक डायरी भी कोर्ट के सामने रखी। इसमें कई तरह के कोड वर्ड लिखे हुए थे। जिसमें लिखे कई कोड वर्ड में से एक शब्द 'एम' भी लिखा हुआ था। इसी शब्द के आधार पर ग्रामीण विकास विभाग में सचिव रह चुके आईएएस अधिकारी मनीष रंजन को ईडी ने समन भेजा है। उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया है।

क्या है टेंडर कमीशन घोटाला

दरअसल ईडी ने 6 मई को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर रेड मारी थी। इसमें 32 करोड़ 20 लाख रुपये कैश की बरामदगी हुई थी। पैसे की यह बरामदगी पीएस संजीव लाल के सहायक जहांगीर आलम के यहां से बरामद हुए।

जांच के दौरान ईडी ने इस बात का खुलासा किया कि यह पैसा ग्रामीण विकास विभाग में टेंडरों के बदले लिए गए कमीशन वाले हैं। इसे टेंडर कमीशन घोटाला नाम दिया गया। जांच के बाद ईडी ने मंत्री के पीएस संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को 6 मई की देर रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था। इन दोनों से 14 दिनों तक रिमांड पर पूछताछ की गई है। फिलहाल अभी जेल में हैं। टेंडर कमीशन घोटाला में विभागीय मंत्री आलमगीर आलम भी गिरफ्तार हो चुके हैं। 15 मई की शाम मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

रायपुर एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से ठगी

जांच में जुटी पुलिस

रायपुर, 3 जून (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में रायपुर के एम्स में बिना परीक्षा के नौकरी दिलाने का झांसा देकर 70 हजार रूपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उक्त मामला छाल थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार छाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव चंद्रशेखरपुर ऐडु निवासी महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सहेली ने उसे फोन करके बताया कि एम्स रायपुर में नर्सिंग का पद खाली है और वह अभिषेक जायसवाल नामक एक व्यक्ति को जानती है जिसका एक्स रायपुर हास्पीटल में अच्छी पकड़ है और वह भर्ती होनें में सहयोग करता है और फिर अभिषेक का मोबाईल नंबर देते हुए उससे बात करने की बात कही गई। पीड़ित महिला के द्वारा जब अभिषेक जायसवाल से संपर्क किया गया।

स्पोर्ट्स सेंटर और होटल में भीषण आग

अंबिकापुर में होल-सेल दुकान की पांचों मंजिल चपेट में आईं, ऊपर तक नहीं पहुंचा वाटर फोर्स

सरगुजा, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में आकाशवाणी चौक के पास चोपड़ापारा स्थित स्पोर्ट्स सेंटर और राधेकृष्णा होटल में सोमवार सुबह करीब 9 बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग से 3 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान का अनुमान है।

स्पोर्ट्स सेंटर और होटल की पांच मंजिलें आग की चपेट में आ गई हैं। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि बिजली के तार टूटने के कारण हुए शार्ट सर्किट से आग फैली।

जानकारी के मुताबिक, चोपड़ापारा में जैन मंदिर के पीछे संचालित संजय सिंह के स्पोर्ट्स सेंटर और राधेकृष्णा होटल में सोमवार सुबह करीब 9 बजे आग लगी। होटल और स्पोर्ट्स सेंटर के ठीक सामने से गुजरे बिजली के तार टूट गए। शॉर्ट सर्किट से आग फैली और स्पोर्ट्स सेंटर तक फैल गई। हादसे की सूचना पर फायर

ब्रिगेड की टीमें जब तक पहुंचीं, तब तक आग स्पोर्ट्स सेंटर से बगल में स्थित राधेकृष्णा होटल में भी फैल गई। आग से होटल में रखे फर्नीचर के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों में पानी का फोर्स नहीं होने के कारण आग पर काबू नहीं पाया जा सका। 11 बजे तक स्पोर्ट्स सेंटर, होटल की पांचवीं मंजिल और पिछले हस्से तक आग पहुंच गई।

फायर ब्रिगेड ने होटल और स्पोर्ट्स सेंटर के पिछले हिस्से में पहुंचने के लिए पीछे की दीवार तोड़कर पहुंच मार्ग बनाया। फायर ब्रिगेड की कई टीमें आग पर काबू पाने में जुटी हैं। आग के कारण उठ रहे धुएं के गुबार को कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता है। आसपास के इलाके धुएं से घिर गए हैं। होटल के बगल में ही मिल्टन की होलसेल की दुकान और आवासीय घर भी हैं। आग फैलने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क कर घरों से निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया गया है। फायर ब्रिगेड के वाहनों के पानी का प्रेशर दो मंजिलों तक ही पहुंच पा रहा है।

पति ने पत्नी को काट डाला

पहले दोनों पैर अलग किए, फिर सिर पर कुल्हाड़ी धंसा दी, बीवी पर था अफेयर का शक

मनेंद्रगढ़, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-भरतपुर-सोनहत जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के दोनों पैर काट दिए, फिर सिर पर कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि कुल्हाड़ी महिला के सिर पर ही धंसी हुई थी। रविवार देर रात 2 बजे वारदात को अंजाम दिया गया। घटना केल्हारी थाना क्षेत्र के ग्राम सोकोबरा की है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। विवाद के बाद पत्नी घर से बाहर आंगन में निकली। गुस्से में पति भी कुल्हाड़ी लेकर पीछे-पीछे आया और पत्नी को काट डाला।

ग्राम सोकोबरा निवासी महा सिंह उर्फ बंटी (23 वर्ष) को शक था कि उसकी पत्नी चंद्रावती (22 वर्ष) का किसी से अफेयर चल रहा है। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। रविवार रात को भी दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था,। इस दौरान चंद्रावती गुस्से में घर से बाहर निकलकर आंगन में आ गई।

गुस्से में लाल महा सिंह भी उसके पीछे-पीछे आ गया। इसके बाद तैश में आकर उसने कुल्हाड़ी से पहले चंद्रावती के दोनों पैर काटे इसके बाद सिर पर जोरदार वार किया। जिससे कुल्हाड़ी सिर में धंस गई। पति-पत्नी के विवाद के बीच परिवार का कोई नहीं आया।

घटना की सूचना मृतका चंद्रावती के ससुर और आरोपी के पिता ब्रजभान सिंह ने केल्हारी थाने में दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मनेंद्रगढ़ एसडीओपी ए टोप्पो ने बताया कि शुरुआती जांच में हत्या की वजह चरित्र शंका ही सामने आ रही है।

फिलहाल पुलिस आरोपी महा सिंह की तलाश कर रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र बोले-बिलासपुर में बदली गईं 611 ईवीएम

मॉक पोल और 17-सी फॉर्म में अलग-अलग नंबर का आरोप, कलेक्टर ने कहा-समस्या वाली बात नहीं

बिलासपुर, 3 जून (एजेंसियां)। मतगणना के पहले बिलासपुर संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा कि, 611 ईवीएम बदलीं गईं हैं। मॉक पोल और 17 सी फार्म में इनके नंबर अलग अलग बताए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जीत-हार से अधिक बड़ा सवाल है कि बदली गई ईवीएम के नंबर में गड़बड़ियां क्यों की गई? मतगणना से पहले इसका स्पष्ट जवाब नहीं मिलता तो हम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। हालांकि कलेक्टर ने कहा कि उनकी आपत्ति पर पहले ही कई बैठक हुई हैं, कहीं कोई समस्या वाली बात नहीं है।

कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने निर्वाचन आयोग के अफसरों पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 611 ईवीएम में गड़बड़ियां भाजपा को मदद करने और चुनाव को प्रभावित करने के लिए की गईं। मतगणना के पहले उठाई गई आपत्तियों पर जिला निर्वाचन की

ओर से जवाब आना चाहिए था, जो अब तक नहीं मिली है।

देवेंद्र यादव का कहना है कि असमानता की जांच की मांग 28 मई को की गई थी। जिला निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए दस्तावेज और मतदान दलों के ओर से दिए गए दस्तावेजों में असमानता है। निर्वाचन आयोग के दस्तावेज जैसे सेकेंड रेंडमाइजेशन रिपोर्ट, कमीशनिंग, मॉक पोल और 2251 मतदान केंद्रों के मतदान दलों के ओर से मिले प्रारूप 17 सी (बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट) में कई आंकड़े अलग-अलग है।

दोनों दस्तावेजों के मिलान के बाद 98 बैलेट यूनिट के नंबर अलग-अलग पाए गए हैं। इसी तरह बाकी विधानसभा क्षेत्रों में मिली असमानता को मिला कर कुल 611 ईवीएम मशीनों के नंबरों में गड़बड़ी है। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि इस मामले में स्पष्टता नहीं आती है तो यह लोकतंत्र की हत्या होगी।

वहीं देवेंद्र यादव के आरोपों पर जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश कुमार शरण ने भी मीडिया को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी ने 28 तारीख को जो आपत्ति की थी, उसके लिए समय-समय पर बैठक बुलाई गई थी। कल भी एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें उनके लोग आए थे। कहीं कोई समस्या वाली बात नहीं है। मतदान के दूसरे दिन भी स्क्रूटनी होती है जो इलेक्शन कमीशन के ऑब्जर्वर की मौजूदगी में होती है। सभी प्रत्याशी, पोलिंग एजेंट होते हैं। 8 तारीख को स्क्रूटनी के समय उन्हें रेंडम दिखाया गया कि किसी मतदान केंद्र का पेपर चेक कराना है, तो करा सकते हैं?

इसके बाद सारा कुछ सील हो जाता है। कलेक्टर ने कहा कि एक बार जब सारा कुछ सील हो जाता है तो पेपर निकाल कर उसे देखना संभव नहीं है।

इंटरनेशनल स्पा सेंटर में पुलिस का छापा

स्थानीय लोगों की शिकायत पर कार्रवाई हिरासत में कई युवक-युवतियां, पूछताछ जारी

रांची, 3 जून (एजेंसियां)। राजधानी रांची के लालपुर क्षेत्र में पुलिस ने स्पा सेंटर पर कार्रवाई की है। यह कार्रवाई शनिवार के देर रात की है। लालपुर चौक स्थिति बैंबू इंटरनेशनल स्पा सेंटर में पुलिस ने बीती रात दबिश दी और कुछ युवक-युवतियों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक इस स्पा सेंटर से पुलिस ने कई आपत्तिजनक चीजें भी बरामद की है।

स्थानीय लोगों की शिकायत पर कार्रवाई

बैंबू इंटरनेशनल स्पा सेंटर लालपुर चौक स्थिति ली-डिजायर कांपलेक्स के चौथे फ्लोर में संचालित होता है। वैसे तो इसे वेलनेस सेंटर के रूप में प्रमोट किया गया है पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की शिकायत पर कार्रवाई की।

लोगों की शिकायत थी कि यहां आए दिन युवक-युवतियों की भीड़ लगी रहती है। लोगों की शिकायत है कि यहां जिस्मफरोसी का धंधा चलता है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आम लोगों से पुलिस को स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराने की शिकायत विभिन्न इलाकों से मिली। जिसके बाद पुलिस टीम बना कर जांच अभियान चलाया। इसी क्रम में लालपुर चौक के पास के स्पा सेंटर से कुछ युवक-युवतियों को हिरासत में लिया गया है। युवकों से लालपुर और युवतियों से महिला थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज नहीं किया है।

सीएम साय बोले-इलेक्ट्रिसिटी रेट में 20 पैसे की बढ़ोतरी मामूली

बालोद में कहा- 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ दे रहे, थोड़ा बढ़ाना स्वाभाविक

बालोद, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों की बढ़ोतरी पर सीएम विष्णुदेव साय ने मामूली बताया है। बालोद में उन्होंने कहा कि मात्र 20 पैसे प्रति यूनिट बिजली दर बढ़ा है, जो कि आज के समय में सामान्य है। अगर बिजली का दर नहीं बढ़ाया जाएगा, तो बिजली व्यवस्था दुरुस्त कैसे हो पाएगी।

वहीं इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, बिजली दर में 8 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश की जनता महंगाई से परेशान है और यह फैसला जनता को आर्थिक चोट पहुंचाना और जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

सीएम साय ने कहा कि हमें अधिक से अधिक लोगों तक बिजली पहुंचाना है और व्यवस्था भी दुरुस्त रखना है तो थोड़ा बहुत बढ़ाना स्वाभाविक है। 20 पैसे

बढ़ा रहे हैं, लेकिन 400 यूनिट तक बिजली हाफ भी दे रहे हैं। आज के समय में 20 पैसा बहुत ज्यादा नहीं है। दीपक बैज ने कहा कि, कांग्रेस की सरकार ने विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना शुरू की थी। इसका लाभ प्रदेश के 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था। 5 साल में प्रत्येक उपभोक्ताओं का 40 से 50 हजार रु तक की बचत हुई है। राज्य सरकार को बिजली की बढ़ी हुई दर वापस लेनी चाहिए।

भाजपा सरकार ने रजिस्ट्री में 30% छूट खत्म कर गरीबों के जमीन खरीदने के सपने को कुचला है। व्यापारियों को 50 हजार की समान बेचने पर ई-बिल की अनिवार्यता करके छोटे, मंझोले व्यापारियों को भी परेशान किया है। बिजली के दरों में की गई बढ़ोतरी का नुकसान हर वर्ग को होगा। इससे गृहस्थ जीवन में खर्च बढ़ेंगे।

हेमंत सोरेन पर ईडी के समन की अनदेखी का आरोप

रांची, 3 जून (एजेंसियां)। लैंड स्कैम मामले में जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर ईडी के समन की अनदेखी का आरोप है। ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को 11 भेजे थे। जिसमें से केवल दो समन पर ही हेमंत सोरेन उपस्थित हुए थे। इसे जांच एजेंसी ने समन की अवहेलना मानते हुए हेमंत सोरेन के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद संख्या 3952/2024 दाखिल की गई थी। आज इस मामले में सुनवाई के बाद केस को सीजेएम कोर्ट ने एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 15 जून को होगी। ईडी की ओर से दायर शिकायतवाद पर मार्च महीने में सीजेएम कोर्ट ने संज्ञान लिया था। संज्ञान के बाद कोर्ट ने हेमंत सोरेन को उपस्थित होने के लिए समन भेजा था। सीजेएम कोर्ट द्वारा मामले में संज्ञान लिए जाने के बाद भी हेमंत सोरेन की उपस्थिति चौथी बार सीजेएम कोर्ट में नहीं हुई थी। इस मामले को लेकर हेमंत सोरेन ने सीजेएम कोर्ट के समन आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट में अभी यह मामला लंबित है। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में 20 फरवरी को शिकायतवाद दर्ज किया गया था। जहां अपनी याचिका में ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर समन की अवहेलना करने का आरोप लगाते हुए अदालत से कार्रवाई करने की गुजारिश की थी। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद दाखिल की गई थी। जांच एजेंसी की ओर से बताया गया कि हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में 10 समन भेजे गए थे, जिसमें से मात्र दो समन पर ही हेमंत सोरेन ईडी के समक्ष उपस्थित हुए।

यह ईडी के समन की अवहेलना है। ईडी की ओर से भेजे गए समन के बाद 20 जनवरी को 8वें समन पर और 31 जनवरी को 10वें समन पर हेमंत सोरेन उपस्थित हुए थे।

बिलासपुर संभाग में हीटवेव से 10 लोगों की मौत

नौतपा के आखिरी दिन 2 लोगों ने तोड़ा दम, तापमान 6 डिग्री कम, राहत नहीं

बिलासपुर, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौतपा के आखिरी दिन भी भीषण गर्मी रही। इस दौरान हीटवेव से 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं संभाग में अब तक 10 लोगों की जान जा चुकी है। कई जगहों पर बारिश के चलते पिछले 3 दिन में जिले में तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है, फिर भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पाई। हालांकि, बारिश के बाद रात में नमी के चलते मौसम खुशनुमा रहा। वहीं नौतपा के आखिरी दिन सिम्स में भर्ती कराए गए लू के एक मरीज की मौत हो गई है। उसे गंभीर हालत में यहां भर्ती कराया गया था। इसी तरह से रेलवे स्टेशन में हीटवेव के चलते एक भिखारी की जान चली गई। इस तरह अब तक बिलासपुर में 6 लोगों की मौत हो चुकी है। सरगांव के शख्स की भी सिम्स में इलाज के दौरान जान चली गई। मंगला में एक एमपी के मजदूर की लू से जान चली गई। सीपत क्षेत्र के उच्चभट्ठी एक युवती

की मौत हुई है। वहीं बिल्हा क्षेत्र के परसदा के एक युवक की लू से मौत हो गई। लू से पीड़ित 15 से ज्यादा मरीजों को सिम्स में भर्ती कराया गया है, जिनका इलाज चल रहा है। भीषण गर्मी में लू लगने से उल्टी-दस्त समेत अन्य समस्याओं से मरीज संख्या बढ़ी है। ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। रविवार को शहर में भीषण गर्मी की वजह से सुबह से ही गर्मी से लोगों का हाल-बेहाल रहा। दोपहर में लू की लहर चल रही थी और गर्म हवाओं से लोग बाहर निकलने से कतराते रहे। नौतपा के पिछले आठ दिनों की अपेक्षा नौवें दिन तापमान में गिरावट दर्ज की है। रविवार को पारा 42.4 तक उतर गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह गर्मी का अंतिम चरण है। अगले कुछ दिनों में गर्मी का असर और कम हो जाएगा। नौतपा के बीच दो दिन पहले शुक्रवार को 64.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था, जबकि शनिवार को तापमान 44.8 रहा। नौतपा के आखिरी दिन रविवार को भी तीखी धूप और लू के थपेड़ों का अहसास हुआ। गर्मी इतनी ज्यादा थी कि सड़क पर दोपहर को सन्नाटा पसरा हुआ था।

नक्सलियों के आईईडी की चपेट में आया युवक

बीजापुर, 3 जून (एजेंसियां)। बीजापुर जिले में रविवार को कथित तौर पर नक्सलियों द्वारा किये गये 'आईईडी' विस्फोट में 22 वर्षीय एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नक्सलियों ने दाबयुक्त इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को पहले से ही लगा रखा था। एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ जब पीड़ित (छुटवाई गांव निवासी माडवी नंदा) अपने ट्रैक्टर से तरेंम की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि नंदा छुटवाई और गुंडम के बीच तोयनाला गांव के पास रुका जहां सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह पेशाब करने के लिए सड़क के किनारे गया तो उसका पैर एक 'प्रेशर आईईडी' पर पड़ गया जिससे विस्फोट हो गया और उसके पैर में गंभीर चोट आई। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों की एक टीम पीड़ित को चिन्नागेलुर शिविर लेकर आई, जहां उसका प्रारंभिक उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि बाद में उसे बीजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खरीदी के बाद 90.81 लाख रुपये का 4160 कुंतल धान कम मिला

केन्द्र प्रभारी के खिलाफ एफआईआर

कबीरधाम, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में धान खरीदी को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। खरीदी के बाद 90.81 लाख रुपए के 4160 क्विंटल धान कम मिले हैं। ऐसे में केन्द्र प्रभारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। इसके अलावा धान उठाव और भौतिक सत्यापन में गड़बडी पाए जाने पर 69 धान खरीदी केन्द्र को नोटिस जारी किए गए है। दरअसल, कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देश पर खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी में अनियमितता बरतने पर उपपंजीयक सहकारी सेवा संस्था ने पंडरिया ब्लॉक के ग्राम कोदवागोड़ान के धान उपार्जन केन्द्र प्रभारी चंद्रकुमार चंद्राकर के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की है। कोदवागोड़ान के धान उपार्जन केन्द्र में भौतिक सत्यापन करने पर 4 हजार 160 क्विंटल धान कम पाई गई, जिसकी लागत 90 लाख 81 हजार 829 रुपए आंकी गई। भौतिक सत्यापन के दौरान अनियमितता पाए जाने पर कोदवागोड़ान धान उपार्जन केन्द्र प्रभारी के खिलाफ कुकदूर थाना में एफआईआर दर्ज किया गया है।

आगे निलंबन, बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री महोबे ने खाद विभाग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और उप पंजीयक सहकारी सेवा संस्था की संयुक्त दल को जिले में संचालित सभी 108 धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए थे। संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण कर धान के उठाव, भौतिक सत्यापन व सुरक्षा का जांच किया गया। इसमें गड़बडी पाए जाने पर 69 धान खरीदी केन्द्र को नोटिस जारी किया गया है। जांच में कोदवागोड़ान धान उपार्जन केन्द्र में अब तक 10 हजार 562 एमटी धान की खरीदी की गई है। इसमें 10 हजार 97 एमटी धान का उठाव किया गया है।

प्रेमी संग घूम रही आदिवासी युवती से गैंगरेप

अर्धनग्न हालत में मिली, 7 लोगों ने की दरिंदगी, दो गिरफ्तार

पाकुड़, 3 जून (एजेंसियां)। पाकुड़ में एक आदिवासी युवती के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। जिस युवती के साथ गैंगरेप हुआ है वह मूल रूप से साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। शनिवार की शाम वो अपने प्रेमी के साथ घूमने निकली थी। इसी दौरान छह-सात युवकों ने वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि युवती अपने प्रेमी की बहन के घर आई हुई थी। वो प्रेमी के साथ काजू बगान में टहल रही थी, इसी दौरान 6 से 7 युवकों ने दोनों को पकड़ लिया। और युवती को प्रेमी से अलग कर उसे झाड़ी की तरफ ले गए, जहां आरोपियों ने उसके साथ गैंगरेप किया। गैंगरेप के बाद युवती को अर्धनग्न अवस्था में छोड़कर सभी आरोपी फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर हिरणपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है कि साथ बाकी के आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूरी घटना संथाल परगना के पाकुड़ जिले के हिरणपुर इलाके की है। दरअसल साहिबगंज की युवती का एक युवक से प्रेम संबंध था। वह युवती अपने प्रेमी के साथ उसकी दीदी के घर पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव आई हुई थी। दोनों शनिवार शाम करीब छह बजे काजू बागान की ओर टहल रहे थे। इसी दौरान 6-7 युवकों ने दोनों प्रेमी-प्रेमिका को पकड़ लिया। उन्होंने दोनों को गांव के प्रधान के पास ले जाने की बात कही। जिसका दोनों विरोध करने लगे। जब बात नहीं बनी तो युवकों ने दोनों को पकड़कर काजू बागान की झाड़ी की तरफ ले गए। इसके बाद युवती को युवक से अलग करते हुए उसके साथ रेप किया।

मैक्सिको को पहली बार मिल सकती है महिला राष्ट्रपति

ये नोबेल प्राइज जीतने वाली कमेटी की मेंबर रहीं, चुनावी हिंसा में 200 की जान गई

मैक्सिको, 3 जून (एजेंसियां)। मैक्सिको में 2 जून को हुए राष्ट्रपति चुनाव में पहली बार कोई महिला कैंडिडेट जीत सकती है। रविवार से ही मतों की गिनती शुरू होने के बाद शुरूआती रुझानों में सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी की क्लॉडिया शेनबॉम सबसे आगे चल रही हैं।

उन्हें 60% वोट मिल चुका है। वहीं दूसरे नंबर पर नेशनल एक्शन पार्टी की शोचिल गालवेज हैं। उन्हें अब तक 28% वोट मिले हैं।

कैसे उम्मीदवार बनी क्लॉडिया शेनबॉम

मैक्सिको के संविधान के नियम के मुताबिक, राष्ट्रपति ओब्राडोर को दोबारा से 6 साल का कार्यकाल नहीं मिल सकता। ऐसे में सत्ताधारी मोरेना पार्टी की तरफ से क्लॉडिया शेनबॉम को उम्मीदवार बनाया गया था। वह मैक्सिको सिटी की पूर्व मेयर रह चुकी हैं और लेफ्ट पॉलिटिक्स से काफी समय से जुड़ी हुई हैं। साल 2007 में मैक्सिको की इंटरगवर्नमेंटल कमेटी को नोबेल प्राइज मिला था। तब वह इसकी मेंबर थीं।

दिलचस्प बात ये है कि उनकी टक्कर एक अन्य महिला उम्मीदवार शोचिल गालवेज से है। वह दक्षिणपंथी नेशनल एक्शन पार्टी (पैन) से चुनाव लड़ रही हैं और राष्ट्रपति ओब्राडोर की नीतियों की कट्टर विरोधी हैं। वहीं, एक अन्य उम्मीदवार जॉर्ज अल्वारेज मिनेज हैं, जिनकी जीत के चांसेज कम बताए जा रहे हैं।

ये मैक्सिको के चुनावी इतिहास का सबसे हिंसक चुनाव भी कहा जा रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक करीब 200 लोग मारे जा चुके हैं। 50 से अधिक लोग सिर्फ गुरेरो प्रांत में मारे गए हैं। मैक्सिको में पिछला आम चुनाव 2018 में हुआ था। उस दौरान करीब 150 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

इजराइली नागरिकों की एंट्री पर बैन लगाएगा मालदीव

गाजा के समर्थन में मार्च भी निकालेगा, इजराइल की चेतावनी- मालदीव न जाएं उनके नागरिक

माले, 3 जून (एजेंसियां)। मालदीव की मुइज्जू सरकार ने इजराइल-गाजा युद्ध में फिलिस्तीन का समर्थन किया है। सरकार ने देश में पासपोर्ट के नियमों में बदलाव करते हुए इजराइली पासपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। फैसला लागू होने के बाद इजराइली नागरिक मालदीव में प्रवेश नहीं कर पाएंगे।

रविवार (2 जून) को मालदीव के गृह मंत्री अली इहुसन ने कहा कि इजराइली पासपोर्ट वालों के मालदीव में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानूनी संशोधन करने का फैसला किया गया है। कैबिनेट ने इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक विशेष समिति का भी गठन किया है। इस कमेटी में देश के सीनियर अफसर और नेता शामिल हैं।

वहीं, इजराइल ने अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी कर कहा हैकि वे मालदीव न जाएं। जो लोग वहां मौजूद हैं वो जल्द से जल्द वहां से निकल जाएं।

माले में 1 महीने से हो रहे इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन

इसके अलावा कैबिनेट ने फिलिस्तीनियों के लिए फंड जुटाने और फिलिस्तीन के समर्थन के लिए मुस्लिम देशों के साथ चर्चा करने का भी फैसला किया है। साथ ही 'मालदीव फिलिस्तीन के साथ' रैली भी आयोजित की जाएगी। गृह मंत्री अली इहुसन ने कहा- हमारा लक्ष्य फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाना है। दरअसल, मालदीव की राजधानी माले शहर में लगभग एक महीने से गाजा और अन्य कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजराइली हमलों के खिलाफ लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मालदीव के लोग इजराइली नागरिकों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की लंबे समय से मांग कर रही थी।

हर साल 15 हजार इजराइली टूरिस्ट मालदीव आते हैं

मालदीव में हर साल अलग-अलग देश से दस लाख से अधिक टूरिस्ट आते हैं, जिसमें से 15 हजार टूरिस्ट इजराइली नागरिक होते हैं। मालदीव की अर्थव्यवस्था भी टूरिज्म पर निर्भर करती है, इसके बावजूद मालदीव ने इजराइली नागरिकों की एंट्री पर बैन लगाया है।

साउथ अफ्रीका के कहने पर आईसीजे में उठा था मुद्दा

मालदीव से पहले साउथ अफ्रीका ने इजराइल-गाजा युद्ध को लेकर अहम फैसला लिया था। साउथ अफ्रीका ने इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) से इजराइल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की मांग की थी। आईसीजे ने गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसक कार्रवाइयों को रोकने के लिए एक अस्थायी आदेश भी जारी किया था।

8 महीने से चल रही जंग

7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमलों में हमास करीब 234 लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले गया था। दोनों पक्षों के बीच अब तक सिर्फ एक बार 24-30 नवंबर तक सीजफायर हुआ था। तब हमास और इजराइली सेना ने 7 दिनों के लिए हमले रोके थे। इस दौरान करीब 107 बंधकों को रिहा किया गया था।

मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान 'इंडिया आउट' कैंपेन चलाकर मुइज्जू ने पहले ही भारत में अपनी छवि खराब की थी। बाकी कसर उनके 3 मंत्रियों ने पूरी कर दी। दरअसल, पीएम मोदी 4 जनवरी को लक्षदीप के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने लक्षद्वीप की खूबसूरती की तारीफ की थी। साथी ही इस ट्रिप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था।

इस पर लोगों ने कमेंट कर कहा था कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं। इस बात से मालदीव के मंत्री और नेता भड़क गए। वहां की महिला मंत्री मरियम शिउना, डिप्टी मिनिस्टर्स अब्दुल्ला महजूम माजिद और माल्शा शरीफ ने पीएम मोदी के लक्षद्वीप दौरे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

इसके विरोध में सोशल मीडिया पर हैशटैग बाइकाट मालदीव्स ट्रेंड होने लगा था। मामले में कार्रवाई करते हुए मालदीव ने तीनों मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया। इसी बीच मुइज्जू चीन के दौरे पर चले गए। जबकि ज्यादातर ऐसा होता आया है कि राष्ट्रपति बनने के बाद मालदीव के नेता भारत के दौरे पर आते हैं।

फिर विवादों में ट्रंप

2016 में हिलेरी को 'जेल में डालो' लगाए थे नारे, मामला पलटा तो बोले- मैंने यह नहीं कहा

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आए दिन किसी न किसी विवाद में नाम सामने आ जाता है। अब उन पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने हिलेरी क्लिंटन को जेल में डालने की बात कही थी। हालांकि, ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, साल 2016 के चुनाव के दौरान ट्रंप ने बार-बार मांग की थी कि क्लिंटन को सलाखों के पीछे डाला जाए। फिलहाल, पूर्व राष्ट्रपति को न्यूयॉर्क के गुप्त धन मामले के सभी 34 आरोपों में दोषी पाया गया है। उन्हें जेल की सजा हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप के अभियान के दौरान 'उन्हें जेल में बंद करो' नारे लगाए गए। यहां तक कि उसके बाद के वर्षों तक उनकी रैलियों में यही रुख था। पूर्व राष्ट्रपति ने माना कि उन्होंने कई मौकों पर हिलेरी को जेल भेजने का आह्वान किया था। एक इंटरव्यू के दौरान 77 वर्षीय ट्रंप से उस कॉल के बारे में पूछा, जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री रहते हुए क्लिंटन द्वारा निजी ईमेल सर्वर के उपयोग का उल्लेख किया था। पत्रकार ने कहा कि आपने हिलेरी को जेल में बंद करने की बात कही। बाद में आपने राष्ट्रपति के रूप में ऐसा करने से इनकार कर दिया। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, 'मैंने उन्हें हरा दिया। जब आप जीतते हैं तो यह आसान होता है। वे हमेशा कहते थे उन्हें बंद कर दो और मुझे भी लगा और मैं ऐसा कर सकता था।

हालांकि मुझे लगा कि यह एक भयानक बात होगी और फिर यह मेरे साथ हुआ। इसलिए मैं इसके बारे में अलग तरह से सोच सकता हूं।' उन्होंने हिलेरी के खिलाफ बोले जाने के दावे नकार दिए। ट्रंप ने कहा, 'मैंने यह नहीं कहा कि उन्हें बंद कर दो, लेकिन लोगों ने कहा कि उन्हें जेल में डाल दो, उन्हें बंद कर दो। फिर, हम जीत गए। हां मैंने बहुत खुले तौर पर कहा है कि ठीक है, चलो, बस आराम करो, चलो चलते हैं, हमें अपने देश को महान बनाना है।'

एयर शो के दौरान दो प्लेन की टक्कर

एक पायलट की मौत, प्लेन सोवियत एरा में डिजाइन किया गया था

लिस्बन, 3 जून (एजेंसियां)। पुर्तगाली वायु सेना के रविवार को एक एयर शो के दौरान दो प्लेन की आपस की टक्कर हो गई, जिसमें एक पायलट की मौत हो गई और दूसरा घायल है। पुर्तगाली वायु सेना ने कहा कि बेजा एयर शो में 6 प्लेन शामिल थे। यह घटना स्थानीय समयानुसार 4:05 बजे घटी।

न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, जिस पायलट की मौत हुई वह स्पेन का रहने वाला था। वायु सेना ने बताया कि दूसरे पायलट को हल्की चोट आई है। पुर्तगाल के रक्षा मंत्री नूनो मेलो ने इस घटना पर दुख जताया और मामले की जांच के आदेश दिए है।

उन्होंने कहा कि एयर शो में छह प्लेन एक एरोबैटिक समूह था, जिसमें स्पेनिश और पुर्तगाली पायलट शामिल थे। इस एयर शो का नाम 'याक स्टार्स' रखा गया था, जो प्लेन क्रैश हुआ वह

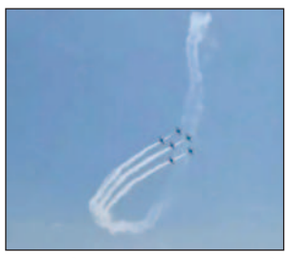

याकोवलेव याक-52 था, जिसे सोवियत संघ ने डिजाइन किया गया था।

पुर्तगाली राष्ट्रपति बोले- रोमांच दुख में बदला

पुर्तगाली राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने कहा कि पहले सब कुछ अच्छा था। लोग बड़ी संख्या में इस रोमांच को देखने पहुंचे थे। सब कुछ अच्छा तल रहा था। लेकिन, फिर यही रोमांच दुख में बदल गया। एयर शो को देखने आए लोग एकदम शांत हो गए।

वहां मौजूद लोगों के मुताबिक, पहले एक प्लेन तेजी से आगे बढ़ा फिर दूसरे प्लेन ने भी तेज स्पीड में उसको छूने की कोशिश की। इसके बाद दोनों बादलों में जाकर आपस में टकरा जाता है और आस-पास धुंआ छा गया।

'एक प्लेन एयरबेस के बाहर क्रैश'

वही, वायुसेना ने बताया कि एक प्लेन एयरबेस के बाहर क्रैश हो गया। दूसरा लैंडिंग करने में सफल रहा। याक स्टार्स के मुताबिक इस एयर शो में 30 यूरोपीय एरोबैटिक समूह शामिल थे। यह यूरोप का सबसे बड़ा एरोबैटिक्स लोगों का समूह है। वायुसेना ने अब बेजा हवाई अड्डे पर 8 जून को होने वाले एयर शो को कैंसिल कर दिया है।

साइफर मामले में इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने दी राहत

शाह महमूद कुरैशी भी दोषमुक्त करार

इस्लामाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को आज थोड़ी राहत मिली। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सिफर मामले में खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को बरी कर दिया है। वहीं, आज सुबह इस्लामाबाद की जिला और सत्र अदालत ने 'हकीकी आजादी' मार्च के दौरान तोड़फोड़ के दो मामलों में खान और कुरैशी सहित अन्य नेताओं को रिहा कर दिया। इस महीने की शुरुआत में, इस्लामाबाद के एक न्यायिक मजिस्ट्रेट ने भी खान को 2022 में उनकी पार्टी के दो लंबे मार्च के दौरान तोड़फोड़ के दो मामलों में बरी कर दिया था। दरअसल, पाकिस्तान के बहुचर्चित सिफर मामले (गुप्त राजनयिक केबल) में इमरान खान पर गंभीर आरोप लगे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप है कि अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान उन्होंने सिफर की सामग्री का दुरुपयोग किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डोनाल्ड लू और पाकिस्तानी दूत असद मजीद खान सहित अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच एक बैठक का विवरण था।

पूर्व हिंदू सांसद तुलसी-गैबार्ड की चाची की हत्या

पुलिस ने दोस्त को गिरफ्तार किया, बहस के बाद चाकू-हथौड़े से मार डाला था

वाशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की पूर्व हिंदू सांसद तुलसी गबार्ड की चाची कैरोलीन की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार को उन्हीं की एक दोस्त को गिरफ्तार किया है। 78 साल की कैरोलीन सिनावियाना-गैबर्ड की 25 को हत्या कर दी गई थी। उनकी बॉडी पर चाकू और हथौड़े से मारने के निशान मिले थे। पुलिस ने 8 दिन बाद कैरोलीन की दोस्त पापाली सिया फिगेल को गिरफ्तार किया। समोआ के पुलिस अधिकारी के मुताबिक हत्या से पहले कैरोलीन और पापाली के बीच तीखी बहस हुई थी। हालांकि, अब तक यह नहीं पता है कि बहस किस वजह से हुई थी। जानकारों के मुताबिक, दोनों काफी अच्छी दोस्त थीं। इसके अलावा गैबर्ड फिगेल की टीचर भी थीं। सिनावियाना-गैबर्ड के परिवार वालों ने बताया कि वह समोआ की पहली महिला थी, जो अमेरिका में प्रोफेसर बनी थीं। वह

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई में पढ़ाती थीं। इसके अलावा वह एक राइटर और एन्वायर्नमेंट एक्टिविस्ट थीं। सिनावियाना-गैबर्ड के भाई माइक गैबर्ड ने बताया कि वह बचपन से ही अपनी बहन के करीब थे और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करते थे। माइक गैबर्ड ने बताया कि सिनावियाना-गैबर्ड ने उनकी कैलिफोर्निया के सोनोमा स्टेट यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने में मदद की थी, जिससे वापस आकर उन्होंने समोआ में बच्चों को इंग्लिश पढ़ाई।

कौन हैं पूर्व हिंदू सांसद तुलसी गबार्ड?

पूर्व अमेरिकी हिंदू सांसद तुलसी गबार्ड तब चर्चा में आई थी जब 2019 में हाउडी मोदी प्रोग्राम के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया था। तब उन्होंने नरेन्द्र मोदी के वसुधैव कुटुम्बकम की तारीफ की थी। तुलसी गबार्ड का जन्म समोआ आइलैंड में हुआ था। उनकी मां हिन्दू थी, इसलिए उन्होंने ने भी बचपन से हिन्दू धर्म अपना लिया। 2002 में उन्होंने 21 साल की उम्र में हवाई से सांसद का चुनाव लड़ा और जीत गई। फिर 2013 में वह अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी की कमेटी की उपाध्यक्ष बन गई और 2020 में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प को सपोर्ट किया था।

नसरुल्ला पागल सा हो गया है, अंजू से बिछुड़कर

पाकिस्तानी प्रेमी का बुरा हाल, खाना-पीना छूटा, भारी डिप्रेशन में

इस्लामाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रहने वाले नसरुल्ला और भारत की रहने वाली अंजू की प्रेम कहानी बीते साल काफी चर्चा में रही थी। अंजू बीते साल एक महीने के वीजा पर वाघा बॉर्डर के रास्ते से पाकिस्तान चली गई थी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा पहुंचने के बाद वह नसरुल्ला से मिली और उससे शादी कर ली थी। अंजू ने नसरुल्ला से शादी करने के बाद अपना नाम फातिमा रख लिया था और पूरे पाकिस्तान का दौरा किया। इस दौरान अंजू और नसरुल्ला की साथ में तस्वीरें भारत और पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। एक महीने के वीजा को बढ़वाते हुए करीब पांच महीने तक अंजू पाकिस्तान में रहकर भारत लौटी थीं। अंजू के लौटने के बाद अब नसरुल्ला दिमागी तौर पर परेशान है, ये दावा पाकिस्तान के पत्रकार ने किया है।

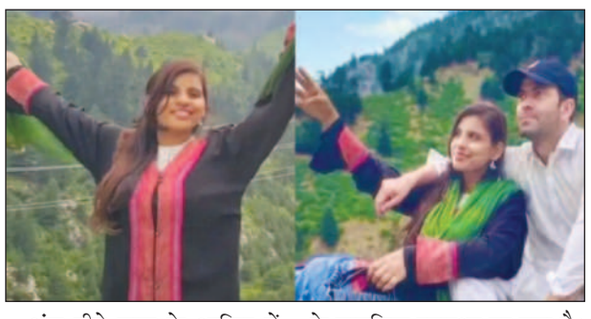

अंजू बीते साल के आखिर में पाकिस्तान से लौटी थीं तो उसने कहा था कि वह कुछ दिन रहने के बाद या तो पाकिस्तान लौटेगी या फिर दुबई में नसरुल्ला के साथ रहेगी। नसरुल्ला के भारत आने की बात भी उस समय कही गई लेकिन वक्त के साथ अंजू अपने बच्चों के साथ ही रम गई लगती हैं। फिलहाल उनका पाकिस्तान जाने या नसरुल्ला से मिलने का कोई इरादा नहीं दिखता है। इसका सीधा असर नसरुल्ला के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ा है। अंजू से जुदा होने के बाद नसरुल्ला काफी परेशान है। स्थानीय पत्रकार रिफतुल्ला ओरकजई ने अपने एक ट्वीट में कहा है कि भारतीय महिला अंजू से शादी करने वाला पाकिस्तान के दीर जिले का युवक नसरुल्लाह इन दिनों मानसिक तौर पर मुश्किलों का सामना कर रहा है, वह डिप्रेशन में है। रिफतुल्ला के मुताबिक नसरुल्ला ने कहा, 'मैंने शादी करके कोई पाप नहीं किया है कि दोनों देश हमें स्वीकार करने को भी तैयार नहीं हैं। अब मैं गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रहा हूं। कुछ समझ नहीं आ रहा, क्या करूं। पाकिस्तान से लौटने के बाद दो बच्चों की मां अंजू ने कहा था कि चार महीने से ज्यादा समय तक पाकिस्तान में रहकर लौटी अंजू ने बताया था कि वो पति के साथ एक खराब रिश्ते में थीं और 15 साल तक इस बात को मां और पिता से कहती रहीं लेकिन किसी ने नहीं सुनी।

इस बीच उनकी पाकिस्तान के रहने वाले नसरुल्ला से बात हुई और दोनों को प्यार हो गया। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान जाने का फैसला लिया। अंजू ने कुछ समय पहले कहा था कि नसरुल्ला के साथ ही जिंदगी गुजारना चाहती हैं। वो नसरुल्ला के साथ लगातार संपर्क में हैं और उनको भारत भी बुलाएंगी।

पाकिस्तान, मालदीव के बाद अब बांग्लादेश भी जा रहा चीन के करीब

ड्रैगन की चाल से भारत की बढ़ेगी टेंशन

ढाका, 3 जून (एजेंसियां)। भारत के लिए बांग्लादेश एक भरोसेमंद पड़ोसी मुल्क रहा है। साझा इतिहास और बांग्लादेश की आजादी में भारत की भूमिका भी दोनों मुल्कों को करीब लाती है। बांग्लादेश हमेशा से भारत को अपना अच्छा दोस्त कहता रहा है लेकिन इन दोनों दोस्तों में एक तीसरे की भी जोरदार एंट्री बीते कुछ साल में हो गई है। ये तीसरा देश चीन है, जिसने तेजी से बांग्लादेश में खुद को मजबूत किया है। चीन बांग्लादेश को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रहा है और उसकी कोशिशों का असर भी दिख रहा है। ये बांग्लादेश के साथ संबंधों के लिहाज से ही नहीं बल्कि क्षेत्र में प्रभाव के लिए भी नई दिल्ली के लिए चिंता की बात है। पाकिस्तान में तो चीन का प्रभाव जगजाहिर है ही, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे दूसरे पड़ोसी देशों में भी उसने हालिया सालों में खुद को तेजी से स्थापित किया है। बांग्लादेश की

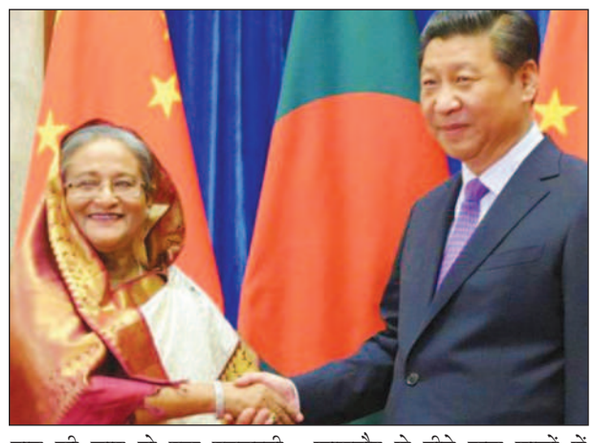

बात की जाए तो एक पनडुब्बी बेस, 5 अरब डॉलर की सहायता, भारत के सिलीगुड़ी गलियारे के करीब बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, हथियार और ढाका के साथ सैन्य अभ्यास कर चीन ने भारत को साफ संकेत दे दिया है कि वह क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने पर काम कर रहा है। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश खासतौर से बीते कुछ सालों में चीन की ओर चला गया है। इसमें सिलीगुड़ी कॉरिडोर की बात की जाए तो इसकी तैयारी चीन ने काफी पहले शुरू कर दी थी। उसने तत्कालीन बांग्लादेश के राष्ट्रपति जनरल इरशाद को 1987 में बीजिंग में यह बयान देने के लिए मजबूर किया कि वह समदुरोंग चू घटना की पृष्ठभूमि में भारतीय सेना को बांग्लादेशी क्षेत्र के माध्यम से उत्तर-पूर्व भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं देंगे। इसके बाद दिसंबर 2002 में चीन ने पूर्व प्रधान मंत्री खालिदा जिया के साथ एक रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए और बांग्लादेश को 5 बिलियन डॉलर से अधिक के हथियार बेचे। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बहुत करीब तीस्ता नदी में चीन 1 अरब डॉलर की ड्रेजिंग परियोजना के साथ बढ़ रहा है। ये नदी नेपाल और बांग्लादेश को अलग करती है और शेष भारत को इसके उत्तर-पूर्व से महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करता है। भारत के साथ 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद चीन ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर से जम्फेरी रिज तक सड़क बनाई है। चीन ने बांग्लादेश में अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजनाओं पर चार बिलियन डॉलर खर्च किए हैं, आने वाले वर्षों में उसकी कुल 50 बिलियन डॉलर से अधिक के निवेश की योजना है।

अमेरिका में लापता हुई एक और भारतीय छात्रा

इस साल अब तक सात भारतीयों की जा चुकी जान

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीयों छात्रों का गायब होना या उन पर हमला होना आम बात हो गई है। यहां लगातार भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। अब कैलिफोर्निया में 23 साल की एक भारतीय छात्रा लापता है। उसका पिछले हफ्ते से कुछ पता नहीं लगा है। पुलिस ने उसे ढूंढने के लिए लोगों की मदद मांगी है। पुलिस के अनुसार, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी सैन बर्नार्डिनो (सीएसयूएसबी) की छात्रा नितिशा कंडुला 28 मई से लापता हैं। सीएसयूएसबी के पुलिस प्रमुख

जॉन गुटेरेज ने रविवार को एक्स पर कहा कि उसे आखिरी बार लॉस एंजिलिस में देखा गया था और उसके लापता होने की खबर 30 मई को मिली थी। छात्रा की खोज के लिए पुलिस ने एक नंबर (909) 537-5165 भी जारी किया है। छात्रा की लंबाई पांच फुट छह इंच और वजन करीब 160 पाउंड और काली आंखें हैं। पुलिस के बयान के अनुसार, कंडुला शायद कैलिफोर्निया लाइसेंस वाली 2021 टोयोटा कोरोला चला रही थीं। हालांकि कार के रंग का पता नहीं चला है। छात्रा के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से सीएसयूएसबी पुलिस विभाग (909) 538-7777 पर या एलएपीडी के साउथवेस्ट डिवीजन (213) 485-2582 पर संपर्क करने का आग्रह किया जाता है।

सोने का हार लूटने के लिए छह साल की बच्ची का गला घोंटा

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिका से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक शख्स ने डकैती के दौरान एक छह साल की बच्ची का गला घोंट दिया था। अब पुलिस आरोपी शख्स की तलाश कर रही है। उसने संदिग्ध की तस्वीरें साझा की हैं। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने 29 मई को क्राउन हाइट्स में ईस्टर्न पार्कवे और राल्फ एवेन्यू के पास स्थित अपार्टमेंट में एक 14 साल की बच्ची और उसकी छोटी बहन से लूटपाट की। 14 साल की बच्ची ने बताया कि संदिग्ध ने स्कूल से घर तक उनका पीछा किया।

बाद में बिल्डिंग के मुख्य गेट से उनका पीछा किया और लॉबी में उन्हें घेर लिया। बच्ची ने बताया, 'मैं अपनी छह साल की बहन को स्कूल से घर ला रही थी। तभी एक शख्स पीछे आता हुआ दिखाई दिया। थोड़ी देर बाद शख्स ने मुझसे हार मांगा। जब हमने मना कर दिया, तो उसने मेरा गला दबा दिया और मेरी छोटी बहन नेजब यह देखा तो वह डर गई और चिल्लाने लगी। मेरे पास समय नहीं था। मैं कुछ नहीं कर सकी। मैंने केवल अपनी बहन को देखा और वह चिल्ला रही थी।'

जेलेंस्की बोले- चीन के दखल से जंग लंबी खिंचेगी

सिंगापुर, 3 जून (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार (2 जून) को कहा कि यूक्रेन-रूस जंग में चीन रूस का समर्थन कर रहा है। चीन के दखल से यह जंग लंबे समय तक चलेगी। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन के मुताबिक, जेलेंस्की ने यह बात सिंगापुर में आयोजित शांगरी ला डायलॉग में कही है। जेलेंस्की ने कहा कि चीन का यह कदम दुनिया के लिए गलत संकेत है। इससे चीन की नीतियां भी गलत साबित होती हैं। चीन कहता है कि वह हर देश की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। इसके बाद किसी देश को बर्बाद करने के लिए हथियार या समर्थन देना कोई अच्छी बात नहीं है। अमेरिका भी चीन पर यही आरोप लगा चुका है कि वह लगातार रूस को हथियार दे रहा है। इसके लिए कई बार चीन को चेतावनी दी गई है पर चीन ने इन आरोपों को खारिज किया है। उसने कहा है कि जंग में उसने किसी को भी हथियार नहीं दिए है और हथियारों के एक्सपोर्ट पर सख्त नियंत्रण रख रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन लगातार दावा करता रहा है कि वह शांति समर्थक है, जबकि वह लगातार रूस की आर्थिक मदद कर रहा है। फरवरी 2022 से शुरू हुई जंग के बाद चीन लगातार रूस से अपने संबंध मजबूत बनाने में लगा है। जेलेंस्की ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों से यूक्रेन के लिए 15-16 जून को स्विट्जरलैंड में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह भी किया। उन्होंने आरोप लगाया है कि रूस इसमें बाधा डालने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन को बाधित करने के लिए रूस कई देशों को दिए जाने वाले कृषि, खाद्य और रासायनिक उत्पादों पर बैन लगाने की धमकी दे रहा है। रूस कई देशों से कह रहा कि वे इस शिखर सम्मेलन में न जाए। जेलेंस्की ने कहा कि शिखर सम्मेलन में चीन के शामिल नहीं से पता चलता है चीन किसे चाहता है।

एग्जिट पोल के आसपास रहे नतीजे तो प्रदेश की राजनीति में आएगा भूचाल, क्या होगा असर

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के एक्जिट पोल ने राजस्थान की सियासी गलियारों में सनसनी पैदा कर दी है। यदि नतीजे इन्हीं के आसपास रहे तो बड़ा भूचाल आना तय है। एक तरफ बीजेपी के मंत्री किरोड़ीलाल मीणा बार-बार बयान दे रहे हैं कि बीजेपी हारी तो वे मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे, वहीं वे अब उन मुद्दों को लेकर भी लगातार सरकार को एक्शन लेने के लिए चिट्ठियां लिख रहे हैं, जो विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने उठाए थे।

इन सब बातों के बीच भाजपा में इस बात की चर्चाएं भी चल रही हैं कि यदि चुनाव के नतीजे एक्जिट पोल के आसपास भी रहते हैं तो किसी न किसी पर इसकी गाज गिरना तय है। देखना यह है कि पहले संगठन का नंबर आता है या

सरकार का।

सीटें आई तो डोटासरा का कद बढ़ेगा

इधर कांग्रेस में जीत का श्रेय लेने की होड़ मच रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि यहां जो चुनाव लड़े गए, वह पार्टी के स्तर पर कम और प्रत्याशी के स्तर पर ज्यादा लड़े गए। चुनावों से पहले ही कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर थी। प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा की अगुवाई में राजस्थान में कांग्रेस सीटें तो जीतती दिख रही है। हालांकि डोटासरा 12 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस 5 से 7 सीटें भी जीतने में कामयाब हो जाती है तो पार्टी में उनका कद बड़ा होना तय है।

इससे पहले सचिन पायलट की अध्यक्षता और प्रदेश में अशोक गहलोत सरकार के रहते हुए लोकसभा चुनाव लड़े गए थे, जिसमें कांग्रेस खाता नहीं खोल पाई थी अब यह स्थिति भी कांग्रेस में नए गुट खड़े करेगी, जिसका असर आने वाले निकाय और पंचायत चुनावों पर पड़ सकता है।

पार्टी में नेताओं का कद इस बात पर भी निर्भर करेगा कि कांग्रेस या गठबंधन से कौन नेता चुनाव जीतकर संसद पहुंचता है क्योंकि हर टिकट के पीछे एक गुट काम कर रहा था। कांग्रेस का कोई भी नेता सभी 25 सीटों पर प्रचार के लिए नहीं पहुंचा। बल्कि बड़े नेताओं ने खुद को अपने समर्थक प्रत्याशियों की सीट तक ही सीमित कर लिया था।

नतीजे होंगे सीएम का रिपोर्ट कार्ड

लोकसभा चुनावों में मंत्रियों की विधानसभा सीट पर कम वोटिंग बड़ा मुद्दा बना है। इसकी रिपोर्ट्स भी तैयार हुई है।

नए सीएम की अगुवाई में यह पहला चुनाव है और इसके नतीजे प्रदेश के नए सीएम भजनलाल के लिए रिपोर्ट कार्ड का काम भी करेंगे।

हालांकि बीजेपी ने राजस्थान के चुनाव खत्म होने के बाद उन्हें देशभर में प्रचार के लिए भेजा था लेकिन राजस्थान में क्या वे अपना करिश्मा दिखा पाते हैं,यह कल के नतीजे ही बताएंगे।

संगठन में भी बदलाव के संकेत

बीजेपी में संगठन में बदलाव पहले से ही अपेक्षित था लेकिन नतीजों में यदि सीटों की ज्यादा टूटन होती है तो संगठन में व्यापक स्तर पर बदलाव होने की संभावना है।

सबसे पहले किस लोकसभा सीट का आएगा रिजल्ट, सबसे आखिर का नाम चौंकाएगा

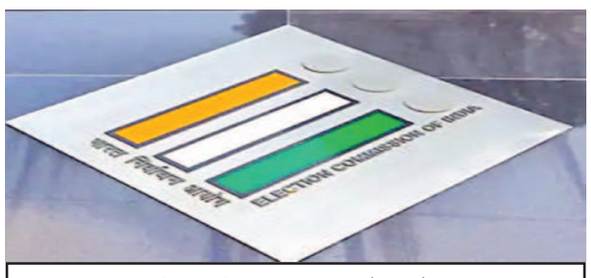

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। कल 4 जून 2024 है। सुबह से मतगणना शुरू होगी। जैसे-जैसे मतगणना बढ़ती रहेगी वैसे-वैसे जनता और नेता की बेसब्री और बढ़ जाएगी। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों का रिजल्ट क्या होगा। सबसे पहले राजस्थान की किस लोकसभा सीट का रिजल्ट आएगा। हर कोई इस सवाल को जानने के लिए उत्सुक है। सूबे में 25 लोकसभा सीटों पर मतगणना होगी। हर सीट पर अलग-अलग राउंड में मतगणना होगी। इसी आधार पर रिजल्ट घोषित किए जाएंगे। राजस्थान में सबसे पहले टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा का रिजल्ट आएगा। सबसे आखिर में राजसमंद का रिजल्ट आएगा। वैसे पूरे देश में 543 लोकसभा सीटों की मतगणना होगी। राजस्थान में भाजपा लगातार 2 चुनाव में 25 सीटों पर अपना परचम फहराएगी।

25 लोकसभा में कितने राउंड की होगी पोलिंग?

टोंक सवाई माधोपुर – 20
गंगानगर – 21
बीकानेर – 21
सीकर – 21
जयपुर – 21
अलवर – 21
भरतपुर – 21
अजमेर – 21
जयपुर ग्रामीण – 22
चूरू – 22
नागौर – 22
करौली धौलपुर- 23
पाली – 23
बाड़मेर – 23
उदयपुर – 23
चित्तौड़गढ़ – 23
भीलवाड़ा – 23
कोटा – 24
जोधपुर – 24
जालोर – 25
झालावाड़ बारा – 26
झुंझुनूं – 26
बांसवाड़ा – 27
राजसमंद – 28 ।

बेटियों के लिए गुड न्यूज, इन 35 जिलों में भजनलाल सरकार देगी सुविधा

श्री गंगानगर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में किशोरियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए अब राज्य सरकार ने 35 जिलों में उजाला क्लिनिक खोलने की हरी झंडी दे दी है। लोकसभा चुनाव आचार संहिता हटते ही इन उजाला क्लीनिक की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसमें जिला अस्पताल, उप स्वास्थ्य केंद्र, सीएचसी व पीएचसी स्तर पर संचालन हो सकेगा।

क्लिनिक खोलने की मंशा किशोरियों को पोषण स्तर में सुधार, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी, मानसिक सेहत, नशावृत्ति, गैर संक्रमण रोगों से बचाव, चोट और दुर्घटना से निपटने के गुर देना है। इसमें 10 से 19 साल के किशोरियों को समुदाय आधारित बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएगी। सीएमएचओ ने श्रीगंगानगर जिले में जिला मुख्यालय पर जिला चिकित्सालय, सूरतगढ़, करणपुर, पदमपुर, सादुलशहर और केसरीसिंहपुर का चयन किया गया है।

इन जिलों को किया शामिल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अनुसार उजाला क्लिनिक राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का विस्तार करते हुए राज्य के 35 जिलों के लिए स्वीकृति दी है। हर जिले में 6 क्लिनिक होंगे। इनमें एक जिला मुख्यालय और पांच सीएचसी पर खोली जानी है। निदेशालय ने इनकी सूची मांगी है। इस आधार पर श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के अलावा अजमेर, अलवर, अनूपगढ़, ब्यावर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, डीडवाना-कुचामन, डीग, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर प्रथम, जयपुर द्वितीय, झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर ग्रामीण, जोधपुर शहरी, केकड़ी, खैरथल तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, नागौर, नीम का थाना, पाली, फलौदी, प्रतापगढ़, सवाईमाधोपुर, शाहपुरा सीकर और टोंक जिलों में केन्द्र खोले जाने हैं।

बाल पत्रिकाएं रखेंगे

किशोरियों से संबंधित मैगजीन, चार्ट, गेम व अन्य सामग्री, किताब उजाला कक्ष में रखनी होगी। किशोरियों से जुडी मैगजीन जैसे चंपक, चाचा चौधरी, नंदन, बालहंस आदि के माध्यम से अध्ययन के लिए फोकस किया जाएगा। सरकार का मानना है कि ऐसे क्लिनिक में किशोरियों को बौद्धिक रूप से सशक्त करना है।

चयन कर सूचना भिजवाई

उजाला क्लिनिक खोलने के लिए नामों की सूची आरसीएच को भेज दी है। जो भी कार्ययोजना मिलेगी, उसकी पालना करेंगे। इसमें मुख्य रूप से जहां अधिक रोगियों या लोगों की आवाजाही अधिक हो और संसाधन पर्याप्त हो, ऐसी जगहों को चयन किया गया है।

नाम व मोबाइल नंबर लिखने होंगे

जहां एडोलेसेन्ट हेल्थ काउंसलर है, वहां उजाला केन्द्र का संचालन वहीं करेंगे। जरूरत पर एमओ, एएनएम, एलएचवी उपलब्ध रहेंगे। इनके नाम एव मोबाइल नंबर कक्ष के बाहर लिखना होंगे। किशोरियों के लिए पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए अलग से बजट दिया गया।

रोजाना सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक समय

उजाला केन्द्र का समय भी निर्धारित किया गया है। इसमें जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के उजाला केंद्र प्रतिदिन सुबह 9 से 4 बजे तक संचालित होगा। मेडिकल ऑफिसर दो बजे से चार बजे तक दो घंटे का समय उजाला केंद्र पर आने वाले किशोरियों को परामर्श देंगे। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर सप्ताह में एक बार दो घंटे मेडिकल ऑफिसर एवं एएनएम या एलएचवी की ओर से परामर्श दिया जाएगा। काउंसलर प्रति माह न्यूनतम एक बार एक पीएचसी उजाला क्लिनिक का संचालन करेंगे।

सीकर लोकसभा सीट पर कांटे की टक्कर, कौन मारेगा बाजी?

सीकर, 3 जून (एजेंसियां)। लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व में हार-जीत का फैसला चार जून को होना है। हर कोई जानना चाहता है कि उनके क्षेत्र में सांसद और देश में सरकार किसकी बनने जा रही है। इस बीच सीकर लोकसभा सीट की बात करें तो यह वो राजस्थान की वो सीट है जो कांटे की टक्कर वाली सीटों में से एक मानी जा रही है। सीकर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार सांसद रह चुके सुमेधानंद सरस्वती मैदान में है। उनके सामने सामने इंडिया गठबंधन ने यहां माकपा के दिग्गज नेता अमराराम को मैदान में उतारा है। शुरू में ये चुनाव भाजपा के पक्ष में लगा, लेकिन समय के साथ माकपा ने अपनी पकड़ मजबूत की और मुकाबला कांटे का माना जा रहा है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ अब यह नहीं कह पा रहे हैं कि यहां आखिरकार जीत किसकी होगी, वे चुनाव को खड़ा सिक्का कह रहे हैं जो 4 जून को किसी भी दिशा में पलट सकता है। सीकर में 32 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। 2019 के चुनाव के मुकाबले इस बार करीब चार प्रतिशत की गिरावट के साथ सीकर लोकसभा क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत 57.53 प्रतिशत रहा। इस बार दोनों ही दल (भाजपा व माकपा) खुद को जीतता हुआ बता रहे हैं।

भाजपा का कमजोर पक्ष पलट सकता है चनावी परिणाम

यदि दोनों पार्टियों के कमजोर पक्ष की बात करें तो भाजपा का कमजोर पक्ष एंटी इनकमबेंसी है। भाजपा प्रत्याशी सुमेधानंद सरस्वती लगातार तीसरी बार चुनावी मैदान में है। भाजपा के प्रबंधन में कमी भी उनका एक कमजोर पक्ष है। इसके अलावा चुनाव के समय जाट बोर्डिंग को लेकर सुमेधानंद सरस्वती ने जो बयान दिया उससे भी जाट समाज का एक वर्ग खासा नाराज है। भाजपा के मजबूत पक्ष को देखें, तो पीएम मोदी के नाम और उनकी योजनाएं फिर अयोध्या में राममंदिर और प्रदेश में भाजपा की सत्ता वापसी का फायदा सीकर संसदीय क्षेत्र में भाजपा को मिल सकता है।

इंडिया गठबंधन का कुछ ऐसा हाल

यदि हम इंडिया गठबंधन के माकपा प्रत्याशी अमराराम की बात करें तो सबसे कमजोर पक्ष माकपा को टिकट मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ता का जुड़ाव और उनकी सक्रियता में कमी रही है। पूरे चुनाव में देखा गया कि ज्यादातर कार्यकर्ता चुनावी मैदान से दूर रहे। वहीं कांग्रेस से सीधे मुकाबले में उतारने पर मतदान वाले दिन मुस्लिम मतदाता भी गफलत में रहे। मैनेजमेंट की कमी को भी माकपा की एक बड़ी कमजोरी माना जा सकता है। 1996 से लगातार चुनाव हारना भी अमराराम की छवि को कहीं न कहीं प्रभावित करने वाला रहा। माकपा के मजबूत पक्ष की बात करें तो अमराराम की किसानों के हक में आवाज उठाने वाले नेता की एक छवि रही है और कांग्रेस के हाथ मिलाने पर कांग्रेस की जो परंपरा है खासतौर पर जो एससी, मुस्लिम वोटर्स है उनके मिलने की संभावना के साथ कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं की सक्रियता ने अच्छा चुनावी माहौल बनाया। अग्निवीर योजना, कृषि कानूनों पर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने में माकपा प्रत्याशी अमराराम सफल दिखे। फिलहाल भाजपा और माकपा दोनों पार्टियों के जीत के अपने-अपने दावे हैं, लेकिन हकीकत क्या है इसके लिए हमें 4 जून मंगलवार की दोपहर तक का इंतजार करना पड़ेगा।

गोल्ड के बाद लाइम स्टोन भरेगा सरकार का खजाना

बजट में हो सकती है बड़ी घोषणा, 10 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

बांसवाड़ा, 3 जून (एजेंसियां)। बांसवाड़ा। बांसवाड़ा खनन क्षेत्र में एक और तमगा जुड़ने जा रहा है। गोल्ड के बाद अब 26 माह से लंबित लाइम स्टोन तीन ब्लॉक की नीलामी की भी तैयारी कर ली गई है। वर्ष 2022 की पहली तिमाही में खनिज विभाग ने यह प्रस्ताव भेजे थे, जिस पर सरकार ने अब नीलामी का निर्णय किया है। विभागीय सूत्रों की मानें तो जून के अंतिम सप्ताह या जुलाई में नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। संभव है कि बजट अनुदान में भी इसे लेकर बड़ी घोषणा हो सकती है। क्योंकि यहां इतना स्टॉक है कि सरकार को करीब 3500 करोड़ रुपए आय का अनुमान है।

गढ़ी क्षेत्र के 356 हैक्टेयर में यह नीलामी की जाएगी। यहां पर 17 हजार 500 करोड़ टन से अधिक लाइम स्टोन की मात्रा है। फिलहाल, सरकार का फोकस राजस्व और रोजगार के अवसर पर है। इन 3 ब्लॉक की नीलामी के बाद यहां पर 10 हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा। नीलामी का पूरा जिम्मा उदयपुर खनिज निदेशक को सौंपा गया है।

स्टील फैक्ट्री की भी संभावना

जिले में रहे पूर्व खनि अभियंता शांतिलाल अहारी ने बताया कि यहां पर लाइम स्टोन है। यदि इसमें से ए ग्रेड लाइम स्टोन निकल आए तो यहां स्टील फैक्ट्री खुल सकेगी। बड़ी स्टील फैक्ट्री खुलने के लिए 3 चीजें जरूरी है। पहला ए ग्रेड लाइम स्टोन, दूसरा जमीन, तीसरा पानी जो कि हमारे पास पहले से ही हैं। इससे बांसवाड़ा का विकास होगा और यहां का नक्शा ही बदल जाएगा।

लग सकता है थोड़ा समय

हमारे पास स्टाफ की कमी है। इसलिए डिमार्केशन का काम किया जा रहा है। इसमें थोड़ा समय लगता है। यदि स्टाफ मिल जाए तो जल्दी हो जाएगा। इसके बाद नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

नौतपे की विदाई के साथ ही बदला मौसम

बारिश की बूंदों ने दी गर्मी से राहत

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में नौतपा की विदाई के साथ ही राहत की बूंदें बरसने लगी हैं और तापमान में भी तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले सप्ताह तक जहां प्रदेश में अधिकतम तापमान 50 डिग्री को पार कर गया था, वहीं अब यह 40 से 45 डिग्री के बीच है।

प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर बारिश से मौसम ने करवट ली। बीते 24 घंटे में जयपुर, अलवर, सवाई माधोपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में हल्के और मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार मेघगर्जन के साथ आज बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर व जोधपुर संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों में अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री से नीचे चला जाएगा।

प्रदेश में कहीं भी हीट वेव नहीं

बीते एक पखवाड़े से हीट वेव्स ने राजस्थान को बुरी तरह झुलसाकर रख दिया था। हीट वेव के चलते प्रदेश में लगातार मौतें भी हो रही थीं। मौसम के अचानक करवट ले लेने से अब प्रदेश में हीट वेव का असर खत्म हो गया है।

दामोदर अग्रवाल ने लोकसभा चुनावों में सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया, कहा- कमल की जीत पक्की

भीलवाड़ा, 3 जून (एजेंसियां)। भीलवाड़ा से लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने शाहपुरा के विधायक लालाराम बैरवा तथा भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की मौजूदगी में शाहपुरा में भाजपा के तीनों मंडलों की संयुक्त बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ताओं द्वारा चुनाव में किए गए सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा से कमल की जीत पक्की है और हम यहां से जीत का नया रिकॉर्ड कायम करेंगे। देश में नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की हैट्रिक बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके सहयोग और मेहनत के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

शाहपुरा के विधायक लालाराम बैरवा ने बैठक में कहा कि कार्यकर्ताओं की बदौलत शाहपुरा से भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा समेत भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण ने भीलवाड़ा से भाजपा की जीत सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि हमें अपने कार्यकर्ताओं पर गर्व है जिन्होंने बिना थके और बिना रुके चुनाव में अपनी भूमिका निभाई।

बैठक में भाजपा के कार्यकर्ताओं का जोश और उत्साह देखने लायक था। सभी ने मिलकर इस जीत के लिए एक-दूसरे को बधाई दी और भविष्य में और भी ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प लिया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में सात दिन बाद भी नहीं हुई गिरफ्तारी, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

पुलिस अधीक्षक

दौसा, 3 जून (एजेंसियां)। दौसा में बैजूपाड़ा थाना इलाके में बीते दिनों हुए नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस पर आरोप लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। दौसा पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उन पर इनाम भी घोषित कर दिया है। साथ ही आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी भी कर रही है लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है। उधर नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले को लेकर ब्राह्मण समाज बांदीकुई ने श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ के बैनर तले मुख्यमंत्री के नाम बांदीकुई तहसीलदार धर्मेन्द्र मीणा को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा चतुर्वेदी ने बताया कि विगत 25 मई को उपखंड के बैजूपाड़ा में समाज की नाबालिग बच्ची के साथ कुछ नामजद आरोपियों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया था लेकिन मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी खुले में घूम रहे हैं और पीड़िता सहित उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़िता व उसके परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जाने और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किए जाने को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है और 7 दिनों के अंदर गिरफ्तारी करने का अल्टीमेटम दिया है।

बैंक और फाइनेंस कंपनी में चोरी के आरोप में तीन आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े, चोरी का माल बरामद

ब्यावर, 3 जून (एजेंसियां)। ब्यावर जिले में गत माह 10 मई को अजमेर रोड पर स्थित इंडसइंड बैंक तथा नामदेव फाइनेंस में हुई चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सिटी थाना पुलिस ने सफलता हासिल की है।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही से चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस पकड़े गए चोरों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी हुई है। पुलिस को शहर में हुई अन्य चोरियों का भी खुलासा होने की संभावना है।

सहायक पुलिस उपाधीक्षक राजेश कसाना ने प्रकरण का खुलासा करते हुए बताया कि गत 11 मई को इंडसइंड बैंक व नामदेव फाइनेंस कंपनी के प्रतिनिधियों ने सिटी थाने में एक लिखित शिकायत देकर बताया कि दस मई की रात्रि में तीन अज्ञात चोरों द्वारा इंडसइंड बैंक तथा नामदेव फाइनेंस कम्पनी में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बैंक और फाइनेंस में हुई चोरी की वारदात को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

ब्यावर में हो रही लगातार चोरियों को रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह चौधरी के मार्गदर्शन से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ के निर्देशन में अज्ञात चोरों को पकड़ने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। इस संबंध में अनुसंधान टीम ने घटना स्थल के आसपास के अलग अलग रूटों के करीब 100 सीसीटीवी कैमरे खंगाले और आसपास की जगहों पर गहनता के साथ तलाश की गई। मुखबिरों से मिली सूचना पर पुलिस ने तीन आरोपियों मनोहर, भगवान तथा मोहन को दस्तयाब कर कड़ाई से पूछताछ की जिस पर उन्होंने बैंक तथा फाइनेंस कंपनी में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही से चोरी का माल बरामद किया है। पुलिस को आरोपियों से शहर में हुई अन्य चोरियों का खुलासा होने की संभावना है, इसी को लेकर आरोपियों से कड़ी पूछताछ की जा रही है।

जालोर-सिरोही से वैभव गहलोत खोलेंगे जीत का खाता या लुंबाराम चौधरी बचा पाएंगे पार्टी की साख?

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के परिणामों का सभी देशवासियों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में लोकसभा प्रत्याशियों की किस्मत का ताला मंगलवार को खुलने जा रहा है। इसी कड़ी में जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत की टक्कर भाजपा के लुंबाराम चौधरी से है। दोनो ही प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत का दावा ठोक रहे है। अब देखना होगा कि चुनाव के नतीजे क्या रहने वाले है?

जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र से दोनों ही दलों के लिए यह चुनाव खास है क्योंकि भाजपा ने जहां पर चौधरी बाहुल्य को जिताने के लिए नए चेहरे के रूप में लुंबाराम चौधरी को मैदान में उतारा। वहीं कांग्रेस ने यहां माली और स्थानीय एससी-एसटी वोटर को रिझाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को टिकट दिया। विधानसभावार बात करें तो कांग्रेस सांचौर और रानीवाड़ा में भाजपा की तुलना में काफी मजबूत नजर आ रही है। जबकि भाजपा सिरोही जिले में स्थानीय प्रत्याशी होने के कारण मजबूत है। चुनावी इतिहास की बात करें तो पिछले तीन लोकसभा चुनावों में भाजपा यहां पर विजयी रही है। देवजी पटेल यहां से लगातार तीन बार सांसद रहे। जिसकी वजह से कांग्रेस को लंबे समय से जीत का इंतजार है। वैभव गहलोत ने पिछला लोकसभा चुनाव जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत के खिलाफ लड़ा था। जिसमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने धूल चटा दी थी। साल 2019 में गजेंद्र सिंह शेखावत को 788888 वोट प्राप्त किए थे। वहीं वैभव गहलोत को 514448 वोट मिले। जालोर लोकसभा सीट पर साल 2019 के आंकड़े की बात करें तो बीजेपी पार्टी के देवजी पटेल ने 7,72,383 वोटों से जीत हासिल की थी। उनके सामने कांग्रेस पार्टी के रतन देवासी रहे थे। जीत का अंतर 2,61,020 वोट का रहा था।

नलगोंडा में बंदरों के बाद पीने के पानी की टंकी में मिली सड़ी-गली लाश

24 मई से लापता था मृत व्यक्ती

नलगोंडा, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा नगर पालिका के हिंदुपुर इलाके में पीने के पानी की आपूर्ति करने वाली एक पानी की टंकी में सोमवार को एक सड़ी-गली लाश मिली है। नलगोंडा में ही एक महीने पहले पीने के पानी की टंकी में करीब 30 बंदरों के शव मिलने की घटना सामने आई थी। यह घटना, खास तौर पर तब हुई जब टंकी से 50 से अधिक घरों को पानी की आपूर्ति की जाती थी, स्थानीय लोगों में गुस्सा है और अधिकारियों की उदासीनता और सुस्ती को लेकर विभिन्न हलकों से तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

हालांकि, आधिकारिक मशीनरी ने इस बात से इनकार किया है कि 30 मई और 1 जून को जब पानी छोड़ा गया था, तब पानी की टंकी में शव था, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने तब टंकी को साफ किया था। हालांकि, पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, शव की पहचान हनुमान नगर निवासी अवुला वामसीकृष्ण के रूप में हुई है, जो 24 मई को लापता हो गया था।

सोमवार को पानी की टंकी की नियमित जांच के दौरान शव मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है, लेकिन स्थानीय लोग अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पिछले 10 दिनों से उन्हें इसी टैंक से पानी की आपूर्ति की जा रही है।

इस बीच, नलगोंडा नगरपालिका अधिकारियों ने कहा कि यह घटना तब सामने आई जब नगरपालिका एई और जल लाइनमैन सोमवार को पानी छोड़ने से पहले टंकी खोलने और सफाई की जांच करने गए थे। पानी की आखिरी बार जांच की गई थी और 30 मई और 1 जून को छोड़ा गया था और उन दिनों पानी में कोई शव नहीं मिला था। टैंक को नियमित रूप से 2-3 दिनों में साफ किया जाता है और

हर 3 दिनों में नियमित सफाई का कार्यक्रम होता है, उन्होंने दावा किया, उन्होंने कहा कि प्रारंभिक चिकित्सा जांच के दौरान, शव दो से तीन दिन पुराना पाया गया था। विस्तृत पोस्टमॉर्टम जारी है। शरीर पर कुछ चोट के निशान हैं, उन्होंने कहा।

इस बीच, अधिकारियों द्वारा यह दावा करने के बाद भी कि दूषित पानी किसी भी घर में आपूर्ति नहीं किया गया था पुलिस ने बताया कि व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर था और 24 मई से लापता था। उन्होंने बताया कि आत्महत्या और हत्या के कई पहलुओं की जांच की जा रही है।

अप्रैल में नलगोंडा के नंदीकोंडा नगरपालिका में एक पानी की टंकी में 30 बंदरों के शव मिले थे। बताया जाता है कि बंदर पानी पीने की कोशिश करते हुए टंकी में गिर गए और डूब गए। शव बरामद होने के बाद, निवासी चिंतित थे क्योंकि वे घटना से तीन दिन पहले तक टंकी से पानी पी रहे थे।

लापरवाही पर केटीआर ने की आलोचना

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्य सरकार की लापरवाही पर कड़ी आलोचना की और कहा कि पेयजल टैंकों का उचित रखरखाव न करके सरकार लोगों की जान खतरे में डाल रही है। उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन ने जन स्वास्थ्य को ताक पर रख दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने अपने तौर-तरीके नहीं बदले तो लोग उसे सत्ता से बाहर कर देंगे। मिशन भगीरथ के जरिए दशकों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान किया गया। लेकिन मौजूदा अकुशल सरकार पेयजल टंकियों का उचित रखरखाव भी सुनिश्चित नहीं कर सकती है, रामा राव ने एक्स पर पोस्ट किया।

आदिलाबाद में 'मानसून' के लिए परिचालन शुरू

आदिलाबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के रविवार को तेलंगाना में प्रवेश करने के साथ ही किसानों ने मानसून कृषि सत्र की तैयारी शुरू कर दी। किसानों ने मुख्य रूप से धान, कपास, सोयाबीन, लाल चना, हरा चना, मक्का आदि विभिन्न फसलों के बीज बोने के लिए खेतों की तैयारी शुरू कर दी है। वे ट्रैक्टर और बैलों द्वारा संचालित हल का उपयोग करके खेतों की जुताई कर रहे हैं। वे खेतों में उगे बेकार पौधों को हटा रहे हैं और धान की पराली जला रहे हैं। उन्होंने पहले ही फसल उगाने के लिए आवश्यक बीज, उर्वरक, कीटनाशक और अन्य इनपुट खरीद लिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आदिलाबाद जिले में खेती का क्षेत्रफल करीब 20 लाख एकड़ आंका गया है। उदाहरण के लिए मनचेरियल जिले में विभिन्न फसलों की खेती का अपेक्षित क्षेत्रफल इस मानसून सीजन में 3.35 लाख एकड़ है, जबकि 2023 में यह 3.42 लाख एकड़ होगा। कपास की फसल 1.62 लाख एकड़ में उगाई जाएगी, जबकि धान की फसल 1.61 लाख एकड़ में उगाई जाएगी।

इसी तरह निर्मल जिले में खेती का अनुमानित रकबा 4.33 लाख एकड़ है। कपास की फसल 1.68 लाख एकड़ में होगी, जबकि धान की खेती 1.35 लाख एकड़ में होगी। सोयाबीन की फसल 1.01 लाख एकड़ में उगाई जाएगी। मक्का और लाल चने की फसल क्रमशः 18,000 और 10,000 एकड़ में उगाई जाएगी। अन्य फसलें 1,000 एकड़ में उगाए जाने का अनुमान है।

इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में खेती का अनुमानित क्षेत्रफल 4.50 लाख एकड़ है। कपास जिले की प्रमुख फसल है। इसे 3.40 लाख एकड़ में उगाया जाएगा, इसके बाद धान की खेती होगी जो 59,212 एकड़ में होगी। लाल और सोयाबीन की फसलें 38,239 एकड़ और 6,089 एकड़ में उगाई जाएंगी। मिर्च की फसल 1,700 एकड़ में उगाई जाएगी।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज, यूरिया, डीएपी और कुछ जटिल उर्वरक पहले से ही उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए, 13,000 मीट्रिक टन यूरिया, 2,600 मीट्रिक टन डीएपी और 7000 मीट्रिक टन जटिल उर्वरक मंडल केंद्रों पर भेजे गए हैं।

खेती का अपेक्षित क्षेत्रफल (एकड़ में)

मंचेरियल- धान : 1,61,958, कपास : 1,62,094, लाल चना : 1,787, मक्का : 413, ज्वार : 480, हरा चना : 2,398, काले चने : 150, सोयाबीन : 0, अन्य : 1,680, कुल : 3,35,517

निर्मल- धान : 1,35,000, कपास : 1,68,000, लाल चना : 10,000, मक्का : 18,000, सोयाबीन : 1,01,000, अन्य : 1,000, कुल : 4,33,000

केबी आसिफाबाद- धान : 59,212, कपास : 3,40,000, लाल चना : 38,239, मक्का : 742, ज्वार : 680, हरी चना : 1700, काला चना : 163, मिर्च : 3173, सोयाबीन : 6089, मूंगफली : 178, अन्य : 20, कुल : 4,50,196

मुख्यमंत्री रेवंत ने कांग्रेस नेताओं को मतगणना के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेताओं को मंगलवार को होने वाली लोकसभा चुनावों की मतगणना के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यहां अपने आवास पर लोकसभा उम्मीदवारों, संसद प्रभारियों, मंत्रियों और एआईसीसी सचिवों और अन्य नेताओं के साथ जूम मीटिंग की। बैठक में एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने भी भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं को मतगणना के दौरान लापरवाही न बरतने का सुझाव दिया और कहा कि मतगणना प्रक्रिया पूरी होने तक सभी को सतर्क रहना चाहिए। डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने के बाद ईवीएम की गिनती की जाएगी। सभी को मतगणना प्रक्रिया याद रखनी चाहिए। इसके अलावा, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से केवल ईमानदार और प्रतिबद्ध व्यक्तियों को पार्टी एजेंट के रूप में भेजा जाना चाहिए। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि सभी वरिष्ठ नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थिति की निगरानी करनी चाहिए और मतगणना प्रक्रिया के दौरान किसी को भी लापरवाही नहीं दिखानी चाहिए। रेवंत रेड्डी ने पार्टी नेताओं को सुझाव दिया, प्रत्येक दौर की गिनती के बारे में सावधान रहें और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी के पास 17सी सूची हो। यदि ईवीएम के वोट और 17सी सूची के वोटों में अंतर है, तो तुरंत चुनाव अधिकारियों से शिकायत की जानी चाहिए।

झगड़े में युवक की मौत

खम्मम, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बोनाकल में शराब के नशे में हुए झगड़े में कुछ युवकों द्वारा पीटे गए आंध्र प्रदेश के एक युवक की सोमवार को मौत हो गई। आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले के वत्सवई मंडल के वेमुलनरवा निवासी यू नागेंद्र बाबू (25) शुक्रवार को स्थानीय शराब की दुकान पर शराब पीने के लिए बोनाकल आया था। नशे की हालत में उसने बीयर की बोतलें तोड़कर शराब की दुकान पर शराब पी रहे दो युवकों बी उपेंद्र और एम पश्शाराम पर फेंकी। गुस्से में युवकों ने नागेंद्र बाबू की बुरी तरह पिटाई की, जो शनिवार को बोनाकल के बाहरी इलाके में बेहोशी की हालत में मिला और उसे खम्मम के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

साहित्य सेवा समिति की मासिक गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। साहित्य सेवा समिति की 112 वीं मासिक गोष्ठी ऑनलाइन संपन्न हुई। प्रथम सत्र में विषय 'चुनाव और लोकतंत्र' पर चर्चा हुई। जिसकी प्रमुख प्रवक्ता डॉ सुषमा देवी रहीं। चर्चा के साथ विषय वस्तु को प्राचीन काल से आज तक जोड़ते हुए चुनाव और लोकतंत्र का सम्बंध सही समीक्षात्मक संदर्भों में प्रस्तुत किया। इसमें सुनीता लुल्ला, चंद्र प्रकाश दायमा, रचना चतुर्वेदी ने चुनाव और लोकतंत्र पर अपने संक्षिप्त विचार रखें।

द्वितीय सत्र में उपस्थित कविगण ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया। जिनमें मधु दायमा, मंजू भारद्वाज, रचना चतुर्वेदी, चंद्र प्रकाश दायमा, उमेश यादव, डॉ सुषमा देवी, और सुनीता लुल्ला थी।

युवक ने की मोबाइल फोन छीनने की कोशिश नाकाम

हैदराबाद, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। रविवार दोपहर वेंगल राव नगर में एक छात्रावास के पास एक साहसी युवक ने मोबाइल फोन चोरी की कोशिश नाकाम कर दी। जोशुआ नाम के युवक के पास बलबीर सिंह और राम सिंह नामक दो व्यक्ति आए और उन्होंने कथित तौर पर कॉल करने के लिए उसका मोबाइल फोन मांगा।

जब जोशुआ ने उन्हें अपना फोन दिया, तो उन्होंने कथित तौर पर उसे लेकर भागने की कोशिश की। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि जोशुआ उस दोपहिया वाहन की चाबियाँ छीनने में कामयाब रहा, जिसमें बलबीर और राम सिंह ने घटनास्थल से भागने की योजना बनाई थी।

हालांकि, युवक ने हिम्मत से वाहन की चाबियाँ पकड़ी और साथ ही मदद के लिए आवाज़ लगाई और उन्हें भागने से रोका। हमला किए जाने, पीटे जाने और चाकू से डराए जाने के बावजूद, जोशुआ बहादुरी से डटे रहने और मदद के लिए चिल्लाने में कामयाब रहा। पास के छात्रावास के छात्रों ने झगड़े को देखा और उसे बचाने के लिए दौड़े। उन्होंने हमलावरों को पकड़ लिया और पुलिस को बुलाया। सूचना मिलने पर, मधुरा नगर पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों को हिरासत में ले लिया।

मंचेरियाल में वन बीट अधिकारी और चौकीदार पर हमला

मंचेरियाल, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात जन्नाराम मंडल के थापलापुर गांव में एक चेक पोस्ट पर कथित तौर पर नशे की हालत में कुछ युवकों द्वारा हमला किए जाने के बाद एक वन बीट अधिकारी (एफबीओ) और चौकीदार घायल हो गए। हमले के पीछे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

जन्नाराम के सब-इंस्पेक्टर गुंडेती राजवर्धन ने बताया कि दम्मन्नापेट एफबीओ अलगाम साई कुमार और चौकीदार श्रीनिवास पर दांडेपल्ली के मेदारीपेट गांव के अडेपु श्रवण और थीगला उदय और कुछ अज्ञात लोगों ने रात करीब 11 बजे हमला कर दिया, जिससे वे सिर पर चोटिल हो गए। साई कुमार और श्रीनिवास को लक्सेटीपेट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने साई कुमार और श्रीनिवास को नहीं छोड़ा, जबकि उन्होंने कहा था कि वे वन अधिकारी हैं। एफबीओ से मिली शिकायत के आधार पर श्रवण, उदय और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

निजामाबाद लोकसभा सीट पर मतगणना की तैयारी पूरी

निजामाबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए मंगलवार को होने वाली मतगणना के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां कर ली हैं। मतगणना निजामाबाद शहर के सीएमसी कॉलेज में होगी। रिटर्निंग अधिकारी एवं कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने सोमवार को मतगणना के लिए दूसरी रेंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी की।

उन्होंने कहा कि रैंडमाइजेशन प्रक्रिया चुनाव आयोग के नियमों का पालन करते हुए पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संचालित की गई है। रैंडमाइजेशन के माध्यम से अंतिम सूची संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह तीसरे चरण की रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उस सूची के आधार पर निजामाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अरमूर, बोधन, बालकोंडा, निजामाबाद शहरी, निजामाबाद ग्रामीण, कोरूटला और जगतियाल विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती के लिए कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम की गिनती के लिए 448 कर्मियों और डाक मतपत्रों की गिनती के लिए 70 कर्मियों सहित 558 मतगणना कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है तथा निजामाबाद संसदीय क्षेत्र के सातों विधानसभा क्षेत्रों में डाले गए मतों की राउंडवार गिनती करने के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि 180 मतगणना पर्यवेक्षकों, 190 मतगणना सहायकों और 188 माइक्रो पर्यवेक्षकों की देखरेख में मतगणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि निजामाबाद शहरी और ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के लिए 20 टेबलों की व्यवस्था की जाएगी, जबकि अन्य 5 निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना के लिए 18 टेबल होंगी।

विकाराबाद में चार लोग बाल बाल बचे

हैदराबाद, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के बंटवारम मंडल में नागवारम गांव के पास एक उफनती नदी पर बने निचले पुल को पार करते समय चार लोग बाल-बाल बच गए। यह घटना रविवार को इलाके में भारी बारिश के कारण हुई। व्यक्तियों की त्वरित सोच और सतर्कता ने उन्हें खतरनाक स्थिति से सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की।

एसीबी ने ड्राफ्ट मामले में सरकारी अधिकारी को पकड़ा

हैदराबाद, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने मेडचल-मल्काजगिरी के एकीकृत कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला उद्योग केंद्र के सहायक निदेशक के. वेंकट नरसी रेड्डी को सोमवार को 45,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में पकड़ा।

वेंकट नरसी रेड्डी ने कुकटपल्ली के शिकायतकर्ता से टीएसपीआरआईडीई (तेलंगाना स्टेट प्रोग्राम फॉर रैपिड इनक्यूबेशन ऑफ दलित एंटरप्रेन्योर्स इंसेंटिव स्कीम) की योजना के तहत खरीदे गए टिपर वाहन का निरीक्षण करने और उपरोक्त योजना के तहत प्रोत्साहन की मंजूरी के लिए उच्च अधिकारियों को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए रिश्वत मांगी। दागी अधिकारी को न्यायिक हिरासत में रिमांड के लिए हैदराबाद में एसीबी मामलों की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया। मामले की जांच चल रही है।

पॉलीसेट 2024 का रिजल्ट घोषित

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एसबीटीईटी), तेलंगाना ने सोमवार को पॉलिटेक्निक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट पॉलीसेट 2024 के नतीजे जारी कर दिए हैं। पॉलिटेक्निक संस्थानों में इंजीनियरिंग, गैर-इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी में सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई थी।

शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम ने पॉलीसेट 2024 के नतीजे घोषित करते हुए कहा कि राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड (एसबीटीईटी) द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 82,809 छात्रों में से लगभग 84.20 प्रतिशत यानी 69,728 उम्मीदवार सफल हुए हैं।

पॉलीसेट 2024 प्रवेश परीक्षा तेलंगाना राज्य में पॉलिटेक्निक, संस्थानों में पेश किए जाने वाले इंजीनियरिंग, गैर-इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी के सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और प्रोफेसर जय शंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए जाने वाले कृषि, कृषि इंजीनियरिंग, बीज प्रौद्योगिकी और जैविक कृषि पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा, कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए जाने वाले डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए है।

इस पाठ्यक्रम के लिए कुल 92,808 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 82,809 प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। लगभग 84.20 प्रतिशत यानी 69,728 उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा पास करने में सफल रहे। कुल 46,319 लड़के प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 37,269 यानी 80.47 प्रतिशत ने प्रवेश परीक्षा पास की। इसी तरह, कुल 36,496 लड़कियां प्रवेश परीक्षा में शामिल हुई थीं, जिनमें से 32,459 यानी 88.94 प्रतिशत ने परीक्षा पास की, अधिकारियों ने सोमवार को बताया।

एमपीसी स्ट्रीम में, कुल 69,728 उम्मीदवार, जिनमें 37,269 लड़के और 32,459 लड़कियां शामिल हैं, यानी 84.20 प्रतिशत ने प्रवेश परीक्षा पास की है। एमबीआईपीसी स्ट्रीम में, कुल 68,301 छात्र, जिनमें 36,076 लड़के और 32,225 लड़कियां शामिल हैं, लगभग 82.48 प्रतिशत प्रवेश परीक्षा पास करने में सफल रहे हैं।

रामालया मंदिर मल्काजगिरी में सुंदर कांड प्रस्तुत करते हुए श्री वैष्णव सत्संग मण्डल सुल्तान बाजार के राधेश्याम दुर्गा राठी, गोपीकिशन, इंदिरा बंग, बद्रीप्रसाद, सुरेखा सारड़ा एवं उपस्थित भक्त।

राशन दुकान में धूल से भरे चावल वितरण

मदनूर, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल के हंडे केलूर गांव के एक राशन दुकान में धूल से भरे चावल वितरण किए गए। इस पर गुस्साए गांव के कुछ लोग यह चावल लेकर तहसील कार्यालय पहुंचे। इस समय तहसीलदार कार्यालय में नजर नहीं आने पर उन्होंने चाबल की पोटली दिखाई और अधिकारियों को इसका जिम्मेदार ठहराया।

हंडे केलूर के लोगों ने आरोप लगाया कि, बगल के मंडल में बीपीटी के बारीक चावल और हमे धूल से भरे चावल वितरण किया जा रहा है। इस शिकायत के बारे में आज तक किसी नेता या अधिकारी ने राशन दुकान का निरीक्षण नहीं किया।

चाकू हमले में दो लोग घायल

हैदराबाद, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अत्तापुर में किसी विवाद को लेकर अपने रिश्तेदार द्वारा चाकू से हमला किए जाने के बाद दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना तब हुई जब अब्दुल्ला नामक व्यक्ति ने अपने ससुर और साले पर अंधाधुंध हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय निवासियों ने अब्दुल्ला पर काबू पा लिया और घायल व्यक्तियों को तुरंत उपचार के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अत्तापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और संघर्ष के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

छोटे भाई की अंतिम यात्रा में बड़े भाई की मौत

कामारेड्डी, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। दिल दहला देने वाली घटना में कामारेड्डी जिले के एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, वह अपने छोटे भाई की मौत का गम बर्दाश्त नहीं कर सका। तड़वई मंडल के कृष्णजीवाड़ी गांव के 41 वर्षीय दसारी नरसिम्लू की 15 दिन पहले मस्कट में सड़क दुर्घटना में दुखद् मौत हो गई थी।

उनके बड़े भाई 45 वर्षीय पेड्डा नरसिम्लू को अपने भाई का शव ले जाते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। परिवार के सदस्यों ने दोनों भाइयों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार कर दिया। इस दोहरी त्रासदी ने परिवार और पूरे गांव को गहरे दुख में छोड़ दिया है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा टैली प्रशिक्षण शिविर

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के यूथ कैरियर काउन्सलिंग ट्रेनिंग जॉब कमेटी द्वारा 3 जून को चतुर्थ टैली ट्रेनिंग शिविर प्रारंभ हुआ। यह शिविर दिलसुख नगर में स्थित पी आर सॉफ्टवेर इंस्टिट्यूट के प्रांगण में एक माह तक चलेगा। पीआर सॉफ्टवेयर्स के सह निदेशक रोशन अग्रवाल द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया। समिति के चेयरमैन प्रेम अग्रवाल ने गत 3 शिविरों शिविर की उपलब्धिओं और विशेषताओं के संबंध में जानकारी दी। समिति के चेयरमैन प्रेम अग्रवाल ने बताया के इस शिविर कुल 20 प्रशीक्षार्थी है, और ट्रेनिंग ऑनलाइन हो या ऑफलाइन दोनों मैं करवा रहे है, इस शिविर में टैली के साथ साथ जीएसटी फाइलिंग, ई- वे बिल, ई-इनवॉयसिंग, टैली विथ एक्सेल का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ट्रेनर आशा शर्मा द्वारा सभी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया गया।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि शिविरों में महिलाओं की संख्या में गत शिविर की अपेक्षा वृद्धि तो हुई है पर और बढ़ौतरी की आवश्यकता है।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजित स्व.श्रीमती जमकुदेवी वरपा की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए रामलाल, ओमप्रकाश बर्फा, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सचिव सजनराज सोलंकी, सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्तकुमार देवड़ा, लिंगमपल्ली सीरवी समाज अध्यक्ष मनोज बर्फा, ओकाराम सोलंकी, हंसाराम, प्रकाश, पोकरराम सीरवी, मोटाराम बर्फा व अन्य।

बंदरों के पीछा करने से सीमेंट कंपनी के कर्मचारी की मौत

मंचेरियल, 3 जून(स्वतंत्र वार्ता)। बंदरों के पीछा करने से घायल हुए कर्मचारी के परिवार के सदस्यों ने सोमवार को कासिपेट मंडल के देवापुर गांव में ओरिएंट सीमेंट कंपनी (ओसीसी) के सामने मुआवजे की मांग को लेकर धरना दिया।

सीमेंट कंपनी की कार्यशाला में काम करने वाले मेकला राजेश (37) की रविवार को मंचेरियल शहर के एक निजी अस्पताल में तबीयत बिगड़ने के बाद करीमनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। कुछ दिन पहले कंपनी में ड्यूटी के दौरान बंदरों के पीछा करने के बाद बैरिकेड से टकराने और गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

उनके परिवार के सदस्यों ने 20 लाख रुपये के मुआवजे और उनके आश्रित को नौकरी की मांग को लेकर ओसीसी के सामने धरना दिया। जब सीमेंट निर्माता कंपनी के प्रबंधन ने 10 लाख रुपये का मुआवजा और उनके एक परिजन को नौकरी देने का आश्वासन दिया, तो उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

12 साल में टी-20 वर्ल्ड कप में पहला सुपरओवर

नामीबिया ने ओमान को हराया; विसे ने सुपरओवर में 13 रन बनाए, 1 विकेट लिया

बारबाडोस, 3 जून (एजेंसियां)। नामीबिया और ओमान के बीच खेले मुकाबले को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अब तक का सबसे रोमांचक मैच कहा जाए तो गलत नहीं होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें वो सब देखने को मिला, जो एक क्रिकेट फैंस देखना चाहता है. इस मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में नामीबिया और ओमान के बीच खेला मैच रोमांच से लबरेज रहा. छोटे स्कोर वाले इस मैच में वो सब देखने को मिला जो एक क्रिकेट फैंस देखना चाहता है. इसमें आखिरी ओवर का रोमांच था तो सुपर ओवर का चढ़ा बुखार भी. इस रोमांचक मैच को नामीबिया ने जीता, जिसके लिए सुपर ओवर में डेविड वीजा हीरो बनकर उभरे. उन्होंने पहले बल्ले से और फिर गेंद से अकेले ही मैच

के रुख को नामीबिया की ओर मोड़ दिया. नामीबिया ने सुपर ओवर में ओमान को 11 रन से हराया.

सुपर ओवर में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी की. डेविड वीजा और कप्तान एरासमस बल्लेबाजी के लिए उतरे. वीजा ने स्ट्राइक ली और बिलाल खान की पहली दो गेंदों पर ही 10 रन बटोर लिए. वीजा ने पहली गेंद को चौके के लिए मारा जबकि दूसरी गेंद पर लंबा छक्का लगाया. इसके बाद तीसरी गेंद पर वीजा ने 2 रन लिए जबकि चौथी गेंद पर सिंगल चुराकर स्ट्राइक अपने कप्तान एरासमस को दी. नामीबिया के कप्तान ने आखिरी दो गेंदों पर लगातार चौके जड़कर अपनी टीम के स्कोर को 21 रन तक पहुंचा दिया.

डेविड वीजा बने हीरो, सुपर ओवर में हारा ओमान

अब ओमान को सुपर ओवर में जीत के लिए 22 रन बनाने थे. लेकिन, उनकी गाड़ी 10 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. सुपर ओवर में गेंद से भी ओमान के लिए कहर वही डेविड वीजा बरपाते दिखे, जिन्होंने बल्ले से गदर मचाया था.

डेविड वीजा के इस ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नामीबिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रोमांचक जीत के साथ आगाज किया. नामीबिया की इस कामयाबी के हीरो रहे डेविड वीजा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

12 साल बाद हुआ ऐसा

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में साल 2012 के बाद ये दूसरी बार है जब मुकाबले का फैसला सुपर ओवर में हुआ है. 12 साल पहले यानी 2012 के T20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच पल्लेकेले में खेला मैच सुपर ओवर में गया था, जिसे कैरेबियाई टीम ने जीता था.

ऐसे पहुंचा सुपर ओवर में मैच

अब सवाल है कि नामीबिया और ओमान के बीच का मैच सुपर ओवर में पहुंचा कैसे? तो हुआ ये कि मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान ने 109 रन बनाए.

लेकिन, 110 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया को आखिरी ओवर में सिर्फ 5 रन जीत के लिए बनाने थे, मगर वो भी उससे नहीं बने. इस तरह 20 ओवर के बाद उसकी भी गाड़ी 109 रन पर थम गई, जिसके बाद मैच सुपर ओवर में चला गया.

अमित पंघाल और जैस्मिन ने हासिल किया ओलंपिक कोटा

अब तक भारत के छह मुक्केबाजों को पेरिस का टिकट

बैंकाक, 3 जून (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज मुक्केबाज अमित पंघाल पुरुषों में और जैस्मिन लैंबोरिया ने महिलाओं में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है। अमित ने दूसरे विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विपक्षी मुक्केबाज को 5-0 से हराया। इस जीत के साथ ही वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर गए। उन्होंने 51 किलोग्राम भारवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत के एकमात्र पुरुष रजत पदक विजेता पंघाल ने क्वार्टर फाइनल में लियू को 5-0 से हराकर दूसरी बार ओलंपिक खेलों की मेजबानी का टिकट हासिल किया। वहीं, जैस्मिन ने महिलाओं की 57 किलोग्राम भारवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल

किया। अब तक भारत ने मुक्केबाजी में छह ओलंपिक कोटा हासिल किए हैं। अमित और जैस्मिन से पहले निशांत देव (71 किग्रा), निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाया था।

अमित पंघाल के पास पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के लिए केवल एक मौका था, क्योंकि वह पहले की दो क्वालिफाइंग प्रतियोगिताओं में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया से हार गए थे, लेकिन इस बार 2018 एशियाई खेलों के चैंपियन ने अपने मौके का पूरा फायदा उठाया।

नयना को मिली बड़ी सफलता

ताइवान में लंबी कूद में स्वर्ण जीता, अनिमेष भी स्पेन में चमके

ताइपे, 3 जून (एजेंसियां)। लंबी कूद की भारत की शीर्ष खिलाड़ी नयना जेम्स ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 6.43 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। वर्ल्ड एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर की कांस्य स्तर की प्रतियोगिता में 28 वर्षीय नयना ने अपने तीसरे प्रयास में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह भारत के बाहर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

नयना का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6.67 मीटर है जो उन्होंने मार्च में इंडियन ओपन जंप्स प्रतियोगिता में स्वर्ण जीतने के दौरान किया था। उन्होंने पिछले महीने फेडरेशन कप में भी 6.53 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

इस बीच भारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने स्पेन में ट्रोफियो डि एटलेटिस्मो स्यूदाद डि सलामांका-मेमोरियल कार्लोस गिल पेरेज एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। 21 वर्षीय धावक ने 20.59 सेकेंड के समय से दौड़ जीती। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.62 सेकेंड था जो उन्होंने इस महीने की

शुरुआत में फेडरेशन कप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान हासिल किया था।

स्पेन के डेनियल रोड्रिग्ज सेरानो (20.85 सेकेंड) और माउरो ट्रियाना लोपेज (21.27 सेकेंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले अनिमेष ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.27 सेकेंड का अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय निकालकर चौथा स्थान हासिल किया था, जो पिछले साल मणिकांत होबलीधर द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड से मामूली अंतर से पीछे था।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस शिरसे ने सलामांका में ही 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.57 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। हाल ही में शिरसे ने फिनलैंड के जैवस्काइला में वर्ल्ड एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर (चैलेंजर स्तर) मीट के दौरान पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.41 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। फ्रांस में वर्ल्ड एथलेटिक्स श्रेणी डी प्रतियोगिता लिमोज नेशनल मीटिंग में राष्ट्रमंडल खेलों के त्रिकूद स्वर्ण पदक विजेता एल्धोज पॉल ने 16.24 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि जेसी संदेश ने ऊंची कूद के खिताब के लिए 2.18 मीटर का प्रयास किया।

हेल्मेट पर लगा करारा शॉट, बीच क्रीज पर गिर पड़ा बल्लेबाज

गेंदबाज ने दिखाया बड़ा दिल

खेल डेस्क, 3 जून (एजेंसियां)। क्रिकेट मैदान पर जब दो टीमें आमने-सामने होती है तो दोनों टीमें जीतने के लिए पूरा दमखम दिखाती है। वहीं गेंदबाज कुछ भी करके विपक्षी बल्लेबाज का विकेट लेने का कोशिश करता है। लेकिन सोशल मीडिया पर अब एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें एक गेंदबाज ने खेल भावना दिखाते हुए क्रीज पर गिरे चोटिल बल्लेबाज को रन आउट नहीं किया। इस वीडियो को क्रिकेट प्रेमी काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

टी20 ब्लास्ट 2024 लीग से सामने आया वीडियो

टी20 ब्लास्ट 2024 लीग में हैम्पशायर और केंट के बीच खेले गए मैच में दर्शकों को एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। इस

मैच का आखिरी ओवर क्रिस वुड कर रहे थे, जिनकी एक गेंद पर जॉय एविसन ने तेज तर्रार शॉट मारा। शॉट लगने के बाद नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े बल्लेबाज मैथ्यू पार्किंसन रन लेने के लिए दौड़ पड़े थे लेकिन गेंद उनको जा लगी। गेंद लगने के साथ ही मैथ्यू पार्किंसन आधी क्रीज में गिर गए।

ऐसे में क्रिस वुड उनको आसानी से रन आउट कर सकते थे लेकिन उन्होंने अपनी खेल भावना को दिखाते हुए मैथ्यू पार्किंसन को रन आउट नहीं किया। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। हर कोई क्रिस वुड की जमकर तारीफ कर रहा है। इस मैच में क्रिस वुड ने गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट हासिल किए थे।

हैम्पशायर ने जीता मैच

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केंट ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 165 रन बनाए थे। केंट की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए सैम बिलिंग ने 30 गेंदों पर 43 रनों की पारी खेली थी।

इसके बाद हैम्पशायर ने 166 रनों के लक्ष्य को 19.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। हैम्पशायर की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए जो वेदरली 32 गेंदों पर 49 रन बनाए थे। केंट की तरफ से गेंदबाजी करते हुए जॉय एविसन ने 4 ओवर में 31 रन बनाकर 3 विकेट हासिल किए थे।

कारुआना को हराने के बाद अलीरेजा से हारे प्रज्ञानंद, कार्लसन ने लिरेन को दी मात

पेरीस, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद का शानदार प्रदर्शन नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में हार के साथ रुक गया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना को पांचवें दौर में हराने वाले प्रज्ञानंद को क्लासिकल मैच में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन वह इसके बाद आर्मगेडन टाईब्रेकर में हार गए। दूसरी ओर, मैग्नस कार्लसन ने खराब फॉर्म में चल रहे डिंग लिरेन को हराकर 12 अंकों के साथ एकल बढ़त हासिल कर ली।

कार्लसन को एकल बढ़त

लिरेन को हराने के साथ ही कार्लसन ने छह दौर के बाद एकल बढ़त बना ली है। कारुआना ने हमवतन हिकारु नाकामुरा को हराकर छह खिलाड़ियों के बीच डबल राउंड रॉबिन आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में कार्लसन

को बढ़त हासिल करने में मदद पहुंचाई। अब जब चार दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं तब शीर्ष पर काबिज कार्लसन के बाद नाकामुरा का नंबर आता है जिनके 11 अंक हैं, जबकि प्रज्ञानंद 9.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। अलीरेजा आठ अंकों के साथ चौथे और कारुआना 6.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि चीन के डिंग लीरेन अब तक केवल 2.5 अंक ही बना पाए हैं।

वैशाली को भी मिली हार

महिलाओं के वर्ग में भी भारत के हाथ निराशा लगी। प्रज्ञानंद की बहन और महिला ग्रैंडमास्टर वैशाली को चीन की विश्व महिला चैंपियन वेनजुन जू से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में वेनजुन जू और अन्ना मुजिचुक ने वैशाली की जगह बढ़त हासिल कर ली है। वेनजुन जू और मुजिचुक दोनों के समान 10.5 अंक हैं, जबकि वैशाली उनसे आधा अंक पीछे है। मुजिचुक ने चीन की टिंगजी लेई को आर्मगेडन टाईब्रेकर में हराया। लेई सात अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वह भारत की एक अन्य खिलाड़ी कोनेरू हंपी से दो अंक आगे है। हंपी को आर्मगेडन में स्वीडन की पिया क्रैमलिंग के हाथों एक और हार का सामना करना पड़ा। क्रैमलिंग के 4.5 अंक हैं और वह तालिका में सबसे निचले स्थान पर है।

हर्षित पवार ने शीर्ष वरीय अभिमन्यु को हराया

51 खिलाड़ियों को पहले दौर में मिली सफलता

गांधीनगर, 3 जून (एजेंसियां)। विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के पहले दौर में भारत के हर्षित पवार ने शीर्ष वरीय और दुनिया के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा को हराया। हर्षित ने एक बार दबदबा बनाने के बाद अमेरिका के अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। पहले दौर में 51 खिलाड़ी जीत दर्ज करने में सफल रहे।

रूस के आर्तियोम स्ट्रीबुक को भी भारत के वीएस नंदीश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लड़कियों के वर्ग में शीर्ष वरीय दिव्या देशमुख ने अनुपम एम श्रीकुमार को हराकर शुरुआत की। दूसरी शीर्ष भारतीय रक्षिता रवि ने हमवतन एस शिवमशिखा को हराया।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने किया। इस प्रतियोगिता में 11 दौर होंगे जिसके बाद अंडर-20 वर्ग में दोनों वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का फैसला होगा। डी गुकेश और आर प्रज्ञानंदा जैसे शीर्ष जूनियर खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है क्योंकि वे एलीट शतरंज में हिस्सा ले रहे हैं।

बाबर आजम अभी से टेंशन में

भारत-पाक मैच से पहले बोले- घबराहट होती है

टी20 वर्ल्ड कप 2 जून से शुरू हो चुका है. पहले दिन मेजबान देश अमेरिका का मुकाबला कनाडा से हुआ. इस मैच में अमेरिका ने कनाडा को 7 विकेट से हरा दिया. अब इस टूर्नामेंट में सभी की नजरें भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर टिकी हुई हैं. 9 जून को नैसो काउंटी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मुकाबले का फैंस को बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस मैच को लेकर अभी से माहौल बनना शुरू हो गया है और कई सेलिब्रिटीज की पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है. इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम इस मुकाबले से पहले टेंशन में आ गए हैं. उन्होंने घबराहट होने की बात कही है.

क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से राइवलरी है. दोनों टीमें जब भी आमने-सामने होती हैं, फैंस को एक रोमांचक

मुकाबला देखने मिलता है. टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भी दोनों के बीच एक सांसें रोक देने वाला मैच हुआ था. इसलिए टूर्नामेंट में फैंस से लेकर पूर्व क्रिकेटर्स तक और खिलाड़ियों के बीच बस इसी की चर्चा है. इसलिए बाबर आजम घबराए हुए हैं. उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की पॉडकास्ट पर इस बात को स्वीकार भी किया है. बाबर ने भारत-पाक मैच को दुनिया में सबसे चर्चित मुकाबला बताया. उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी चले जाओ लोग इस मैच की ही बातें करते हैं. फैंस का फोकस इस मैच को लेकर सबसे ज्यादा रहता है. इसलिए मुकाबले से पहले घबराहट हो जाती है.

हालांकि, बाबर आजम ने घबराने की बात को माना लेकिन टीम इंडिया से मैच के दौरान इससे निपटने का भी प्लान बताया. उन्होंने कहा कि खेल के बेसिक को फॉलो करना एक खिलाड़ी के तौर पर इस मुकाबले के प्रेशर से निपटने का सबसे आसान तरीका होता है. बाबर ने बताया कि इस मैच को आसान बनाने के लिए वो शांत रहकर स्किल्स पर काम करते हैं और अपनी मेहनत पर भरोसा करते हैं.

टी20 वर्ल्ड कप में भारत की टीम हमेशा पाकिस्तान पर भारी पड़ी है. इस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों को ग्रुप ए में रखा गया है.

एफआईएच प्रो लीग: भारतीय पुरुष हॉकी टीम की प्रो लीग में करारी शिकस्त

ग्रेट ब्रिटेन ने 1-3 से हराया

लंदन, 3 जून (एजेंसियां)। एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण के अपने दूसरे मैच में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। मेजबान ने भारत को 1-3 से हराया। शनिवार को हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-0 से हराया था लेकिन भारतीय टीम अपनी जीत की लय बरकरार रखने में नाकाम रही।

ग्रेट ब्रिटेन के लिए बंडुराक निकोलस ने दो (दूसरे और 11वें मिनट में) गोल किए। मेजबान टीम के लिए कैलनन विल (47वें मिनट) ने भी एक गोल किया। वहीं, भारत के लिए सिर्फ एक गोल अभिषेक ने किया। उन्होंने 35वें मिनट में गोल किया। भारत को आठ पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में तब्दील नहीं कर सकी।

इस मैच में ग्रेट ब्रिटेन को भी पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले थे, लेकिन वह भी इनमें से किसी पर गोल नहीं कर पाई।

भारत एफआईएच तालिका में ग्रेट ब्रिटेन से एक स्थान आगे तीसरे स्थान पर है। अब भारतीय टीम अपने अगले मैच में आठ जून को जर्मनी से भिड़ेगी।

रोहन-वेरोनिका को लगा तगड़ा झटका

फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल के पहले दौर से बाहर

पेरीस, 3 जून (एजेंसियां)। रोहन बोपन्ना और वेरोनिका कुडरमेतोवा फ्रेंच ओपन 2024 में मिश्रित युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। जोड़ी एंड्रिया वावस्सोरी और ल्यूडमिला सैमसोनोवा से 2-6, 2-6 से हार गई। वावस्सोरी और सैमसोनोवा ने इस जोड़ी को 48 मिनट में हरा दिया। इससे पहले दिन में बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई थी। उन्होंने ब्राजील की मार्सेलो जोरमैन और ओरियांडो लूज की जोड़ी को दो घंटे और 7 मिनट में 7-5, 4-6, 6-4 से हराया, लेकिन बोपन्ना दिन का अंत अच्छे से नहीं कर पाए।

महिला एकल में ट्यूनीशिया की ओन्स जबूर ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने डेनमार्क की क्लारा टॉसन को कोर्ट सुजैन-लेंगलेन पर 6-4, 6-4 से हराया। 29 वर्षीय जाबेउर का अगला मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गौफ से होगा, जिन्होंने चौथे दौर में इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो को हराया था।

पहला सेट गंवाने के बाद सिनर ने की वापसी

चार साल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस, 3 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन के चैंपियन जानिक सिनर ने ग्रैंडस्लैम में इस साल अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिनर ने फ्रांस के गैर वरीयता प्राप्त कॉरेंटिन मौटेट के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 2-6, 6-3, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। सिनर 2020 के बाद पहली बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

मौटेट ने सिनर को चौंकाया

मौटेट ने शुरुआती सेट में सिनर को हराकर चौंका दिया था। मौटेट ने पहले सेट में सिनर को कोई मौका नहीं दिया और 6-2 से यह सेट अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद सिनर ने जबरदस्त तरीके से वापसी की और अगले तीनों सेट जीतकर क्वार्टर फाइनल

में प्रवेश किया। सिनर ने मैच के बाद कहा, यह मेरे लिए काफी कठिन था और मुझे लगता है कि पहले सेट में मौटेट ने शानदार खेल दिखाया। मेरे पास कुछ मौके थे, लेकिन वह मुझसे काफी अच्छा खेला जिस कारण मुझे ढलने में थोड़ा समय लगा।

सिनर का सामना क्वार्टर फाइनल में ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। दिमित्रोव ने एक कड़े मुकाबले में ह्यूबर्ट हर्काज़ को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 10वीं वरीयता प्राप्त दिमित्रोव ने आठवें वरीय हर्काज को 7-6 (5), 6-4, 7-6 (3) से हराया। यह पहला अवसर है जब दिमित्रोव ने फ्रेंच ओपन के अंतिम आठ में जगह बनाई। वह यूएस ओपन, ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में एक-एक बार सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में दो बार के ग्रैंडस्लैम विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज और 2021 में फ्रेंच ओपन के उप विजेता स्टेफानोस सितसिपास ने भी अपने-अपने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां ये दोनों खिलाड़ी एक दूसरे का सामना करेंगे। तीसरे वरीय अल्काराज ने कनाडा के 21वें वरीय फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-3, 6-3, 6-1 से, जबकि नौवें वरीय सितसिपास ने इटली के गैर वरीय माटियो अर्नाल्डी को 3-6, 7-6 (4), 6-2, 6-2 से पराजित किया।

दिल्ली शराब नीति केस, सप्लीमेंट्री चार्जशीट में कविता 32वीं आरोपी

ईडी बोली- उन्होंने 8 आईफोन फॉर्मेट किए, 10 लाख किराए के रूम में ठहरीं

हैदराबाद/नई दिल्ली,3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत पर सोमवार (3 मई) को सुनवाई हुई। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कविता की न्यायिक हिरासत को 3 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है।

कोर्ट के इस आदेश के तुरंत बाद प्रवर्तन निदेशालय ने 177 पेज की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश की, जिसमें कविता को 32वां आरोपी बनाया गया है।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कविता ने जो 8 आईफोन जमा किए थे, जिसमें 2 आईफोन 13 मिनी, 4 आईओन 13 और 2 आईफोन 14 प्रो शामिल हैं। वे सभी पहले ही फॉर्मेट किए गए थे। उनका डेटा डिलीट किया गया। इन आईफोन में केस से जुड़े सबूत हो सकते हैं। साथ ही कविता को दिल्ली में 5 स्टार होटल के 10 लाख रुपए किराए वाले कमरे में ठहराया गया था।

चार्जशीट में ईडी ने कविता पर लगाए आरोप

कविता ने साउथ ग्रुप के साथ शराब लाइसेंस के बदले दिल्ली सरकार को 100 करोड़ रुपए के पेमेंट की साजिश रची। साथ ही इंडो स्पिरिट्स में हिस्सेदारी की भी प्लानिंग की।

100 करोड़ के बदले इंडो स्पिरिट्स को शराब का थोक लाइसेंस मिला, जिससे 12% के प्रॉफिट के जरिए दिल्ली शराब नीति रद्द होने तक इंडो स्पिरिट्स ने 192.8 करोड़ रुपए का लाभ कमाया।

100 करोड़ की रिश्वत के देने के बाद साउथ ग्रुप के कई लाइसेंस जारी हुए। उनकी हिस्सेदारी तय हुई।

सबसे बड़ी शराब निर्माता कंपनी Pernod Ricard को साउथ ग्रुप के थोक विक्रेता को निर्देशित करना और कई रिटेल एरिया की परमिशन देना शामिल है।

आप को दी गई 100 करोड़ रुपए की रिश्वत को व्हाइट मनी में बदलने के लिए गोवा चुनाव में खर्च किया गया। ये अपराध की आय है।

6 मई को खारिज की हुई थी कविता की जमानत याचिकाएं

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार (6 मई) को एक्साइज पॉलिसी केस में सीबीआई और ईडी के केस में बीआरएस नेता के कविता की जमानत याचिकाएं खारिज की थीं। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने कहा कि उन्हें राहत देने के लिए यह सही समय नहीं है।

इससे पहले 23 अप्रैल की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने के. कविता और एक अन्य आरोपी चरनप्रीत की कस्टडी भी 7 मई तक बढ़ाई थी। प्रवर्तन निदेशालय ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा था कि के. कविता के केस में एजेंसी 60 दिन में चार्जशीट फाइल करेगी।

ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था

के. कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। ईडी ने उन्हें 15 मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। ईडी ने 15 मार्च की सुबह 11 बजे उनके घर पर रेड डाली थी। करीब 8 घंटे की तलाशी और कार्रवाई के बाद शाम 7 बजे उन्हें हिरासत में लिया गया। उसके बाद अरेस्ट किया गया। एजेंसी उन्हें लेकर दिल्ली आ गई थी।

भारतीय रेल के गति शक्ति विश्वविद्यालय ने उद्योग और शिक्षा जगत के साथ सहयोग के लिए समझौता किया

"ये समझौता ज्ञापन महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं" - अश्विनी वैष्णव

हैदराबाद/नई दिल्ली, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल के गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा ने उद्योग और शिक्षा जगत के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए नोकिया, प्लासर इंडिया और जैकब के साथ सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया किए हैं। राघव सहगल (अध्यक्ष - क्लाउड और नेटवर्क सेवाएं, नोकिया) और प्रो. मनोज चौधरी (कुलपति, जीएसवी), सीज़फ्राइड फिंक (प्रबंध निदेशक - प्लासर इंडिया) तथा प्रो. मनोज चौधरी (कुलपति, जीएसवी) एवं अनिल रेलन (उपाध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक - जैकब्स) और प्रो. मनोज चौधरी (कुलपति, जीएसवी) के बीच रेल भवन, नई दिल्ली में तीन एमओयू (समझौता ज्ञापनों) पर हस्ताक्षर किए गए। अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, जो गति शक्ति विश्वविद्यालय के पहले कुलाधिपति(चांसलर) भी हैं, की उपस्थिति में इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर कहा, "मुझे खुशी है कि जीएसवी इतने कम समय में देश में आईआईटी के समकक्ष संस्थान के रूप में उभर रहा है. आज तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. मैं नोकिया, प्लासर इंडिया और जैकब को आगे आने के लिए धन्यवाद देता हूं. हमारा दृष्टिकोण गहन उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करना है। इससे जीएसवी संस्थान के छात्र अपने अंतिम वर्ष तक नौकरी पाने के लिए तैयार हो सकेंगे। नोकिया के साथ यह समझौता ज्ञापन वायु, भूमि और समुद्री परिवहन के उपयोग को ध्यान में रखते हुए 5जी/6जी संचार के क्षेत्र में अनुसंधान सहित सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें मानक विकास, स्मार्ट फैक्ट्री/ऑटोमेशन, एआई/सामान्य एआई लैबों के साथ-साथ परिवहन और लॉजिस्टिक क्षेत्रों, फाइबर सेंसिंग तथा एआई, ऑप्टिकल नेटवर्क योजना पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए डिजिटल ट्विन और नोकिया के नेटवर्क के कोडप्लेटफॉर्म का लाभ उठाया जाएगा। प्लास्सर इंडिया के साथ इस समझौता ज्ञापन से ट्रैक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग का अवसर प्राप्त होगा, प्रत्येक पक्ष के सदस्यों को उद्योग अनुभव और प्रशिक्षण के लिए बढ़ावा मिलेगा; परिवहन और रेल सेक्टर में संयुक्त अनुसंधान के अवसरों की खोज की जाएगी; जीएसवी के छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर मिलेंगे।श्रजैकब के साथ इस समझौता ज्ञापन से परिवहन, रेल और सेमीकंडक्टर सेक्टर, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण और रेलवे सहित प्रयोगशालाओं के विकास में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना संबंधित अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों के क्षेत्र में प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र के साथ-साथ दूरसंचार क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि तथा हाल ही में भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के कारण, ये समझौता ज्ञापन महत्वपूर्ण रोजगार के अवसरों के लिए श्रमशक्ति सृजित करेंगे। उद्योग-संचालित और नवप्रवर्तक-आधारित विश्वविद्यालय होने के नाते, जीएसवी के पास पहले से ही कई अग्रणी संस्थानों और उद्योगों के साथ सहभागिता है. जीएसवी ने एअरबस, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, निप्पॉन कोयई, सीमेंस डीपीआईआईटी, कर्मयोगी भारत, वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया, चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. इसके अलावा, जीएसवी ने शैक्षणिक सहायता के लिए आईआईएम मुंबई, बिट्स पिलानी, आईआईटी गांधीनगर, आईआईटी जोधपुर, एनआईटीटीआर भोपाल, पीजीयूपीएस मॉस्को, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के साथ सहभागिता की है। गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा की स्थापना वर्ष 2022 में संसद के अधिनियम के माध्यम से की गई थी, जिसका उद्देश्य संपूर्ण परिवहन और लॉजिस्टिक सेक्टर के लिए श्रेष्ठ श्रमशक्ति और प्रतिभा का निर्माण करना है।

पुलिस ने चुनाव आयोग के नियमों की अनदेखी की : निरंजन

भाजपा ने चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल किया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 5 फरवरी, 2024 को जारी निर्देशों के बावजूद रैलियों, नारे लगाने, पोस्टर या पर्चे बांटने या किसी अन्य चुनाव संबंधी गतिविधि सहित किसी भी चुनाव अभियान में बच्चों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, बच्चे रैली में और उस मंच पर मौजूद थे जिसमें अमित शाह ने भाग लिया था। बच्चों में से एक को भाजपा का चुनाव चिन्ह लिए और नारे लगाते देखा गया। सोमवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए निरंजन ने कहा कि रैली 1 मई, 2024 को हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में लाल दरवाजा से सुधा टॉकीज बेला तक हुई थी। इस संबंध में मंच की फोटो क्लिपिंग के साथ चुनाव आयोग और सीईओ से शिकायत की गई थी। उन्होंने कहा कि सीईओ ने हैदराबाद के

डीईओ को तथ्यों की जांच करने और तुरंत एक विस्तृत रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 2 मई, 2024 को मुगलपुरा पीएस ने कथित आरोपी टी. यमन सिंह, कोम्पेला माधवी लता, अमित शाह, जी. किशन सिंह और टी. राजा सिंह के नामों के साथ एक प्राथमिकी दर्ज की। निरंजन ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि 1 जून, 2024 को मुगलपुरा पुलिस इंस्पेक्टर ने मुझे पंजीकृत डाक से धारा 173 (2) के तहत एक नोटिस भेजा, जिसमें बताया गया कि भौतिक साक्ष्य के आधार पर आरोपी व्यक्ति टी. यमन सिंह, कोम्पेला माधवी लता और टी. राजा सिंह हैं। अन्य अमित शाह और किशन रेड्डी की संलिप्तता स्थापित नहीं हुई। इसलिए, उनके नाम मामले से हटा दिए गए और आरोप पत्र दायर किया गया। निरंजन ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पुलिस मामले में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और किशन रेड्डी को बचाने की कोशिश कर रही थी। उल्लंघन खुले तौर पर और शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया, जो अमित शाह की बैठक के लिए व्यवस्था ड्यूटी पर हैं। ऐसी बैठकों में चुनाव आयोग की ओर से छाया दल और उड़न दस्ते मौजूद रहेंगे। पूरे कार्यक्रम की संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा वीडियोग्राफी की जाएगी। हम चुनाव आयोग से अनुरोध करते हैं कि संबंधित पुलिस अधिकारियों की प्रक्रिया की जांच की जाए क्योंकि वे चुनाव आयोग को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं

21 जून से हाईटेक्स प्रदर्शनी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद 21 जून से हिटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में शुरू होने वाले प्रमुख उद्योग कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के लिए तैयार है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार, सहयोग और व्यापार वृद्धि को बढ़ावा देना है। इसकी शुरूआत 16वें चावल और अनाज मिलिंग टेक एक्सपो से होगी, जो 21 जून से शुरू होने वाला तीन दिवसीय आयोजन है। इस एक्सपो में नवीनतम विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और समाधानों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे बड़े उद्योगों और छोटे तथा मध्यम उद्यमों (एसएमई) को अपनी उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि करके लाभ मिलेगा। इसके बाद, हैदराबाद इंटरनेशनल मशीन टूल एंड इंजीनियरिंग एक्सपो (हिमटेक्स) का 8वां संस्करण 16 से 19 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

9 जून को समूह-1 सेवाओं के लिए प्रारंभिक परीक्षा

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अधिसूचना संख्या 02/2024 के अनुसार समूह-1 सेवाओं के लिए प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) ओएमआर मोड में परीक्षा 9 जून को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों के लिए हॉल टिकट डाउनलोड करने का प्रावधान 1 जून से आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है और उम्मीदवार परीक्षा शुरू होने तक हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। हॉल टिकट पर मुद्रित विस्तृत निर्देशों के माध्यम से सभी उम्मीदवारों को पहले से ही विस्तृत निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इस संबंध में, उम्मीदवारों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि परीक्षा में आने से पहले मुद्रित हॉल टिकट में दिए गए स्थान पर चिपकने वाले/गोंद का उपयोग करके तीन महीने से अधिक समय पहले खींची गई पासपोर्ट आकार की फोटो चिपकाना अनिवार्य है। यह निर्देश हॉल टिकट में दिए गए निर्देश में पहले से ही उल्लेखित है। हालांकि, उम्मीदवार को परीक्षा हॉल में केवल निरीक्षक की उपस्थिति में हॉल टिकट पर दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर करना आवश्यक है।परीक्षा केंद्र/परीक्षा हॉल में प्रवेश के लिए हॉल टिकट को सरकार द्वारा जारी कम से कम एक मूल वैध फोटो पहचान पत्र (भौतिक रूप में) यानी पासपोर्ट, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, सरकारी कर्मचारी पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस आदि के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

लोकसभा मतगणना केंद्रों के पास धारा 144 लागू

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव की मतगणना और परिणामों की घोषणा के मद्देनजर मतगणना केंद्रों के पास 200 मीटर के दायरे में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। इस संबंध में शहर पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने आदेश जारी किए हैं, जो 4 जून को सुबह 6 बजे से 5 जून को सुबह 6 बजे तक लागू रहेंगे। धारा 144 (उपद्रव या आशंकाजनक खतरे के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) मतगणना केंद्रों के पास उक्त परिधि में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाती है।

सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने लोकसभा चुनाव की मतगणना और नतीजों के मद्देनजर मंगलवार को सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। शहर के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने एक आदेश में कहा कि 4 जून को सुबह 6 बजे से 5 जून को सुबह 6 बजे तक सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर आतिशबाजी या पटाखे फोड़ना सख्त वर्जित है। उन्होंने कहा कि आदेश और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम, 1348 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

4-5 जून को शराब की बिक्री पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार 4 जून को घोषित होने वाले लोकसभा चुनावों की मतगणना और परिणामों के मद्देनजर 5 जून को सुबह 6 बजे तक प्रतिबंधित रहेगी। शहर के पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने एक आदेश में कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाएगा।

टीजीएसआरटीसी ने रूट 24ई पर 8 मेट्रो एक्सप्रेस बसें शुरू कीं

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ग्रेटर हैदराबाद जोन ने 3 जून से रूट 24ई यानी ईसीआईएल एक्स रोड से सिकंदराबाद तक 8 मेट्रो एक्सप्रेस बसें शुरू की हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए ये बसें एएस राव नगर, सैनिकपुरी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और अम्मुगुड़ा, नागा देवता मंदिर, लाल बाजार, कारखाना और जेबीएस होते हुए सिकंदराबाद पहुंचती हैं। ये बसें 13 मिनट की आवृत्ति पर संचालित की जा रही हैं। आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि ईसीआईएल एक्स रोड से सिकंदराबाद के लिए पहली बस सुबह 05:53 बजे चलेगी और ईसीआईएल एक्स रोड से सिकंदराबाद के लिए आखिरी बस रात 9 बजे चलेगी। इसी तरह, सिकंदराबाद से ईसीआईएल एक्स रोड के लिए पहली बस सुबह 06:30 बजे और आखिरी बस रात 8.52 बजे चलेगी।

कांग्रेस के शासन के दौरान तेलंगाना शब्द गायब : हरीश राव

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक हरीश राव ने आज कहा कि कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी सीएम बन सकते हैं, लेकिन वह कभी कार्यकर्ता नहीं बन सकते।

उन्होंने यह भी कहा कि रेवंत इतिहास में एक गद्दार के रूप में रहेंगे, जिन्होंने तेलंगाना कार्यकर्ताओं पर बंदूक चलाई थी। हरीश ने कहा कि रेवंत कभी कार्यकर्ता नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकर्ता होने का श्रेय बीआरएस पार्टी को जाता है। तेलंगाना राज्य का दशकीय समारोह सिद्दीपेट जिले में बीआरएस पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया। हरीश राव ने झंडा फहराया। बाद में, उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने याद किया कि उन्होंने तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं के लिए लड़ाई लड़ी थी। हरीश राव ने कहा कि इस दशक के जश्न में असली उत्सव उन सभी को याद करना है जिन्होंने बिना किसी उम्मीद के, बिना किसी अपेक्षा के, लोगों के लिए, तेलंगाना के स्वाभिमान के लिए और दशकों के सपने को साकार करने के लिए काम किया।

हरीश राव ने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि बीआरएस पार्टी के जिला अध्यक्ष कोठा प्रभाकर रेड्डी ने आंदोलन का

नेतृत्व करने वाले जिला नेताओं को सम्मानित करने का फैसला किया है। हरीश राव ने कहा, "सिद्दीपेट में हर कोई कार्यकर्ता है। सभी का सम्मान किया जाना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि केसीआर तेलंगाना के लिए एक उद्धारकर्ता थे। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य के गठन के अवसर पर कांग्रेस द्वारा दिए गए प्रेस वक्तव्यों में कहीं भी 'जय तेलंगाना' का उल्लेख नहीं है। बीआरएस शासन के दौरान की गई घोषणाओं में जय तेलंगाना का नारा है। जय जय निश्चित रूप से तेलंगाना था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश शासन के दौरान 'जय तेलंगाना' नारे पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और दावा किया कि अब रेवंत रेड्डी के शासन के दौरान तेलंगाना शब्द गायब हो गया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि केसीआर के बिना तेलंगाना की जागरूकता नष्ट हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि बीआरएस एकमात्र पार्टी है जो तेलंगाना के अधिकारों और हितों के लिए लड़ती है।

हॉल-टिकट पर फोटो चिपकाने के निर्देश

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने एक अधिसूचना में उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि परीक्षा में आने से पहले मुद्रित हॉल टिकट में दिए गए स्थान पर तीन महीने पहले खींचा गया पासपोर्ट आकार का फोटो चिपकाएं। अभ्यर्थियों के लिए हॉल टिकट डाउनलोड करने का प्रावधान आयोग की वेबसाइट पर 1 जून से ही उपलब्ध है तथा अभ्यर्थी परीक्षा प्रारंभ होने तक इसे डाउनलोड कर सकते हैं। टीएसपीएससी ने अभ्यर्थियों से यह भी अनुरोध किया है कि वे परीक्षा हॉल में केवल निरीक्षक की उपस्थिति में ही हॉल टिकट पर दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर करें। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए हॉल टिकट के साथ सरकार द्वारा जारी कम से कम एक मूल वैध फोटो पहचान पत्र (भौतिक रूप में) जैसे पासपोर्ट, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, सरकारी कर्मचारी पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस आदि प्रस्तुत करना होगा।

बारूदी सुरंग विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत

माओवादियों का हाथ होने का संदेह

मुलुगु, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को मुलुगु के वाजेडू मंडल के अंतर्गत कोंगाला हिल्स के जंगल में माओवादियों द्वारा लगाए गए बारूदी सुरंग विस्फोट में 55 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान येलंदुला येसु के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, जगन्नाधपुरम गांव के 3 अन्य ग्रामीणों के साथ येसु जंगल में लकड़ियां इकट्ठा करने गया था। जब वे लकड़ियां इकट्ठा करने में व्यस्त थे, तब येसु का पैर एक बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिससे विस्फोट हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, अन्य तीन लोग सुरक्षित बच गए। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को संदेह है कि तलाशी अभियान चला रहे पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने के लिए माओवादियों ने वन क्षेत्र में बारूदी सुरंगें बिछाई होंगी। उन्होंने ग्रामीणों को चेतावनी दी है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए जंगल में प्रवेश न करें। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

मूसारामबाग की बेकरी में लगी आग

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हैदराबाद में मलकपेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र के मूसारामबाग में सोमवार सुबह एक बेकरी की दुकान में आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाना शुरू कर दिया। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें संदेह है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग से हुए नुकसान का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

मैलारदेवपल्ली में दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर सर्कल के अंतर्गत मैलारदेवपल्ली के बाबुल रेड्डी नगर में रविवार रात एक दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुखद घटना भारी बारिश के कारण घटी। पीड़ितों की पहचान नूरजहां (8) और आसिफ परवीन (3) के रूप में हुई है। दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि वे बिहार से आये प्रवासी श्रमिकों के बच्चे हैं, जो औद्योगिक मजदूर के रूप में काम करने के लिए बाबुल रेड्डी नगर आये थे। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू कर दी।

टैंकबंड के निचले और मुख्य हिस्से बंद रहने से यात्री परेशान

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के एक दिन बाद सोमवार को बड़ी संख्या में वाहन चालकों को निचली और मुख्य टैंकबैंड सड़कों पर यातायात की भीड़ से निपटने में परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार को स्थापना दिवस समारोह के बाद भी टैंक बंड का निचला और मुख्य हिस्सा बंद रहा। यातायात प्रतिबंध केवल 1 और 2 जून के लिए अधिसूचित किए गए थे, लेकिन सोमवार सुबह भी बैरिकेड नहीं हटाए गए। दफ़्तर जाने वाले लोग और यात्री ट्रैफ़िक जाम में फंसे रहे, जिससे कई लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी हुई। टैंक बंड और लोअर टैंक बंड महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग हैं, जिनका उपयोग कई यात्री शहर के पश्चिमी हिस्से तक पहुंचने के लिए करते हैं।

रानीगंज और सिकंदराबाद से आने वाले वाहन चालक जो पहले से ही लोअर टैंक बंड रोड बंद होने से परेशान थे, उन्हें लंबा रास्ता तय करना पड़ा। खैरताबाद से आने वालों को भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। इसके परिणामस्वरूप तेलुगु थल्ली फ्लाईओवर पर भारी ट्रैफिक हो गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.